# HARYANA VIDHAN SABHA

# DEBATES

## 14TH June, 1967

**Vol. 1- No. 16**

**OFFICIAL REPORT**

**CONTENTS**

**Wednesdaym the 14th June, 1967**


| | Page |
|---|---|
| Starred Questions and Answers | 16(1) |
| Call Attention Notice | (16)18 |
| Statement by the Chief Minister | (16)18 |
| General Discussion on the Budget (Resumption) (contd.) | (16)18-64 |

ERRATA

TO

HARYANA VIDHAN SABHA DEBATES

Vol. 1, No. 16, dated 14th June, 1967

| Read | For | Page | Line |
|---|---|---|---|
| District | Distict | (16)8 | 29 |
| Years | Yearars | (16)14 | 20 |
| Lachhman | Lachman | (16)16 | 18 |
| ” | , | (16)16 | 38 |
| सहिबान | सहबान | (16)17 | 43 |
| बढ़ाने | बड़ाने | (16)18 | 18 |
| चीजें | चाजें | (16) 19 | 10 |
| अपने | आपने | (16) 25 | 14 |
| लिए | लए | (16) 25 | 13 |
| कुर्बानी | कुबानी | (16) 25 | 30 |
| टैक्स | क्स | (16) 26 | 6 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| जीप | बस | (16) 27 | 33 |
| भी | भा | (16) 20 | 9 |
| की | का | (16) 30 | 3 |
| तो | ता | (16) 30 | 4 |
| है | ै | (16) 30 | 8 |
| जो | जा | (16) 30 | 11 |
| को | का | (16) 30 | 11 |
| जिस | जिसे | (16) 31 | 29 |
| रिपोर्ट | रिपोर्ट | (16)32 | 18 |
| अल्टीमेटली | अलटामेटली | (16)32 | 19 |
| डी | डा | (16) 32 | 19 |
| बन्द | न्द | (16) 32 | 24 |
| ठेकेदारों | ठेकेदारो | (16) 33 | 26 |
| रूपये | पये | (16) 35 | 27 |
| तकलीफें | तकलीफों | (16) 36 | 7 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| बैठ | बै | (16)36 | 12 |
| करोड़ | कोड | (16)36 | 16 |
| रीआर्गेनाइजेशन | रीआर्गेनाइजेश | (16)36 | 23 |
| रूपये | पयें | (16)36 | 34 |
| कन्फ्यूजन | कफ्यूजन | (16)36 | 36 |
| थी | था | (16)37 | 8 |
| दूसरे | छूसर | (16)37 | 13 |
| कारपोरेशन | कारपोरेशन | (16)37 | 33 |
| रूपया | पया | (16)38 | 16 |
| फ्रीकवेंट | फ्रीकवेंट | (16)39 | 10 |
| गिल्टी | मिल्टी | (16)39 | 17 |
| भी | भां | (16)39 | 31 |
| नहीं | हीं | (16)40 | 31 |
| अनहयूमन | अनहयुमन | (16)41 | 29 |
| हरियाणे | हारयाणे | (16)44 | 19 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| देने | ने | (16)44 | 22 |
| बैठिए | बैठिए | (16)45 | 4 |
| बोलेंगे | बोले | (16)45 | 5 |
| सबूत | सबृत | (16)45 | 11 |
| ने | न | (16)45 | 34 |
| की | ी | (16)46 | 20 |
| होगी | होंगे | (16)46 | 25 |
| अच्छा | अच्छ | (16)46 | 26 |
| देना | दना | (16)46 | 30 |
| Read the word beteen the words बिना एंड हमारा | | (16)47 | 23 |
| सकता | लकता | (16)47 | 24 |
| सोर्स | सोस | (16)47 | 31 |
| तो | ो | (16)48 | 1 |
| से | स | (16)48 | 3 |
| डिवैल्पमैंट | डिवैल्पमेंट | (16)48 | 4 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| लेते | लते | (16)48 | 18 |
| सैकेटरीज | सकेटरीज | (16)51 | 1 |
| कुरूक्षेत्र यूनिवर्सिटी | कुरूक्षेत्र यूनिवर्सि ी | (16)52 | 12 |
| गल्त | ल्त | (16)53 | 6 |
| बैठे | बै | (16)53 | 13 |
| गरीब | गीब | (16)53 | 16 |
| इतना | तना | (16)53 | 18 |
| डिप्टी | डिप्टी | (16)53 | 18 |
| इस | स् | (16)53 | 24 |
| इधर | इ र | (16)53 | 24 |
| शुरू | शरू | (16)54 | 5 |
| रूपए | पए | (16)54 | 18 |
| रेट | ट | (16)55 | 3 |
| कठिनाई | क् िनाई | (16)55 | 5 |
| इन | न् | (16)55 | 7 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| मजदूरों | मजदू ो | (16)55 | 7 |
| अधिक | अ िक | (16)55 | 7 |
| इनकी | नकी | (16)55 | 9 |
| इतनी | तनी | (16)55 | 13 |
| रूपये | पये | (16)55 | 15 |
| जारी | जा ी | (16)55 | 18 |
| दी | ी | (16)55 | 19 |
| गरीबों | ग ीबों | (16)55 | 22 |
| रूपये | पये | (16)55 | 25 |
| गरीब | ग ीब | (16) 55 | 27 |
| अलाउंस | अलांस | (16)56 | 2 |
| सरकारी | सरका ी | (16)56 | 2 |
| देने | ` ने | (16)56 | 12 |
| दोगे | ो | (16)56 | 18 |
| रूपए | पए | (16)56 | 22 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| बदमाशी | बदमाशा | (16)56 | 32 |
| रूपए | पए | (16)57 | 4 |
| बारे | बा` | (16)57 | 5 |
| इन्‍जैस्टिस | नजेस्टिस | (16)57 | 9 |
| रूपए | पए | (16)57 | 16 |
| आती है | है आती | (16)57 | 20 |
| भी | ी | (16)57 | 24 |
| इसलिए | ललि | (16)57 | 25 |
| सालेखां | सालेरख | (16)57 | 30 |
| पेश | पशे | (16)57 | 30 |
| जरूरी | जरू ी | (16)58 | 1 |
| देश | श | (16)58 | 4 |
| गरीबों | ग ीबों | (16)58 | 9 |
| मैं | म | (16)58 | 13 |
| अपने | अपन | (16)58 | 19 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| मंगाने | मंगान | (16)58 | 21 |
| तरक्की | तरक्की | (16)59 | 32 |
| हमारे | हमार | (16)59 | 4 |
| मेहनत | महनत | (16)60 | 4 |
| करके | रकके | (16)60 | 5 |
| टैक्स | टक्स | (16)60 | 6 |
| की | क्ा | (16)61 | 3 |
| रहेगा | रहंगा | (16)61 | 31 |
| इन्डसट्री | इन्डस्ट्र | (16)62 | 10 |
| इसके | इसक | (16)62 | 23 |
| देखने | खने | (16)62 | 30 |
| मैं | म | (16)62 | 26 |
| इस | स | (16)63 | 26 |
| इस | स | (16)63 | 2 |

# HARYANA VIDHAN SABHA

## Wednesday, the 14th June, 1967

The Vidhan Sabha met in the Hall of the Haryana Vidhan Sabha, Vidhan Bhavan, Chandigarh at 9.00 a.m. of the Clock. Mr, Speaker (Chaudhri Sri Chand) in the Chair

STARRED QUESTIONS AND ANSWERS

Travelling Allowance drawn by Ministers

*134. Shri Daya Krishan: Will the Chief Minister be pleased to state-

(a) the amount drawn as traveling allowance by each Minister, State Minister and Deputu Minister during the period from 15-3-67 to 15-4-67, separately;

(b) The total number of times the Ministers, State Ministers and Deputy Ministers visited the Bahadurgarh Consiltuency during the said period together with the purpose of visit in each case;

(c) Whether they charged traveling allowance for visiting the Bahadurgarh Constituency?

**Rao birendra Singh: (a) & (b)** A statement containing the requisite information is laid on the Table of the House.

(c) No.

STATEMENT

ANNEZURE 'A'

| Serial No. | Name of the Minister | Part (a) | Part (b) (i) | Part (b) (ii) |
|---|---|---|---|---|
| | | Amount of T.A. drawn | Number of visits made of bahadurgarh constituency | Purpose of visit |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| 1 | Shri Birender Singh, C.M. | Rs Nill | Nil | |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| 2 | Shri Chand, R.M | Nil | Nil | |
| 3 | Shri Mool Chand Jain, F.M | 275.00 | Nil | |
| 4 | Shri hardwari Lal, E.M. | 187.50 | Nil | |
| 5 | Shri Partap Singh Daulta, D.M | 250.00 | Nil | |
| 6 | Shri Shereyo Nath H.M. | Nil | Nil | |
| 7 | Shri Mani Ram Godara, I.P.M. | 200.00 | Nil | |
| 8 | Shri Lachman Singh, T.M. | 200.00 | Nil | |
| 9 | Shri Harpal Singh, L.G.M. | 300.00 | Only once | To address a public meeting (No T.A.was drawn and only ½ D.A was drawn) |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| MINISTER OF STATE | | | | |
| 1 | Shri Multan Singh, M.C. | 350.00 | Nil | |
| 2 | Shri Phool Chand, M.P.W. | 250.00 | Nil | |
| 3 | Shri Amir Singh, M.R.E. | 312.50 | Nil | |
| 4 | Shri Shamsher Singh, M.D. | 250.00 | Nil | |
| DEPUTY MINISTERS | | | | |
| 1 | Shri Jaswant Singh, D.M.H. | 337.50 | Nil | |
| 2 | Shri Ram Parshad, D.M.P.W. | 150 | Nil | |

**Tour of Ministers**

***237 . Shri Ram Parkash:** Will the Chief Minister be pleased to state-

(a) The places visited by each of the Ministers during the period from 30th March, 1967, to-date, date-wise together with the amount of T.A. and D.A. drawn by each of them;

(b) The total number of days each Minister remained out of Chandigarh during the aforesaid period?

**Rao Birendra Singh:** (a)& (b) Statements I &II containing such part of the information as is available are placed on the Table of the House.

**STATEMENT 1**

**PART (a)**

**Statement showing the names of places visited by Ministers during the period from**

**30th March, 1967 to 30th April, 1967 together with the amount of**

**T.A. and D.A. drawn by each one of them.**

| Serial No. | Name of the Minister | Date | Names of plaes visited | Amount of T.A./ D.A. drawn during the period in question |
|---|---|---|---|---|
| **1** | **2** | **3** | **4** | **5** |
| 1 | Rao Birendra Singh, Chief Minister | | Tour details not received so far | Tour details not receives so far |
| 2 | Shri Chand Ram, Revenue Minister | | Ditto | Ditto |
| 3 | Shri Mool Chand Jain, Finance Minister | 31-3-67 | Karnal | Rs. 400.00 |
| | | 1-4-67 | Village Arai Pura, Chaura Bastara, Jhewar Heri, Hassenpur, Rasin, Phurlak and Gharaunda | |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| | | 2-4-67 | Village Baroli, Ganj Bar, Guhra, Kond, Begampur, Dolana, Sheikpura, Raipur | |
| | | 5-4-67 | Karnal | |
| | | 7-4-67 | Yamuna Nagar | |
| | | 8-4-67 | Pehowa | |
| | | 9-4-67 | Karnal, Villages Garhi Multan, Dingar Majra and Kaimla | |
| | | 10-4-67 | Delhi | |
| | | 13-4-67 | Karnal, Narwana, Jind | |
| | | 14-4-67 | Mohindergarh, Narnaul | |
| | | 15-4-67 | Karnal | |
| | | 16-4-67 | Bahadurgarh, Delhi | |
| | | 17-4-67 | Karnal | |
| | | 19-4-67 | Panipat, Salwan | |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| | | 20-4-67 | Assandh, Rewari, Delhi | |
| | | 21-4-67 | Ambala Cantt. | |
| | | 27-4-67 | Gharaunda | |
| | | 28-4-67 | Gurgaon, Faridabad | |
| | | 29-4-67 | Karnal, Kurukshetra, Kaithal, Hissar | |
| | | 30-4-67 | Village Agroha | |
| 4 | Shri Hardwari Lal, Education Manister | 8-4-67 | Patiala, Karnal | Rs. 500.00 |
| | | 9-4-67 | Rohtak, Delhi | |
| | | 11-4-67 | Bhiwani | |
| | | 12-4-67 | Halt at Bhiwani | |
| | | 13-4-67 | | |
| | | 14-4-67 | Mahendargarh, Bhiwani | |
| | | 15-4-67 | Delhi | |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| | | 16-4-67 | Halt at Delhi | |
| | | 14-4-67 | Panipat | |
| | | 19-4-67 | Delhi | |
| | | 20-4-67 | Rewari | |
| | | 21-4-67 | Kurukshetra | |
| | | 22-4-67 to | Halt at Kurukshetra | |
| | | 24-4-67 | | |
| | | 26-4-67 | Ambala | |
| | | 27-4-67 | Delhi | |
| | | 28-4-67 to | Halt at Delhi | |
| | | 30-4-67 | | |
| 5 | Shri Partap Singh Daulta, D.M. | 31-3-67 | Rohtak | |
| | | 1-4-67 | Villages Garhi Ballabh and Cheemni | 381-25 |
| | | 2-4-67 | Villages Gochi, Beri, Jahazagarh Majra, Achhy, Paharpur, Malikpur, | |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| | | | Theeth, Majora and Dubaldhan | |
| | | 3-4-67 | Rohtak | |
| | | 7-4-67 | Yamuna Nagar, Rohtak | |
| | | 8-4-67 to | Halt at Rohtak | |
| | | 12-4-67 | | |
| | | 20-4-67 | Rewari, Gurgaon | |
| | | 22-4-67 | Kharar, Bhabraula, Delhi | |
| | | 23-4-67 | Gurgaon, Delhi | |
| | | 27-4-67 | Dehra Dun | |
| | | 28-4-67 | Halt at Dehra Dun | |
| | | 29-4-67 | Sanhardhar, Mussoorie, Dehra Dun | |
| | | 30-4-67 | Halt at Dehra Dun | |
| 6 | Shri Sheryo Nath, H.M. | | T.A. claim not preferred so far | Nill |
| 7 | Shri Mani Ram, | 3-4-67 | Tohana | 306-25 |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| | Godara, I.P.M. | | | |
| | | 4-4-67 | Hissar, Bhiwani | |
| | | 8-4-67 | Delhi | |
| | | 9-4-67 | Halt at Delhi | |
| | | 10-4-67 | Hissar | |
| | | 11-4-67 | Rohtak, Hissar | |
| | | 12-4-67 | Halt at Hissar | |
| | | 13-4-67 | Villages Dumer Kha, Narwana | |
| | | 17-4-67 | Hissar | |
| | | 19-4-67 | Fatehabad | |
| | | 22-4-67 | Rampur Bushahr (H.P.) | |
| | | 23-4-67 | Kalpa | |
| | | 24-4-67 | Rampur Bushahr | |
| | | 29-4-67 | Ambala City | |
| | | 30-4-67 | Karnal | |
| 8 | Shri Lachman Singh, T.M | 31-3-67 | Kalka and back | 363.50 |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| | | 1-4-67 | Kalka | |
| | | 2-4-67 | Halt at Kalka | |
| | | 3-4-67 | Kalka, Yamuna Nagar | |
| | | 5-4-67 | Duria, Jagadhri | |
| | | 6-4-67 | Kalka | |
| | | 7-4-67 | Yamuna Nagar, Delhi | |
| | | 8-4-67 to | Halt at Delhi | |
| | | 10-4-67 | | |
| | | 11-4-67 | Rohtakm Hissar | |
| | | 12-4-67 | Sirsa | |
| | | 13-4-67 | Narwana, Kalka | |
| | | 14-4-67 | Kalka and back to H.Qs | |
| | | 15-4-67 | Kalka, Delhi | |
| | | 16-4-67 | Bhadurgarh, Delhi | |
| | | 17-4-67 | Patudi, Delhi | |
| | | 18-4-67 | Hodal, Delhi | |
| | | 19-4-67 | Kalka, Delhi | |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| | | 20-4-67 | Rewari, Delhi, Sohana | |
| | | 21-4-67 | Delhi | |
| | | 22-4-67 | Kalka, and back H.Qs | |
| | | 23-4-67 | Gurgaon, Dehli | |
| | | 28-4-67 | Jullundur | |
| 9 | Shri Harpal Singh, L.G.M. | 31-3-67 | Tohana | 275.00 |
| | | 1-4-67 | Halt at Tohana | |
| | | 2-4-67 | Tohana and returned to Head-quarters | |
| | | 3-4-67 | Tohana | |
| | | 4-4-67 | Jakhal, Tohana | |
| | | 5-4-67 | Bhuna, Fatehabad | |
| | | 7-4-67 | Yamuna Nagar | |
| | | 10-4-67 | Tohana and back to Headquarters | |
| | | 11-4-67 | Rohtak, Tohana | |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| | | 12-4-67 | Hissar, Tohana | |
| | | 13-4-67 | Narwana, Tohana, Hissar | |
| | | 14-4-67 | Tohana and back to Headquarters | |
| | | 15-4-67 | Bahadurgarh | |
| | | 23-4-67 | Gurgaon,Delhi | |
| | | 29-4-67 | Tohana | |
| | | 30-4-67 | Tohana and back to Headquarters | |
| MINISTER OF STATES | | | | |
| 1 | Shri Multan Singh, M.C. | 1-4-67 | Nilokheri | 487-50 |
| | | 2-4-67 | Gharaunda | |
| | | 3-4-67 | Gurgaon, Panipat | |
| | | 4-4-67 | Gharaunda, Panipat | |
| | | 7-4-67 | Yamuna Nagar | |
| | | 8-4-67 | Pehowa, Karnal | |
| | | 9-4-67 | Halt at Karnal | |
| | | 10-4-67 | Karnal, Panipat | |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| | | 11-4-67 | Rohtak, Karnal | |
| | | 12-4-67 | Karnal, Pundri | |
| | | 13-4-67 | Narwana, karnal | |
| | | 14-4-67 | Magal Gheri | |
| | | 15-4-67 | Panipat | |
| | | 16-4-67 | Bahadurgarh, Delhi | |
| | | 22-4-67 | Panipat | |
| | | 23-4-67 | Samalkha | |
| | | 24-4-67 | Faridabad, Gharaunda | |
| | | 25-4-67 | Gharaunda and back to headquarters | |
| | | 29-4-67 | Karnal, Village Kutail | |
| | | 30-4-67 | Panipt | |
| 2. | Shri Phool Chand M.P.W. | 31-3-67 | Sonepat | |
| | | 1-4-67 | Rohtak, Dadri, Sonepat | |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| | | 2-4-67 | Delhi, Sonepat | |
| | | 3-4-67 | Rohtak Jarli Rly-Station | |
| | | 4-4-67 | Rohtak, Kosli Rly. Stateion | |
| | | 5-4-67 | Rohtak, Jhajjar, Sonepat and back to headquarters | |
| | | 7-4-67 | Yamuna Nagar | |
| | | 10-4-67 | Rohtak (Via Sonepat) | |
| | | 11-4-67 | Stay at Rohtak | |
| | | 12-4-67 | Hissar, Hansi | |
| | | 13-4-67 | Narwana and back to Headquarters | |
| | | 14-4-67 | Rai | |
| | | 15-4-67 | Sonepat, Uklana | |
| | | 16-4-67 | Bahadurgarh, Delhi | |
| | | 17-4-67 | Delhi, Pataudi | |
| | | 19-4-67 | Delhi | |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| | | 20-4-67 | Rewari,Delhi | |
| | | 21-4-67 | Delhi and back to Headquarters | |
| | | 22-4-67 | Sonepat | |
| | | 23-4-67 | Gurgaon, Sonepat and back to headquarters | |
| | | 25-4-67 | Khurdban, Khrindwa and back to Chandigarh | |
| | | 28-4-67 | Panipat | |
| | | 29-4-67 | Rohtak, Birchar, Kaliawas, Jhanswa | |
| | | 30-4-67 | Gamwari, Rohtak | |
| 3 | Major Amir Singh | 1-4-67 | Karnal | 450.00 |
| | | 2-4-67 | Rohtak, Dadri | |
| | | 3-4-67 | Stay art Dadri | |
| | | 4-4-67 | | |
| | | 5-4-67 | Dadri and back to headquarters | |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| | | 7-4-67 | Yamuna Nagar, Delhi | |
| | | 8-4-67 | Halt at Delhi | |
| | | 9-4-67 | Mohindergarh, Dadri | |
| | | 11-4-67 | Dadri, Rohtak | |
| | | 12-4-67 | Jhojhu Kalan, hissar, Dadri | |
| | | 13-4-67 | Village Kansola, Mohindergarh, Delhi | |
| | | 14-4-67 | Mohindergarh, Narnaul, Dadri | |
| | | 15-4-67 | Jind, Patiala and return to Headquarters | |
| | | 16-4-67 | Patiala and return to Headquarters | |
| | | 20-4-67 | Rewari, Dadri | |
| | | 28-4-67 | Bhiwani | |
| | | 29-4-67 | Halt at Dadri | |
| | | 1-5-67 | | |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| 4 | Shri Shamsher Singh, M.D | 3-3-67 | Narwana | 400.00 |
| | | 1-4-67 | Jind | |
| | | 2-4-67 | Narwana | |
| | | 3-4-67 | Narewana and return to Headquarters | |
| | | 7-4-67 | Yamna Nagar and back to Headquarters | |
| | | 10-4-67 | Ambala | |
| | | 11-4-67 | Rohtak, Narwana | |
| | | 12-4-67 | Hissar, Narwana | |
| | | 13-4-67 | Halt at Narwana | |
| | | 14-4-67 | Mohindergarh, Narnaul | |
| | | 15-4-67 | Uklana mandi, Rohtak | |
| | | 16-4-67 | Bhadurgarh, Rohtak | |
| | | 17-4-67 | Bhiwani, Hissar, and return to | |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| | | | Chandigarh | |
| | | 22-4-67 | Narwana, Hissar | |
| | | 23-4-67 | Gurgaon | |
| | | 24-4-67 | Hissar, Narwana and return to Headquarters | |
| | | 28-4-67 | Kaithal | |
| | | 29-4-67 | Halt at Narwana | |
| | | 30-4-67 | Bahadurgarh, Narwana | |
| DEPUTY MINISTERS | | | | |
| 1 | Shri Jaswant Singh D.M.H | 31-3-67 | Kurukshetra, Hissar | 300 |
| | | 1-4-67 | Halt at Hissar | |
| | | 2-4-67 | Rohtak, Bohar Asthal, Hissar | |
| | | 3-4-67 | Hansi,Hissar Village bas | |
| | | 4-4-67 | Hissar, Bhiwani, Hissar | |
| | | 5-4-67 | Hissar,Bhiwani, New Delhi and return to | |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| | | | Chandigarh | |
| | | 6-4-67 | Pinjore and back to Chandigarh | |
| | | 8-4-67 | Village Chuharpur, Hissar | |
| | | 9-4-67 | Halt at hissar | |
| | | 10-4-67 | Hansi,Jinad and return to headquarters | |
| | | 11-4-67 | Rohtak | |
| | | 12-4-67 | Hansi, Hissar, Hansi | |
| | | 13-4-67 | Hansi, Narwana | |
| | | 14-4-67 | Mohindergarh, Narnaul, jhoju Kalan | |
| | | 15-4-67 | Hissar, Uklana and back to headquarters | |
| 2 | Shri Ram Parshad, D.M.P.W. | 5-4-67 | Karnal | 300.00 |
| | | 6-4-67 | Yamuna Nagar | |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| | | 7-4-67 | Ambala | |
| | | 9-4-67 | Ambala, Langarhchhani | |
| | | 10-4-67 | Ambala Cantt | |
| | | 11-4-67 | Rohtak, Delhi | |
| | | 12-4-67 | Hissar | |
| | | 13-4-67 | Bhiwani, Ambala | |
| | | 16-4-67 | Ambala | |
| | | 17-4-67 | Nilokheri,Village Kesri, Nagla, Subha, Dinarpur, Rajukhera, Barara and Ambala cantt | |
| | | 19-4-67 | Sonepat, Karnal, Ambal | |
| | | 21-4-67 | Jagadhri, Chhachhrauli, Jagadhri | |
| | | 23-4-67 | Mullana | |
| | | 25-4-67 | Naraingarh | |
| | | 29-4-67 | Villages Kesri, Sarwan, Sadhaura, | |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| | | | Gadauli and Yamuna Nagar | |
| | | 30-4-67 | Yamuna Nagar and back to Headquarters | |

**STATEMENT 11 PART B**

| Serial No. | Name of the Minister | No. of days he Remained out of Chandigarh during the period from 30th March, 1967 to 30th April, 1967 |
|---|---|---|
| | MINISTERS | |
| 1 | Rao birendra Singh, C.M. | T.A. claim not preferred so far |
| 2 | Shri Chand Ram, R.M. | Ditto |
| 3 | Shri Mool Chand jain, F.M. | 16 days |
| 4 | Shri Hardwari Lal, E.M | 20 days |
| 5 | Shri Partap Singh Daulta, D.M. | 15 days |

| | | |
|---|---|---|
| 6 | Shri Sheroyo Nath,H.M | T.A. claim not preferred so far |
| 7 | Shri Mani Ram Godara, I.P.M | 12 days |
| 8 | Shri lachman Singh, T.M. | 14 days |
| 9 | Shri harpal Singh, L.G.M. | 11 days |
| MINISTER OF STATE | | |
| 1 | Shri Multan Singh, M.C | 19 days |
| 2 | Shri Phool Chand, M.P.W. | 19 days |
| 3 | Major Amir Singh, M.R.E | 18 days |
| 4 | Shri Shamsher Singh, M.D. | 16 days |
| DEPUTY MINISTERS | | |
| 1 | Shri Jaswant Singh, D.M.H | 12 days |
| 2 | Shri Ram Parshad, D.M.P.H.W. | 12 days |

**श्री राम प्रकाशः** स्पीकर साहिब, मुझे स्टेटमेंट की कापी नहीं मिली।

**श्री अध्यक्षः** मै आप को अपनी भेज देता हूं।

**श्री राम प्रकाशः** स्पीकर साहिब, मैं ने इस को पढ़ा नहीं इस लिये मुझे बाद में सप्लीमैण्ट्री करने की इजाजत दी जाये।

**श्री अध्यक्षः** हां जी, आप थोड़ी देर बाद कर लेना।

**Cases of Murders and Thefs in Hissar District**

***194. Shri Bhagwan Dev Prabhakar:** Will the Chief Minister be pleased to State-

a) The total number of murders and of thefts committed in the Hissar District, month-wise, and police station-wise since the formation of Haryana;

b) Whether it is a fact that the number of cases of thefts and of murders has been on the increase in Hissar district if so, the reasons therefore together with the steps, if any taken or proposed to be taken by the Government to check the same?

**Rao birendera Singh:** (a) Since the formation of Haryana, 30 murders and 265 thefts have been reported in

Hissar district. Three of the reported murders were cancelled, thus leaving only 27 murders in the district. The statement containing information regarding break-up of murders and thefts. Month-wise and police station-wise in district Hissar since the formation of Haryana ?State is place on the Table of the House.

(b) The number of murders has decrease. Only 27 murders were admitted as against 33 in the corresponding period of last year. Thefts, however showed an increase, 265 having been registered as against 174 in the corresponding period of last year. The rise in the incidence of theft is due to free registration, acute adverse economic conditions due to drought, and pre-occupation of the Police with threatened self-immolation by Sant Fatech Singh and its possible repercussions in Hissar district, particulary. The Police force also remained heavily engaged in law and order duties in the General Elections. Police has been again geared into action with the coming in of the summer. Nakabandis, patrolling, surprise checking of bad characters have now brought fort favourable results.

**STATEMENT**

**MURDERS**

**November, 1965**

| | | |
|---|---|---|
| 6 murders | Tohana | 1 |

| | | |
|---|---|---|
| | Hansi | 1 |
| | Rania | 1 |
| | Sadar Sirsa | 1 |
| | Dabwail | 1 |
| | Sadar Hissar | 1 |
| | **December, 1965** | 1 |
| 4 murders | Hansi | 1 |
| | City Sirsa | 1 |
| | Sadar Sirsa | 1 |
| | Rania | 1 |
| | **January, 1966** | 1 |
| 3 murders | Sadar Hissar | 1 |
| | Fatehabad | 1 |
| | Debwali | 1 |
| 4 murders | **February, 1966** | 1 |
| | Sadar Hissar | 1 |
| | Fatehabad | 1 |
| | Sadar Sirsa | 1 |
| | Dabwali | 1 |

| | | |
|---|---|---|
| | **March,1966** | 1 |
| 6 murders | Sadar Hissar | 1 |
| | Tohana | 1 |
| | Narnaund | 2 |
| | Sadar Bhiwani | 1 |
| | Fatehabad | 1 |
| | **April, 1966** | |
| 5 murders | Tohana | 2 |
| | Fatehabad | 1 |
| | **May, 1966** | |
| 5 murders | Sadar Hissar | 1 |
| | Narnaund | 1 |
| | Fatehabad | 1 |
| | Bhuna | 1 |
| | Debwali | 1 |
| | **November, 1966** | 1 |
| 4 murders | Tohana | 1 |
| | Fathabad | 1 |
| | Sadar Sirsa | 1 |

| | | |
|---|---|---|
| | Dabwail | 1 |
| | **December, 1966** | 1 |
| 3murders | Barwala | 1 |
| | Tohana | 1 |
| | Tosham | 1 |
| | **Januarty, 1967** | 1 |
| 3 murders | Tohana | 1 |
| | Sadar Sirsa | 1 |
| | Dabwali | 1 |
| | **February, 1967** | 1 |
| 3 murders | Tohana | 1 |
| | Fatehabad | 1 |
| | Bada Gudha | 1 |
| | **March 1967** | |
| 5 murders | Sadar hissar | 1 |
| | Bbhuna | 1 |
| | Sadar Sirsa | 1 |
| | Dabwali | 1 |
| | Bada Gudha | 1 |

| | | |
|---|---|---|
| | **April, 1967** | 1 |
| 4 murders | Sadar Hissar | 1 |
| | Fatehabad | 1 |
| | City Sirsa | 1 |
| | Dabwali | 1 |
| | **May, 1967** | |
| 8 murders | Hansi | 2 |
| | Bada Gudha | 1 |
| | City Sirsa | 1 |
| | Rattia | 2 |
| | City Bhiwani | 1 |
| | rania | 1 |
| **THEFTS** | | |
| | **November, 1965** | |
| 21 Thefts | Sadar hissar | 4 |
| | Tohana | 1 |
| | Hansi | 1 |
| | Narnaund | 1 |
| | City Sirsa | 3 |

| | | |
|---|---|---|
| | Rattia | 1 |
| | Fatehabad | 1 |
| | Loharu | 1 |
| | Dabwali | 2 |
| | Bada Gudha | 2 |
| | Railway Hissar | 4 |
| | **December, 1965** | |
| 17 Thefts | City Hissar | 1 |
| | Barwala | 4 |
| | Tohana | 3 |
| | Narnaud | 2 |
| | City Bhiwani | 1 |
| | Sadar Bhiwani | 1 |
| | Tosham | 1 |
| | Rattia | 1 |
| | Bhuna | 1 |
| | City Sirsa | 1 |
| | Sadar Sirsa | 1 |
| | **January, 1966** | |

| | | |
|---|---|---|
| 24 thefts | City Hissar | 2 |
| | Sadar Hissar | 2 |
| | Tohana | 1 |
| | Hansi | 4 |
| | Narnaund | 1 |
| | Sadar Bhiwani | 2 |
| | Rattia | 1 |
| | City Sirsa | 2 |
| | Sadar Sirsa | 2 |
| | Rania | 1 |
| | Bada Gudha | 1 |
| | Dabwali | 1 |
| | Railway Hissar | 4 |
| | **February, 1966** | |
| 21 thefts | City hissar | 2 |
| | Sadar Hissar | 2 |
| | Barwala | 1 |
| | Narnaund | 1 |
| | City Bhiwani | 1 |

| | | |
|---|---|---|
| | Fatehabad | 2 |
| | Rattia | 1 |
| | Bhuna | 1 |
| | City Sirsa | 1 |
| | Sadar Sirsa | 2 |
| | Rania | 1 |
| | Bada Gudha | 1 |
| | Dabwali | 1 |
| | G.R.P. Railway | 4 |
| | **November, 1966** | |
| 31 Thefts | City Hissar | 3 |
| | Sadar Hissar | 4 |
| | Tohana | 1 |
| | Hansi | 2 |
| | Narnaud | 1 |
| | City Bhiwani | 4 |
| | Tosham | 1 |
| | Loharu | 1 |
| | Fatehabad | 2 |

| | | |
|---|---|---|
| | Bhuna | 1 |
| | City Bhiwani | 2 |
| | City Sirsa | 3 |
| | Sadar Sirsa | 1 |
| | Rly. Hissar | 3 |
| | Sadar Bhiwani | 2 |
| | **December, 1966** | |
| 29 Thefts | City Hissar | 3 |
| | Sadar Hissar | 4 |
| | Tohana | 2 |
| | Hansi | 1 |
| | Naranaud | 1 |
| | City Bhiwani | 6 |
| | Tosham | 1 |
| | City Sirsa | 1 |
| | Sadar Sirsa | 2 |
| | Rania | 1 |
| | Bada Gudha | 2 |
| | Dabwali | 3 |

| | | |
|---|---|---|
| | GRP Hissar | 2 |
| | **January, 1967** | |
| 38 Thefts | City Hissar | 4 |
| | Sadar Hissar | 9 |
| | Barwala | 3 |
| | Hansi | 3 |
| | Narnaund | 1 |
| | City Bhiwani | 3 |
| | Sadar Bhiwani | 2 |
| | Loharu | 1 |
| | Fatehabad | 2 |
| | Rattia | 2 |
| | Bhuna | 2 |
| | City Sirsa | 2 |
| | Sadar Sirsa | 2 |
| | Railway | 2 |
| | **February, 1967** | |
| 35 thefts | City Hissar | 5 |
| | Sadar Hissar | 7 |

| | | |
|---|---|---|
| | Barwala | 1 |
| | Tohana | 1 |
| | Hansi | 5 |
| | City Bhiwani | 4 |
| | Sadar Bhiwani | 1 |
| | Tosham | 1 |
| | Siwani | 1 |
| | Fatehabad | 2 |
| | City Sirsa | 3 |
| | Bada Gudha | 1 |
| | Dabwali | 3 |
| | **March, 1966** | |
| 26 thefts | City hissar | 3 |
| | Sadar Hissar | 4 |
| | Tohana | 2 |
| | Hansi | 1 |
| | Narnaund | 1 |
| | City Bhiwani | 6 |
| | Tosham | 1 |

| | | |
|---|---|---|
| | City Sirsa | 1 |
| | Sadar Sirsa | 2 |
| | Rania | 1 |
| | Dabwali | 2 |
| | G.R.P. Hissar | 2 |
| | **April, 1966** | |
| 31 Thefts | City Hissar | 3 |
| | Sadar Hissar | 4 |
| | Tohana | 1 |
| | Hansi | 2 |
| | Narnaund | 1 |
| | Sadar Bhiwani | 4 |
| | City Sirsa | 2 |
| | City Sirsa | 2 |
| | G.R.P. | 3 |
| | Tosham | 1 |
| | Loharu | 1 |
| | Fatehabad | 2 |
| | Bhuna | 1 |

| | | |
|---|---|---|
| | Rania | 3 |
| | Bada Gudha | 1 |
| | **May 1966** | |
| 34 Thefts | City Hissar | 4 |
| | Sadar Hissar | 7 |
| | Barwala | 2 |
| | Tohana | 1 |
| | Hansi | 4 |
| | Narnaund | 3 |
| | City Bhiwani | 1 |
| | Tosham | 1 |
| | Fatehabad | 2 |
| | City Sirsa | 1 |
| | Sadar Sirsa | 2 |
| | Rania | 1 |
| | Bada Gudha | 2 |
| | Rly. | 3 |
| | **March, 1967** | |
| 45 Thefts | City Hissar | 7 |

| | | |
|---|---|---|
| | Sadar Hissar | 7 |
| | Barwala | 4 |
| | Tohana | 2 |
| | Hansi | 3 |
| | City Bhiwani | 1 |
| | Sadar Bhiwani | 6 |
| | Tosham | 1 |
| | Siwani | 4 |
| | Loharu | 2 |
| | Rattia | 3 |
| | Rania | 1 |
| | Bada Gudha | 1 |
| | Dabwali | 1 |
| | GRP Hissar | 2 |
| | **April, 1967** | |
| 43 Thefts | City Hissar | 2 |
| | Sadar Hissar | 1 |
| | Barwala | 4 |
| | Tohana | 2 |

| | | |
|---|---|---|
| | Hansi | 2 |
| | Narnaund | 1 |
| | City Bhiwani | 6 |
| | Sadar Bhiwani | 4 |
| | Loharu | 1 |
| | Fatehabad | 2 |
| | Rattia | 3 |
| | Bhuna | 3 |
| | Sadar Sirsa | 3 |
| | Rania | 1 |
| | GRP | 2 |
| | **May, 1967** | |
| 44 Thefts | Rattia | 2 |
| | City Hissar | 8 |
| | Barwala | 2 |
| | Tosham | 1 |
| | Hansi | 1 |
| | Narnaund | 2 |
| | City Bhiwani | 10 |

| | | |
|---|---|---|
| | Sadar Bhiwani | 2 |
| | Tosham | 1 |
| | Siwani | 1 |
| | Loharu | 2 |
| | Bhuna | 1 |
| | City Sirsa | 1 |
| | Rania | 3 |
| | Dabwali | 1 |
| | Railway | 2 |
| | Sadar Hissar | 2 |
| | Fatehabad | 2 |

**श्री भगवान देव प्रभाकर:** मुख्य मंत्री महोदय ने बताया है कि हिसार के अंदर 30 कतल और 226 थैफट के केसिज हुए है। मैं निवेदन करना चाहता हूं कि चोरी के केसिज ज्यादा बढ़ते जा रहे है लेकिन थानों में उन की रपट दर्ज नहीं की जाती। यह जो आंकड़े बताए है यह भी बहुत ज्यादा है। इस क्राइम के कम करने के लिये सरकार क्या क्या विचार कर रही है?

**मुख्य मंत्रीः** इस सम्बन्ध में लगातार विचार होता रहता है।

**Brick-kiln at Village Dheen, tehsil Ambala**

***272 Shri Ram Parkash:** Will the Chief Minister be please to state-

a) Whether any brick-Kiln has been set up in Village Dheen tehsil Ambala; if so, the distance at which it is located form the school in the said village and other populated area;

b) Whether the said brick-kiln fulfils the conditions laid down for the setting up of new brick-kilns;if not, the reasons therefore?

**Major Amir Singh** (Minister of State for Rural Electrification): (a) No.

(b) The matter is still under enquiry at the district level whether the setting up shifting of kiln at the proposed site will be in conformity with the existing orders and regulations.

**Shri Ram Parkash**: How much time it will take, Sir?

**State Minister:** it depends upon the circumstances.

**Shri Ram Parkash:** it is a simple question. The en uiry can be completed within a week.

**State Minister:** It is just a suggestion.

**Harjjan benerficiaries under the Land Purchase Scheme**

***195. Shri Bhagwan Dev Prabhakar:** will the Minister for Revenue be pleased to state-

(a) The total number at present of Harjjan beneficiaries under the Land Purchase Grant Scheme in tehsil Bhiwani in district Hissar;

(b) the number of persons referred to in part (a) above who have actually purchased land under the said scheme?

**Shri Chand Ram: (a)** 43.

(b) 38.

**श्री भगवान देव प्रभाकरः** एक्युअल स्थिति यह है कि बहुत से हरिजनों ने दरखास्तें दे रखी है। लेकिन उन की अभी तक सुनवाई नहीं की गई। क्या मंत्री महोदय बतायेंगे कि उन सब पैंडिग केसिज को डिसपोज आफ करने की कोशिश की जाएगी?

मंत्रीः इस स्कीम के लिये महदूद रूपया होता हे और उसी हिसाब से सब तहसीलों को देते है। तहसील भिवानी को भी जितना प्रोपोर्शनेटली उनके हिस्सा में आता था, दिया हैं दरखास्तें चाहे जितनी हों लेकिन रूपया जितना हो इस के हिसाब से ही खर्च हो सकता है। अगर गवर्नमैंण्ट हिन्द और रूपया दे देगी तो फिर और दिया जा सकेगा।

**Starred Question Nos. 203, 133 and 132 (postpond)**

**Mr. Speaker:** Extension has been asked for in respect of Starred Question Nos. 203, 133 and 132 and therefore these are postpond.

**Unauthorised Construction of a House on Brara Railway**

**Station Road**

***274 Shri Ram Parkash:** Will the Minister for Development be pleased to state-

(a) whether there is any Kacha Road form brara Railway Station to Brara Village under the Charge of the ila Parshad; if so, the width of the said road;

(b) Whether it is a fact that an unauthorized construction of a house is being made on the aforesaid road; if so, whether the Government propose to take any action against the said unauthorized construction.

**Shri Partap Singh Daulta:** (a) Yes. Width approximately 50 feet.

(b) Yes. Action is being taken to get the encroachment removed.

## Increase of pay-scales of Vaidyas working Government Dispensaries

***196 Shri Bhagwan Dev Prabhakar:** Will the Minister for health be please to state whether there is any proposal under the consideration of the Government dispensaries in order to bring them at par with the pay-scales of the Allopathic Doctors in the State; if so, the time by which the decision is likely to be taken in the matter?

**Shri Shreyo Nath:** The question of revising the pay-scales of Vaidyas on the basis of their qualification is at present under the consideration of the Government, and a decision in the matter is expected to be taken shortly.

**श्री भगवान देव प्रभाकरः** क्या स्वास्थ्य मंत्री महोदय बतायेंगे कि जब यू.पी. तथा राजस्थान में वैद्य डाक्टरों के सतर पर समझे जाते है तो हरियाणा में इनके वेतनों में इतना अन्तर कयों है। क्या सरकार वैद्यों को डाक्टरों के स्तर पर ट्रीट करने का विचार रखती है?

**मंत्री:** जो डाक्टर बनते है वह एफ.एस.सी. 1 क्लास कर के मैडीकल कालेज में से पांच साल पढ़ाई के बाद डिगरी हासिल करते हे। लेकिन वैद्य तो 3 क्लास मैट्रिक दाखिल हो कर वैद्य बनता है। तो जब इन की क्वालीफिकेशन उनके स्तर की हो जाएगी तो फिर विचार हो सकेगा।

**Strike of Temporary Engineers**

***237 Chaudhri Rizaq Ram:** Will the Minister for irrigation and Power be pleased to state-

(a) Whether the Temporary Engineers of the Irrigation Department went on strike for a week in the month of April, 1967; if so, the demands submitted by them;

(b) Whether the government has conceded any of the above demands of the said Engineers?

**Shri Mani Ram Godara:** Yes, the demands of the Temporary Engineers are given in the statement place on the Table of the House.

(b) No. the matter is under consideration

**STATEMENT**

1. All Temporary engineers should be recruited direct to Class 1 (Junior) scale of Rs. 400& 1000 plus Rs. 50 as Technical pay.

2. All Temporary Engineers should be given a time scale of Rs. 900&1800 plus Rs 100 as technical pay after completion of five years of satisfactory service in the Deparment.

3. All the existing Temporary Engineers should be suitabl absorbed in the new scales with full benefit of their service.

4. All Temporary Engineers should be confirmed in Class 1 (Junior) cadare after two years of staisfactoryservice in the Department.

**Pay-scales of Temporary Engineers**

***238. Chaudhri Rizaq Ram:** Will the Minister for irrigation and power be pleased to state-

a) The scale of pay of the Temporary Engineers in te Irrigation Department;

b) The year in which the above scale iof pay was fixed;

c) Whether ther is any demand form these Temporary Engineers for upward revision of their pay scales;

d) Whether the Government propose to accede to the above demands of the Temporary Engineers?

**Shri mani Ram Godara:** (a) Rs. 250-25-550/25-750.

(c) 1945.

(d) Yes

(e) The matter will be considered by the Pay Revision Committee which has been set up by Government

**Drain No. 8**

***239. Chaudhri Rizaq Ram.** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state-

a) Whether is is a fact that alignemtn of diversion drain No. 8 was changed in the area of villages Kundli and Sirsa, tehsil Sonepat;

b) If reply to part (a) above be in the affirmative, whether the change in the alignment was made after a portion of the drain had been dug on original alignment;

c) Whether compensation for the land under the abandoned drain has since been paid to the landowners concerned; If not the reasons for the delay in compensating them;

d) Whether the right holders of te above-said land have made any demand to restore back to them the land under the abandoned drain in original condition after leveling the drain;

e) If reply to part (d) above be in the affirmative whether the land of this abandoned drain has been leveled and restored to the landowners concerned?

**चौधरी रिजक रामः** क्या मिनिस्अर साहिब बतायेंगे कि जो ड्रेन न० 8 का पोर्शन है वह कब और किस साल बनाया गया था?

**मंत्रीः** माफ करना इस समय मेरे पास वह केस नहीं हैं।

**चौधरी रिजक रामः** क्या मिनिस्टर साहिब बतायेंगे कि जो बाकी पोर्शन पड़ा हुआ है वह क तक पूरा किया जायेगा।

**मंत्रीः** यह मामला अंडर कंसीड्रेशन है।

**Bund of Jamuna Rive near villages Sanoli and Kurar, tehsil panipat, Distric Karnal**

***280.** (i) Shri Fateh Chand Vij

(ii) Shri partap Singh Thakran (Put by Shri Daya)

Krishan): Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state-

(a) Whether there is any proposal under the consideration of Government to construct a Bund on Jamuna rive near villages Sanoli and Kurar of tehsil Panipat, district Karnal;

(b) If the reply to part (a) above be in the affirmative, the total length of the said Bund;

© Whether the said bund is likely to be constructed upto village Nanehra onwards in tehsil Panipat; if not, the reasons therefore?

**Shri mani Ram Godar:** (a) Yes.

(B) 3.2 Miles.

(c) No. The Yamuna committee did not approve of it.

**Construction of a Bus Stand at Panipat**

***278 (i) Shri Fatch Chand Vij**

**(ii) Shri partap Singh Thankran** (Put by shri Daya Krishan): Will the Minister for Transport be pleased to state whether there is any proposal under the consideration of Governmnet to construct a bus stand at Panipat; If so, the time by which the construction of the same is likely to be started?

**Shri Lachman Singh:** Yes, 10 bighas 2 biswas of land has been purchased by the Department. This plot of Land is considered to be insufficient Efforts are being made to get additional land from the regional Settlement Commissioner Government of India. Construction work will be started after the transaction materializes.

**Public Carrier Permits in the State**

***279 (i) Shri Fatch Chand Vij**

**(ii) Shri partap Singh Thankran** (Put by shri Daya Krishan): Will the Minister for Transport be pleased to state-

(a) The name of the State Governments with whom agreements have been entered into by the Haryana Government for the endorsements of Public carrier Permits during the period from 1st November, 1966 to date together with the number of such permits

decided to be endorsed by the Haryana Government vis-à-vis the other State Government;

(b) If reply to part (a) above be in the negative the action proposed to be taken by the Haryana Government in respect of the trucks of other States entering into the Haryana State?

**Shri Lachman Singh:** (a) No. Negotiations are in progress.

(b) The public carriers of other Staes enter in Haryana State on the basis of reciprocal agreements concluded by the erstwhile Punjab State with other States before 1st November, 1966 which are now the concern of Haryana State by virtue of the provisions of the Punjab Reorganisation Act, 1966

**श्री दया कृष्णः** क्या वजीर साहिब फरमायेंगे कि ट्रांस्पोर्ट की नैशनेलाइजेशन वाली स्कीम इस समय किस हद तक चल रही है?

**मंत्रीः** इस के लिए सैप्रेट नोटिस दे।

**Construction of Road from Kheri Sharaf Ali t Mandhwal in District Karnal**

***178. Shri Ran Singh** (Put by Shri Daya Krishan): Will the Minister of State for Public works be pleased to state whether the Government have undertaken the work of construction of a road from village Kheri Sharaf Ali to village Mandhwal in district Karnal; is so, from which date the construction was started and the time by which it is likely to be completed?

**Shri Phool Chand:** Yes. The onstruction work of the link road from villae Mandhwal to Kheri Sharaf Ali was taken in hand on 6the November, 1965 . The work is expected to be completed during this year, subject to availability funds.

**Installation of a Tube Well under the Drinking water-suly**

**Scheme in village Kheri Sharaf Ali, Tehsil Kaithal,**

**District Karnal**

***177. Shri Ran Singh:** (Put by Shri Daya Krishan): Will the Minister of State for Public Works be please to state whether there is any proposal under the consideration of the Government regarding the installation of a Tube-Well in village Kheri Sharaf Ali, Tehsil Kaithal, District Karnal under the drinking water-supply scheme;

If so, the latest position in the matter?

**Shri Phool Chand:** Yes. The work is in progress. The tube-well is expected to be bored within a month, whereafter further steps for completion of the work will be taken.

**STARRED QUESTION NO. 156**

**श्रीमती ओम प्रभा जैनः** स्पीकर साहिब, मैने 5 जुलाई को सवाल नं 156 पूछा था। मिनिस्टर कंसर्नड ने कोई जवाब नहीं दिया था। यह पोस्टपोन कर दिया गया था।

**श्री अध्यक्षः** मिनिस्टर साहिब यहां नहीं थे जब वे आ जायेंगे तो मैं आप को भी बुला लूंगा, इकट्ठे गौर कर लेंगे।

**श्रीमती ओम प्रभा जैनः** स्पीकर साहिब, ऐसा न हो कि सैशन खत्म ही हो जाए और मेरे सवाल का जवाब ही न मिलें।

**चौधरी रिजक रामः** जो इस तरह के क्वैश्चन है उनके लिये डेट फिक्स कर दें।

**राजस्व मंत्रीः** जो ऐसे क्वैश्यन होते है उन को आन दी फलोर आफ दी हाउस रख दिया जाता है।

**श्री अध्यक्षः** ऐसे क्वैश्चन एक्सटैंड कर दिये जाते है। सोमवार को मिनिस्टर साहबान प्रिपेयर हो कर आएं, जिन क्वैश्चन के जवाब नहीं दिये गये, उनके जवाब देंगे।

**श्री अध्यक्षः** एक काल अटैंशन मोशन श्री भगवान देव प्रीााकर जी का है। उन्होनें भिवानी के मुतालिक पूछा था लेकिन इस में अम्बाल भी लिख दिया है। इस लिये इस को डिसअलाउ किया जाता है।

**श्री भगवान देव प्रीभाकरः** स्पीकर साहिब, अम्बाला जिमा में भी पानी की बड़ी कमी है।

**श्री अध्यक्षः** देखिये इस के बारे में बात नहीं हो सकती। पहले भिवानी के बारे में पूछा है और बाद में अम्बाला शहर भी लिख दिया है यह कैसे एडमिट हो सकती है। अब बजट पर डिस्कशन हो रही है, अम्बाला के बारे में बजट डिस्कशन में सब कुछ कह सकते है।

**श्री भगवान देव प्रभाकरः** स्पीकर साहिबए आप के पास आ और काल् अटैन्शन मोशन है।

**श्री अध्यक्ष :** इस के बारे में कल बतायेंगे।

STATEMENT BY THE CHIEF MINISTER

**मुख्य मंत्री (राव बीरेन्द्र सिंह):** स्पीकर साहिब, पेश्तर इस के कि बजट पर डिसकशन शुरू हो मै कुछ कहना चाहता हूं। सरकार ने अपने दिल पर पत्थर रख कर इतने बड़े भार को

बर्दाश्त करके कुछ प्रोपोजल्ज रखी थी। सरकारी मुलाजमों को सैन्टर के रेट्स के मुताबिक डी.ए. बड़ाने से सरकार को बड़े घटे का सामना करना पड़ा इस घाटे को देखते हुए कुछ प्रोपोजल्ज रखी थी ताकि डिवैल्पमैंट के काम तेजी से आगे बढ़ सके। डिवैल्पमैंट के काम को पूरा करने के लिए और रूपयो की जरूरत है।

रूपये की जरूरत को मद्देनजर रखते हुए हमारे फाइनेंस मिनिसटर ने नहर का आब्याना बढ़ाने की प्रोपोजल हाउस के सामने रखी लेकिन इस पब्लिक में काफी परेशानी हुई। जो आपोजीशन की राय है उस का भी हमे एहतराम है। संयुक्त दल ने और दूसरे मैम्बरों ने इत्तफाक राय से यह सिफारिश की कि सरकार आब्याने की दर को न बढा़ए। इस हाउस का ख्याल रखते हुए और सरकार की जो रूलिंग पार्टी है उस की इतफाक रायम से मै यह एलान करता हूं कि यह टैक्स खत्म किया जाता है। (तालियां) और यह प्रोपोजल वापस लेते हैं (प्रशंसा) । अपनी मुशिकलात को हल करने के लिये हम सोचेंगे और शायद उस के लिये हमें हाउस की हमें मदद हासिल होगी। मुझे खुशी है कि काश्तकारों के साथ संयुक्त दल को और आपोजीशन को हमदर्दी है और सरकार भी इस बात का एहतराम करती है।

RESUMPTION OF GENERAL DISCUSSION ON THE BUDGET (contd.)

**चौधरी रिजक राम (राई):** स्पीकर साहिब मौजूदा साल के बजट पर कल बहस हुई और आज भी होनी है। कुछ बातें तनाजा की थीं लेकिन उनके बारे में अभी चीफ मिनिस्टर साहिब ने ऐलान फरमाया और असे सारे हाउस ने बयक जवान ख़ुश आमदीद कहा। इस में शक नहीं कि यह कदम अच्छा हे और यह आब्याना बढ़ाने की तजवीज जिस के बारे में कल भी सारे मैम्बर साहिबान ने अपने विचार प्रकट किये, अच्छे नहीं थे।

स्पीकर साहिब, चालू साल का जो बजट इस वक्त हाउस के सामने पेश है अच्छा है या नहीं देखने के लिये यही हम न देखना है ि कइस बजट से मौजूदा साल में हम कितनी डिवैल्पमैंट कर सकते है। वैसे जहां तक तरक्की का ताल्लुक है तालीम और दूसरी मदों की तरफ लोगों की काफी निगाहे लगी है। लेकिन मै अर्ज करता हूं कि यह सूबा कृषि प्रधान है और इस की 82 फीसदी आबादी जो दिहात में रहती है उस का ज्यादातर गुजारा खेती पर है चाहे वह किसान है चाहे खेत मजदूर है यह जांचने के लिये कि यह बजट कितना अच्छा है हम ने यह देक्षना है कि चालू साल में यह बजट हमारे सूबे की जरायती अदारे में कितनी तरक्की के लिये इस में शक नहीं ि कइस बजट में खाद, बीज और इम्पलीमैंट्स का इन्तजाम किया है लेकिन मैं समझता हू कि यह चीजे बाद में आती है पहले नम्बर पर पानी आता हैं पानी अगर हम खुश्क इलाकों को दे सकेंगे तभी हम साल के आखिर में कह सकेंगे कि हमने तरक्की की है। हमारे प्रदेश में इस वक्त सौ

लाख एकड़ जमीन काबिले काश्त है और उस में से 70 लाख एकड़ जमीन बारानी है, सिर्फ तीस लाख एकड़ को पानी लगता है जिसे सैराब करने के लिये नहरें, कुएं और तालाब तथा टयूबवैल्ज शामिल हैं इस बजट के जरिए हमने देखना है कि साले रवां के आखिर में हम इस 70 लाख बरानी जमीन में पानी दे सकेगें और उसी से हम सही अंदाजा लगा सकेंगे कि यह बजट इस प्रदेश की खुशहाली के लिये कितनी मदद कर सकता है।

स्पीकर साहिब, इस 70 लाख एकड़ बारानी जमीन को पानी देने के लिये तीन किस्म की योजनाएं हो सकती है, मल्टीपरपज, मेजर और माइनर और इनक` बारे में हमने देखना हे िकइस बजट में क्या हवाला है और क्या क्या कदम उठा रहे है। पौंग डैम की स्कीम चालू है और वही एक मल्टीपरपज स्कीम इस सारे प्रदेश के लिये है जिस को हमने हाथ में लिया हुआ है। यह स्कीम जून, 1972 से पहले मुकम्मल नहीं होगी और जून, 1972 में भी तब मुकम्मल हो सकती है जब कि हम तीनो हरियाणा, पंजाब और राजस्थान जो इस के हिस्सेदार है इसे चलाने के लिये और पूरा करने के लिये अपने अपने हिस्से के मुताबिक पैसे देते रहे, तीाी हम कुछ पानी गुड़गांव और महेन्द्रगढ़ के जिलों और दूसरे खुश्क इलाकों एक बयान अखबारात में शाया हुआ था िकइस स्कीम को पूरा करने के लिये कुछ रूकावटें है। 221 करोड़ रूप्ये का यह प्राजैक्ट है और इस प्राजैक्ट को पूरा करने के लिये जितना रूप्या तीनों स्टेट्स को देना चाहिए वह मिलता नहीं है,

इस लिये मुमकिन है कि यह स्कीम 1972 की बजाए 1974 से पहले तो कोई आशा करना फजूल है। तो इस स्कीम के बारे में यह एक शक्ल है जो हमारे सामने हे। दूसरी स्कीम हमारे सामने दरिया घग्गर की है। उस स्कीम पर भी 9 करोड़ रूपया खर्च होना है। वह स्कीम गवर्नमैण्ट आफ इंडिया के पास कई दफा गई है लेकिन मंजूर नहीं हुई है। यह कहते हे कि इस की कोसट और बैनीफिट की रेशो मुताबकित नहीं खाती। इस लिये यह भी सिरे चढ़नी मुश्किल है और अगर चढ़ भी जाए तो इस बजट में एक पैसा भी इसके लिये नहीं रखा गया हे। और न ही इस के बारे में कोई इशारा इस बजट में किया गया है। तीसरी स्कीम दरिया जमुना पर बांध बनाने की हे औ किशाउ डैम बनाने की है। उस का भी बजट में कोई जिकर नहीं है। इस का मतलब है कि चालू साम में कोई नई मल्टीपरपज सकीम हम लोगों के पानी देने के लिये और इस 70 लाख बारानी जमीन को सैराव करके के लिये टेकअप नहीं कर सकते।

**मुख्य मंत्रीः** कोई प्रोपोजल दो।

**चौधरी रिजक रामः** बड़ी बड़ी आशाएं थी कि हम कुद ड्रास्टिक स्टैप्स लेगें और इन हालात को बदलेंगें चीफ मिनिस्टर साहिब कहते है कि पैसे के बिना कुछ नहीं हो सकता। हमें आप की तकलीफात का पूरा एहसास है और उनका जिकर भी करूंगा और यह भी तजतीज करने की कोशिश करूंगा कि किस तरीके से इन तकलीफों को दूर कर सकते है।

तो स्पीकर साहिब, जहां तक मल्टीपरपज स्कीमज का लाल्लुक है हमें यह मानना चाहिए कि राशि की कमी की वजह से हम उस तरफ कोई कदम नहीं उठा सके। मेजर और मीडियम इरीगोशन स्कीमज है जिनमें से 3–4 का जिकर बजट की स्पीच में है। गुडगांव–करनाल प्रोजैक्ट है। इस पर अब तक चार करोड़ रूप्या खर्च हुआ हे। बाकी राजस्थान ने देना है और दिल्ली ने देना है। इस वक्त भी हमारी हालत ऐसी है कि हम अपने हिस्से का रूपया भी नहीं दे सकेंगे। शैडयूल जो इस स्कीम का है उसके मुताबिक भी 69–70 से पहले यह स्कीम पूरी नहीं हो सकतीं इसलिए आप अन्दाजा लगाइए कि गुड़गांव, झज्जर और महेन्द्रगढ़ जिको पानी मिल सकता है उनको भी 70–71 तक इन्तजार करना पड़ेगा । इस स्कीम का ताल्लुक जयादातर, स्पीकर साहिब, ब्यास–सतलुज लिंक से है। यह पूरी तब होगी जब वहां से पानी आएगा वरना वर्शा का पानी सिर्फ हसमें हम देख सकेंगे। वैसटर्न जमुना कैनाल री–मौडलिंग स्कीम जिसक जिक्र बजट में किया गया है उस पर भी नौ करोड़ रूप्या खर्च होना है और इसे भी कई साल आगे वब हम पूरा नहीं कर सकतें स्पीकर साहिब, आप हैरान होंगे कि रिवाड़ी–टोहाना री–माडलिंग स्कीम के लिए बैटरमैंट लैवी तो वसूल की जा रही है लेकिन यह स्कीम भी अभी तक पूरी नहीं हो सकी। रिवाड़ी लिफ्ट इरीगेशन स्कीम को चीफ मिनिंस्टर साहिब चाहते है कि जल्दी से जल्दी पूरी हो लेकिन उस के लिए भी स्पीकर साहिब आप देखें कि इस साल दस लाख रूपया रखा है जब कि उसे पूरा करने के लिए ढाई करोड़ रूपए

की जरूरत है अभी उसमें दो पंम्पिगा सैट्स लगे है, पांच लगने है और 160 मील लम्बी नहर बननी है। इसी तरह दादरी इरीगेशन स्कीम के लिए एक लाख रूपया स्पीकर साहिब रखा गया है हम यह कह सके कि तरक्की इस प्रदेश की हो सके, परन्तु फिर भी कुछ न होने सके कुछ होना तो ठीक है। स्पीकर साहिब, मै तो यह कहता हूं कि सराकर के वायदों के बाद भी एक साल के बाद हम मायूसी की हालत में होंगे। मार्च के अपने भाषण में वित्त मंत्री जी ने बडे जोर के साथ कहा थ कि एग्रीकल्चर प्रोडक्शन को बढ़ाने के लिये हम पूरे जोर के साथ कोशिश करेंगे और महेनद्रगढ़, झज्जर, गुडगांव को पानी देन का पक्का इरादा है। लेकिन आज आप देखें कि उसके बाद भी कुछ नहीं किया गया और आज जो हालत है उसका सभी को पता हैं तो, स्पीकर साहिब यह तसीर है हमारे सामने सिंचाई की और आज जो पोजीशन है वैसी ही पोजीशन एक साल बाद हम देख सकेंगे क्योंकि इन दो योनाओं से हम अीी वक एक इंच भी फालतू जमीन को सिचाई नहीं कर सकतें फिर आप ही बताएं, स्पीकर साहिब जब ऐसी हालत ही तो हरियाणा के लोगों को निको निगाह हम लोगों के उपर है उनको हम क्या जवाब देंगे। क्या यहीं कहेंगे कि हमारे पास पैसा नहीं था, इसलिए नहीं कर सके। अध्यक्ष महोदय, मै नहीं समझता कि यदि हम एक साल के बाद भी एक इंच फालतू जमीन को पानी न दे सकें तो एग्रीकल्चर प्रोडक्शन किस बात को करेंगे।

इस साल स्पीकर साहिब एक आइटम और है–माइनर इरीगेषन की। मै इसके मुताल्लिक भी अर्ज करना चाहता हूं। माइनर इरीगेशन के लिए सरकान ने सरकारी टयूब–वैल्ज लगाने के लिए 25 लाख रूपया रखा हैं। अच्छी बात है कि टयूब–वैल्ज लगें । मै तो इस बात का कायल रहा हूं कि टयूब–वैल्ज जिते जयादा हो सकें लगने चाहिएं। लेकिन स्पीकर साहिब यह जो पैसा रखा गया है यह बहुत कम है क्योंकि इससे तो जयादा से जयादा बीस से पच्चीस टयूब–वैल्ज लग सकेंगे। क्या फर्क पड़ेगा इनसे? कितनी और जमीन सैराब हो सकेगी? यह आप अन्दाजा लगा लीजिए। इससे भी ज्यादा आप देखेंगे कितनी शोचनीय हालत है इस प्रदेश की। भाखड़ा का जो पानी अपने हिस्से में आना चाहिए था उसको लाने के लिए रोपड़ से जो नरवाणा नहर बननी थी उसका इस बजट में कोई संकेत नहीं है। इस तरह से हमारे हिस्से का भाखड़ा में जो पानी है उससे भी हमम हरूम रहेंगे। फिर वित्त मंत्री जी ने ब्यास–सतलुज लिंक का जिक्र किया लेकिन जिस वक्त यह भी पूरा हो जाएगा उस वक्त उसका पानी लाने के लिए भी हमारे पास चैनल्ज नहीं है। वह पानी नरीवाणा ब्रांच के सााथ ही आप ला सकते हे। परन्तु जैसा मैने पहले कहा, इस तरफ भी, स्पीकर साहि कोई सरकार का ध्यान नहीं है।

इसके बाद स्पीकर साहिब सुधरे बीज खरीदने और फर्टिलाइजर आदि खरीदने के लिए 1,59,00,000 रूपया का प्रोविजन रखा गया है। कुछ लैंड मौटेगेंज बैंक कुओं आदि को

खोदने के लिए कर्जा देगा। लैंड मोर्टगेज बैंक जो कर्जा देगा उससे 12 हजार एकड़ जमीन सैराब होना आपने बताया है। ये शायद 20 हजार के करीब कर्जा टयूब–वैल्ज के लिए भी देंगें तो इस तरह से स्पीकर साहि इन सब बातों को देखते हुए मैं अन्दाजा लगाता हूं कि लगभग 40–50 हजार एकड़ भूमि 70 लाख एकड़ खुश्क भूमि में से एक साल में सिंचित हो सकेगीं इसमें कोई ऐसी बात नहीं कि .....(ट्रैजरी बैंचीज में बड़बडहट) .............

मै कोई नुक्ताचीनी की गर्ज से ऐसी बातें नहीं कर रहा हूं। यह तो एक हमारे सामने बड़ी भारी प्रोब्लम है जिसका कि हमें मुकाबला करना है और जिस पर कि हमें सोचना है कि किस तरह से हम इस स्थिति को सुधार सकें। तो मै यह कह रहा था कि बजट स्पीच में वित्त मंत्री जी ने जो बड़े जोरदार शब्दों में कहा था कि एग्रीकल्चर प्रोडक्शन को बढ़ाने के लिए हम कोई कमी नहीं छोड़गे, उसके बारे मे मैं उन से पपूछना चाहता हूं कि उन्होने क्या कदम उठाए है जिससे यह जािहर हो कि गवर्नमैंट वाक्या हो बड़ी कोशिश कर रही है और उसके दिल में बड़ा दर्द है। ये तो रूटीन की बात होती है कि पच्चीस लाख रूपया आपने सिर्फ टयूवैल्ज के लिए दिया है। बीस लाख रूपया आपने सड़को के लिए भी दिया है। मै यह नहीं कहता कि सड़कों का बनना गैर–जरूरी है। सो मैंम्बर चाहते है कि उनके हल्के में सड़के बनें। लेकिन मै तो यह कहता हूं कि यदि 25 लाख की बजाए करोडत्र या दो करोड़ रूपया टयूबवैल्ज के लिए आप खर्च देते तो वह

अमली कदम होता। स्पीकर साहिब, मार्च में जो बजट स्पीच मेरे काबिल दोस्त की हुई थी उसमें और अब की बजट स्पीच में कुदेक बातों में फर्क है। टयूबवैल्ज के लिए इन्होने पच्चीस लाख रूप्या रखाइसके बारे में मै कह युका हूं । बीस लाख सड़को के लिए रखा है इसके बारे में मै ज्यादा नहीं कहना चाहता। लेकिन अगर आप देखें तो जाहं चौथी पंचवर्षीय योजना में 250 प्राईमरी सकूल अपग्रेड होने थे 110 मिडल स्कूल होने थे वहां एक साल में इस सरकार ने 98मिडल स्कूल अपग्रेड कर दिएं मै बाबू मूलचन्द जी से पूछना चाहता हूं कि क्या प्रापर बजटिंग है? इन्होने यह नहीं देख कि पैसा कहां से आएगा। जब सारी फोरथ–इयर प्लैन में 110 स्कूलों को हाई स्कूल बनाना ाि और उसके लिए भी पूरा प्रोतीजन सामने नहीं था तो ताज्जुब हाता है कि आप ने एक साल के अन्दर अन्दर 98 स्कूल अपग्रेड कर दिएं आपके पास अपनी दूसरी स्कीमों को पूरा करने के लिए पैसा नहीं है जो कि बड़ी जरूरी स्कीमें हैं और इस तरह से बिना सोचे यह स्कूल अपग्रेड करते चजे जा रहे है।

मुख्य मंत्रीः हर देश के लिए ऐजुकेशन बड़ी जरूरी चीज है।

**चौधरी रिजक रामः** यह ठीक है, लेकिन जब आपके पास पैसा नहीं है स्टाफ नहीं है और बिल्डिग्ज तक नहीं है तो कैसे यह सब पूरा करेंगे? मै कुछ बातें पहले भी कहना चाहता हूं कि हमारे चाहं पहले भी एंटी हरियाणा पालिसी ऐजुकेशन की रही

है और इन्होनें इस को पहले से भी ज्यादा एंटी क दिया। पहले जब स्कूलों को प्राविंशियलाइज किया गया तो डिस्ट्रिक्ट बोर्ड और म्यूनिसिपल कमेटीज से स्कूल निकल गए और उसका नतीा यह हुआ कि जाहं कहीं भी नए टीचर्ज रखने होते थे तो वह अमृतसर और पंजाब के दूसरे इलाकों से आने लगे और लोकल टीचर्ज केलिए जगह नहीं रहीं। इससे हरियाणा के लोगों में बेकारी बढ़ी और उन्हें मौका नहीं मिल पाया। क्योंकि कम्पीटीशन में हरियाणा के लोग दूसरे इलाकों के लोगों से मुकाबिला नहीं कर सकते थे। और अब भी इन्होंने इतने स्कूलों को अपग्रेड करके यह किया कि इनको स्टाफ नहीं मिल पाएगा तो टीचर्ज बाहर से मंगाने पड़ेगें। यह एंटी हरियाणा पालिसी है।

(At this stage mr. Deputy Speaker occupied the Chair)

एक तरफ तो लोग पानी की कमी के कारण तड़प रहे है, जमीन सूखी पड़ी हुई हे उसके लिए पैसा नहीं है और दूसरी तरफ यह ऐजुकेशन पर बारह करोड़ रूपया खर्च कर रहे है। अभी स्टेट को हालत डिवैलप नहीं हुई है। रोज चहां चर्चा होती हैं श्री प्रभाकर जी ने भी कहा था कि 3600 गांवो में पीने के पानी नहीं है। और हम इन लग्जरीज में पड़े हुए है कि हम मिडल तक ऐजुकेशन फ्री कर रहे हे। डिप्टी स्पीकर साहिब, आप जानते है कि बहुव से लोगों के लड़के घरों में 100, 100 रूपए की टयूशन

देकर पढ़ते है, और यह ऐसे लोगो के लिए भी सोचते है कि पांच रूपए या 10 रूपए को उनके बचत कर दी जाए।

मुख्य मंत्रीः यह कंस्ट्रक्टिव सुजैशन है।

**चौधरी रिजक रामः** आप कुछ ऐसा करें कि जिन लोगों की आमदनी साल में 100 रूपए है उन्हे कंसैशन दे दें और उनको फीस माफ कर दें। लेकिन जिन लोगों को आमदनी माकूल है उनकी फीस माफ क्यों करते है? यह तो सरकार पर एक प्रकार का बोझ होगा और वह बोझ लोगों पर होगा।

इसी तरह कुरूक्षेत्र यूनिवर्सिटी पर 45 लाख रूपए खर्च करने के लिए किसानों पर ही बोझ डाला है जो कि उचित नहीं हें लाोगों पर तो सन् 1952 से टैक्स लगते आ रहे है। फिर उन पर और क्यों नए टैक्स लगाते हो? यह आप के कारनामें है फिर कहते हो कि यह जमींदारों को गवर्नमैंट है। आपने बड़ी शान् से कह दिया कि 5 एकड़ तक की जमीन वालों को मालगुजारी माफ करेंगे और चाहो लगान भी माफ करेंगे। क्या उस वक्त यह नहीं सोचा था कि आपके रिसोर्सिज क्या है और कितना रूप्या इस प्लैन को फोड करने के लिए चाहिए। केवल इमोशनल बातें करने से कोई काम नहीं चलता। आपने यह अच्छी बात की कि 5 एकड़ तक मालगुजारी माफ कर दी। मैं तो चाहता हूं कि अगर आप कर सकते है तो सारी जमीन पर कर दो। लेकिन अगर हिसाब लगाया जाए तो यह मॉी की रकम कितनी पड़ती है। सिर्फ आठ आने

माफी। क्योंकि जहां बारानी जमीन है वहां पर पांच एकड़ जमीन पर साल में छः रूपए मालिया लगता है। तो अब कौन सा तीर मारा इस गवर्नमैंट ने यह खुद ही सोच लें—

**राजस्व मंत्रीः** छोटे किसानो को रिलीफ मिला है।

**चौधरी रिजक रामः** छोटे पेट से या वैसे? (हंसी)

डिप्टी स्पीकर साहिब, एक तरफ तो लोगों में यह वातावरण पैदा किया कि हम किसानों को रियायत देने जा रहे है लेकिन जब मौका आया तो आब्याना बढ़ा कर यू.पी. के बराबर कर दिया। अब मुझे पता चला है कि हमारे मुख्य मंत्री साहिब ने उसे वापिस लेने का फैसला कर लिया है, इस के लिए हमउ न के शुक्रगुजार है।आप अगर इमोशनल एप्रोच इस स्टेट को डिवैल्प करने के लिए रखेंगे तो काम चल नहीं सकता। अगर आप प्रैक्टीकल स्टैप्स लें जिस से कनट्राडिक्शन्ज जाहिर न हो तो लोगों का सही मायनों में भला हो सकता है। एक बात और मैं अपने मुख्य मंत्री साहिब से अर्ज कर देना चाहता हूं कि पांच एकड़ वालो को आपने छूट दी है लोग ऐसा मानते है कि वह आपने अपनी सूझ बूझ से बात नहीं की बल्कि पंजाब वाले पहले कर चुके थे,आप की गवर्नमैंट बाद में बनी, इसलिए आन ने भी छलांग मारी कि हम भी कर देते है। आप ने अपने हालात का ख्याल नहीं किया कि आप के फाइनांसिज की क्या हालत है। जब पंजाब वालों ने किया तो आप भी झट कूदे कि हम पीछे क्यों रहें लेकिन जब

आप ने जब को टटोला तो कुछ न निकला। दो जगह पर आप ने कन्ट्राडिक्शन की है। जहां आप ने पांच एकड़  का मालिया मुआफ करने का ऐलान किया था वहां प्रोफैशन टैक्स भी वापिस लेनेका ऐलान किया था। हमारे मुख्य मंत्री साहिम ने बहादूरगढ़ के जलसे में एलान किया था कि हम प्रोफैशनल टैक्स मुआफ कर रहे हे। लेकिन आप ने नहीं कियां आप ने यह कर दिया कि नैट इन्कम पर होगा।

पंजाब वालों ने अपने कर्मचारियों को सैंट्रल डी.ए. देने का फैसला कर के आप को और एमबैरिस कियां फिर आप ने समझा कि हम को तो उनहोनें मुश्किल में फंसा दिया है। अब काफी हाल पुकार के बाद आन ने सारा जोर लगा कर हरियाणे के कर्मचारियों को सैन्ट्रल डी.ए. देने का एलान तो किया लेकिन साथ ही उन पर यह कन्डीशन लगा दी आधी रकम उन को सी.टी.डी. मे जमा करवानी पड़ेगीं मै कहता हूं कि जब दिया है तो क्यों नहीं पूरा ही दे देते, पांच साल बाद देने की क्यों बात करते हें मुझे एक कहानी याद आ गई एक लड़की थी वह छत पर से गिर पड़ी इसे चोट बहुत लग गई। उस का बाप कहने लगा इस के कानों में भी मोरियां कर देते है और बालियां डाल देते है क्योंकि दर्द तो दसे हो ही रहा है इस लिए आन ने जब इतनी दर्द सही है तो थोड़ी और सह लो उन को पूर ही नकद देने का ऐलान कर दो। आप ने आब्याना की तजतीज तो वापिस ली है लेकिन सुना है कि आप दस प्रतिशत रजिस्ट्रेशन बढ़ा रहे हैं यह हभी कोई अच्छा

कदम नहीं होगा अगर आप शान्ति से देखें और सोचे तो जराए निकाल सकते हैं और इस किस्म के टैक्सों के बगैर काम चल सकता है।

**मुख्य मंत्रीः** आप सजैस्ट करें।

**चौधरी रिजक रामः** एक बात तो बताई है पहले वह करें, दूसरी और बता देता हूं मगर पहलें टैक्सों के मुतल्लिक थोड़ा जिक्र कर लूं। अगला टैक्स जिस का आप को बजट स्पीच में जिक्र है वह है पैसेंजर टैक्स। उस के लिए आपने दलील यह दी है कि चूंकि रेलवे फरेअ और फेयर बढ़ है जिस की वजह से लोग बसों पर जयादा सफर करेंगे। इस वजह से अपरेटर्ज को आमदन बढ़ जानी हैं उस आमदन से कुछ हिस्सा लेने की सरकार मुस्तहिक है।

(At this stage Mr. Speaker occupied the Chair.)

मै आप की दलील पढ़ कर हैरान हूं कि जो आपरेटर्ज की बेशत इन्कम होगी पैसेन्जर टैक्स लगाने से आप को उस आमदन में से कैसे शेयर मिलेगा। पैसन्जर टैक्स तो सारे मुसाफरों से वसूत होना है। यह तो सीधा गरीब जनता पर बोझ है आपरेटर्ज से आप को कुछ नहीं मिलना। आप का यह अनैलेसिज गलत हैं जहां तक किसानों के उपर टैक्स लगाना चाहिए। यह भी आप का अनैलेसिज गलत है। जहां तक किसानों के जिम्मे भाखड़ा प्राजैक्ट का हिससा था वह तो बैटरमेंट लैवी के जरिए वसूल

किया जा रहा है। जो पैसा स्टेट इलैक्ट्रिसिटी बोर्ड ने देना था वह एक पैसा भी रिकवर नहीं हुआ लेकिन आप कैपोटेलाज कर के इन्ट्रैस्ट लेते है। मगर दूसरी तरफ किसानों से बैटरमेंट लैवी ली जा रही है। यह बात आप को बिल्कुल गलत है कि मल्टीपरपज प्रोजैक्ट से सिर्फ किसान ही फायदा उठा सकते है। उस से इन्डस्ट्रियलिस्ट भी फायदा उठाता है, कामर्स और ट्रैड को भी बढ़ावा होता है, मजदूरों को भी फायदा होता है नइ मंडिया बनती है। इस लिए यह कहना कि भाखड़े जैसे प्राजैक्ट से केवल किसानों को ही फायदा होता है गलत बात है। किसान पर तो पहले बैटरमेंट लैवी भी लगी हुई है। इस लिए यह कदम आप को किसी तरह से भी मुनासिब नहीं था। आप ने मोटर सपिरिट पर टैक्स कम कर दिया और उस के कलए कोई माकूल दलाल नहीं है। आन ने सिर्फ यही कहा कि देहली में कम होने से हमारे इधर पेट्रोल की सेल कम हो गई है जिस से हमारे सूबे को जो टैक्स का अमाउंअ आनी थी वह बहुत कम हो गई है। लेकिन मै हेरान हूं कि अम्बाला और करनाल सेल के हिसाब से देहली से कैसे मुकाबला कर सकता है। मोटर सपिरिट पर टैक्स की रियायत देने से इस की सेल देहली के बराबर की कैसे हो सकती हैं इस लिए मै समझता हूं कि यह जो आप ने मोटर पर सपिरिट पर टैक्स काम किया है यह जायज नहीं। आप किसानें पर इस लिए टैक्स लगाते जाते है क्योंकि वह ठीक ढंग से अपना केस पेश नहीं कर सकते और दूसरे को इस लिए रियायतें दे रहें हैं क्योंकि वह

ज्यादा तली याफता है और अपने केस ठीक तरह से पेश कर सकते है।

हमारे सामने सवाल यह है कि किस तरह से हम रिसोर्सिज पैदा कर सकते है। आप ने फरमाया था कि हम भारी इकोनोमी करेंगे। मै ने सारी बजट स्पीच को देख है उस में इकानोमी पर एक लफ्ज भी नहीं कहा गया। बड़ी देर से शोर डाल रख था कि कम्यूनिट डिवैल्पमेन्ट का महकमा तोड़ दिया जाएगा। और बी.डी. ओज हटा देंगे। लेकिन कुछ भी नहीं कर पाए और दूसरी तरफ हरियाणे की जनता पर इतने टैक्स लगा दिए हैं आप को इस ज्यादती को वह कब तक बर्दाश्त करेंगे। फजूलखर्ची का यह हाल है आपने 18 मिनिस्टर बना रखे है। न अन के दौरों पर पाबंदी है न किसी और चीज पर। कोठियों पर और उनके स्टाफ पर बे–हिसाब खर्च हो रहा है। क्या आप ने टैक्स इस लिए लगाए है कि आप की कारें चलती रहें और टी.ए. मिलते रहें।

**राजस्व मंत्रीः** आप को भी तो कार मिली थी।

**चौधरी रिजक रामः** लेकिन हम ने टैक्स नहीं लगाए थे। हम ने अपील नहीं की थी कि इस बर्डन की खुशी बरदाश्त करें। अगर मिनिस्टर यह कहें कि हम कुर्बानी करते हैं और कुर्बानी करके दिखाएं तो जनता उनके साथ होगी। तब ये इम्पलाईज से भी कह सकते थे कि देखो हमारे हरियाणा प्रान्त की जनता भूखी

है, इसे पानी नहीं मिलता, इसलिए तुम हमारे साथ रहो और शान्ति से रहो। लेकिन कुर्बानी तो एक तरफ रही यह तो नवाब बने फिरते है और जनता को कुर्बानी का बकरा बनने को कहते हैं।

**राजस्व मंत्रीः** चौधरी साहिब जब आप मिनिस्टर थे तब आप नवाब नहीं थे?

**चौधरी रिजक रामः** स्पीकर साहिब, हम ने दो सालों में आब्याना नहीं बढ़ने दिया। बढ़ाने के बजाए घटा दिया। इसके इलावा डिवैल्पमैंट पर जो नई ड्यूटी लगाई है यह आपने एक मिसाल कायम कर दी है। यह किसानों पर कुल्हाड़ी चलाई गई जिसकी मैं समझता हूं कि कहीं पर मिसाल नहीं मिलती। ये किस चीज के बलबूते पर कहते है कि हरियाणा में कई मिसाल कायम करेंगे।

दूसरी बात जैसे मिनिस्टर साहिब ने फरमाया है कि हने इवेजन को रोकना है। जहां किसानों पर टैक्स लगाया है वहां दूसरी तरफ इवेजन बढ़ा है। आज जितनी चोरी सेल्ज टैक्स में होती है, अगर इस को रोका जाए तो मैं समझता हूं कि और टैक्स लगाने की कोई आवश्यकता नहीं है। इसके लिए कोई ठोस तजवीज बनाई जानी चाहिए। इसके लिए आप एजेंसिया कायम कर सकते है। जो मुजरिम है उन को पकड़कर सजा दें ताकि सैल्ज टैक्स की चौरी कम हो और हमें ज्यादा टैक्स लगाने की

आवश्यकता न पड़े। अगर इसका इन्तजाम न किया गया तो लोग झण्डे लेकर सरकार के खिलाफ आवाज उठाएंगे।

यह किसान जिसकी न कोई संस्था है और न ही कोई जत्थेबंदी है। यह अपने साथ हो रहे बेइन्साफी के खिलाफ आवाज नहीं उठाता.......

**मुख्य मंत्री:** चौधरी साहिब, यह सारा काम कांग्रेस सरकार ने क्यों नहीं किया? (शोर)....

**श्री अध्यक्ष:** नो इन्ट्रप्शन प्लीज।

**चौधरी रिजक राम:** स्पीकर साहिब, जमींदारों के साथ जो बेइन्साफी हो रही है उसके बारे में अखबारें भी कोई आवाज नहीं उठातीं, कोई मदद नहीं करता और जितना टैक्स आप लगाते रहेंगे किसान बेचारे देते रहेंगे। यही सरकार नहीं अगर कोई कमजोर सरकार भी होती तो वह भी यह काम कर सकती है। जितना आप टैक्स लगाने पर जोर देते हे। अगर ब्लैक इवैजन को रोकने के लिये कायेदे कानून बनाये जाये ंतो जनता की हालत सुधारी जा सकती है।

हरियाणा में कई जगह बड़ी बड़ी शादियां होती है, यदि सरकार उन पर पाबंदी लगाए तो काफी आमदनी हो सकती है लेकिन इस तरफ कोई कोशिश नहीं होती।

इसके अलावा ट्रांसपोर्ट के बारे में अर्ज करना चाहता हूं। पैप्सू के इलाका  में ट्रांसपोर्ट के बारे में अर्ज करना चाहता हूं। पैप्सू के इलाका में ट्रांसपोर्ट की नैशनेलाइजेशन पिछले साल से शुरू हो चुकी है। लेकिन हमारे सूबा में इस तरफ कोई ध्यान नहीं दिया जाता। हमारी जो इलैजड स्कीम है वह बोगस हो चुकी है। इस लिए अगर आप ट्रांसपोर्ट को नैशनलाईजेशन करें तो काफी रूपया कमा सकते है। जो पैसेंजर टैक्स आप्रेटरों पर लगाया गया है इससे भी कोई फर्क नहीं पड़ेगा। जितना माईलेज वह कंज्यूम करते हैं उस पर टैक्स होना चाहिए।

दूसरी बात यह है, स्पीकर साहिब, कि जो अनाज बाहर भेजा जाता है उसे सैंट्रल गवर्नमैंट दूसरी स्टेटो को देता हे जहां जरूरत होती हैं। दूसरी स्टेटों में कहीं 150रूपए क्विंटल है और कहीं 200 रूपए क्विंटल है। अगर सैन्ट्रल गवर्नमैंट को पूल प्राईज में अपने हिस्से की डिमांड रखें तो काफी फायदा हो सकता है। यह हमारा हक भी है और इससे हम क्लेम कर सकते है। मेरे कहने का मतलब यह हे कि कोई ऐसा तरीका अपनायें जिससे हमारा घाटा पूरा हो जाए और टैक्स भी न लगाना पड़े। हम आपोजिशन वाले बिना वजह क्रिटिसीजम नहीं करते। अगर आप को लगन है, हरियाणा प्रान्त का विकास करना चाहते हैं। तो जो फजूल खर्च है उनको खत्म करें।

अब मै एजुकेशन के बारे में कुछ अर्ज करना चाहता हूं आपने थोड़े से महीने मे 98 स्कूल अपग्रेड कर दिए। ठीक है यह

अच्छी चीज है और रोड्ज बनाना भी इन सब चीजों से बहूत जरूरी हैं मिनिस्टरों को स्कूल बनाने की भी खुली छूट्टी है। कुछ ऐसे रास्ते निकालें जिससे देश को तरक्की हो। जो भाई आपोजिशन में बैठे हुए है और दूसरी तरफ है उन सब के सहयोग से हो देश तरक्की करेगा, यह काम सब का सांझा हे। अगर आप ठीक काम करेंगे तो आपोजीशन की तरफ से कोई नुक्ताचीनी नहीं होगी। जो गरी पर बोझ पड़ा हुआ है उसको दूर करने में ध्यान दें। मोटर स्पिरिट पर सैल्ज टैक्स माफ करें, और पैसेंजर टैक्स लगाना भी आपको शोभा नहीं देता। एक कमेटी बनाए, आमदनी के रिसोर्सिज पैदा करें ताकि टैक्सों का बोझ न पड़े। लेकिन देख यह जाता है कि गरीबों पर टैक्स का बोझ लादा जा रहा है और कुछ लोग रंगरलियां मना रहें है।

**चौधरी प्रताप सिंह (एलनाबाद):** स्पीकर साहिब, मैं आप का मशकूर हूं जो आपने 1967–68 के बजट पर बोलने का मुझे मौका दिया है। कल मैने कांग्रेसी सज्जनों को बजट पर बोलते हुए सुना और उन्होने इस बजट को अनपापूलर गवर्नमैंट का अनपापूलर बजट कह। इसके बारे में मै इतना कहना चाहता हूं कि मोस्ट अनपापूलर गवर्नमैंट को आउसट करके यह मोस्ट पापूलर गवर्नमैंट आज हरियाणा में आई है। (चीयर्ज) जहां तक इस बजट का ताल्लुक है मैं कहना चाहता हूं कि मौजूदा हालात के मुताबिक यह प्रैकटक बजट है। जहां तक आज के फिनांशल रिसोरसिज का ताल्लुक है पिछली मोस्ट अनपापूलर सरकार ने जिसे बड़े अनोखे

ढंग से आउसट किया गया, किस तरह हमारे फिनांशल रिसोरसिज को टाइट किया, उस पर मैं रोशनी डालूंगा।

अभी चौधरी रिजक राम जी ने जिक्र किया और लेखवती जैन ने भी कहा कि किसानों को जत्थेबन्दी नहीं है। जहां तक किसानों की जत्थेबंदी का ताल्लुक है काग्रेंस के खिलाफ पापूलर सैंटोमैंट्स का ताल्लुक है इसका पक्का सबूव लोगों की मदद के लिए मनोठी गांव में गई और इनके साथ दों सज्जन और थे और उन्होने ही कुछ रोज हुए होस्टल में उसका जिक्र किया। वहां देहाती लोगों में इतना जजबा था कि कांग्रेस मिसरूल से तंग आए हुए थे। इसकी वजह से लोगों में इतना जजबा था कि वरकर्ज का देहात मे जाना मुशिकल था। बहिन जी ने जब लोगों का रोष देखा तो वह इतनी घबराई कि जीप छोड़ कर ही देहात से भाग गई...........

(शोर और हंसी)..................

**श्रीमती लेखवती जैनः** गल्त है अगर भागना होता तो जाती ही क्यों (शोर).........

**चौधरी प्रताप सिंहः** इनके साथ जो वरकर्ज थे उनका देहात से कोई ताल्लुक नहीं था वह गांव वालों की आदात और महमान नवाजों से वाकिफ नहीं थे वैसे ही वहां चले गए। उन्होने देहात वालों से हाथ जोड़ कर कहा हमारा कोई कसूर नहीं माफ करें काग्रेस तो जीप में भाग गई (हंसी)......कांग्रेस को तो एब यूं

समझों कि वह हरियाणा से हमेशा के लिए भाग गई। जहां तक इस गर्वनमैंट का ताल्लुक है इसको पापूलैरेटों का सबूत तो इस बाई–इलैक्शन में मिल गया है हां अगर बहिन और सबूत चाहती है तो वह अस्तीफा दे कर देख लें हम फिर तैयार है।

अब मैं फिनांशज के टाइट होने की बात की तरफ आता हूं कि उसकी क्या वजह हैं। मैं समझता हूं कि भगवत दयाल जो जब चीफ मिनिस्टर थे और उसके बाद जो प्रैजीडैंट रूल आया वह सब लोग जो सामने बैठे है उनको सरकार ने इस तरफ कोई ध्यान नहीं दिया, उस वक्त यह ताकत के नशे में अधे थे। इसके साथ साथ उस वक्त इन्होने सारे अफसर भी की पोस्टस पर पंजाबी डौमीसाइल्ड लगाए हुए थे और उन्होने हरियाण के इन्ट्रैस्टस को वाच नहीं किया...........(शोर).......... वैसट पंजाब से आए अफसर जो है उनको डोमीसाइल हरियाणा की है उनको आने वाले पुश्तों कि हित हरियाणा में है उनके ऊपर कोई शक नहीं हैलेकिन मै तो पंजाबी डोमीसाइल अफसरों की बात करता हूं कि वह जवायंट पंजाब में की–पोस्ट्स पर थे और उन्होंने हमारे हरियाणा के मुफाद को वाच नहीं किया और हमें नुकसान पहूचाया..........

**श्री अध्यक्षः** वह अफसर यहां हाउस में मौजूद नहीं और वह अपने आप को डिफैंड नहीं कर सकते इस लिए उनके बारे में कोई बात न करें।

**चौधरी प्रताप सिंहः** मै किसी का नाम नहीं ले रहा हूं, अफसरों का ही जिक्र कर रहा हूं। उन अफसरों ने डिवीजन के वक्त हरियाण के ह कमे एसर्ट नहीं किया अैर हरियाणा के कलेम्ज पर मजबूती के साथ इनसिसट नहीं किया। यही वजह हे कि आज हमारी फिनांशल पुजीशन टाइट है? मै अर्ज करता हूं कि अगर आप ओपनिंग बैलैंस को देखे तो अ पको पता लगेगा कि हमें कम से कम 60 करोड़ रूपए का नुक्सान है और यह नुक्शान उन अफसरों की मेहरबानी की वजह से है जो आज हरियाणा सरकार को सर्व कर रहे है और उनके अफसरों की मेहरबानी की वजह से है जो आज हरियाणा सरकार को सर्व कर रहे हैं मगर हरियाणा के हितैषी नहीं है। यह ठीक है कि अफसर सैंट्रल पूल के है और उनके कन्ट्रोल में है .........(शोर) मैं अर्ज करता हूं कि पंजाब का बंटवारा जान के आधार पर हुआ है और कुछ लोग जो बंटवारा नहीं चाहते थे, हमारी एक्सपलाएटेश नही करना चाहते थे, वह अभी तक हरियाणा के वजूद में आने से रीकनसाइल नहीं कर सकें है। जहां तक पंजाबी अफसरों का ताल्लुक है मै अर्ज करता हूं.........

**श्री अध्यक्षः** यह बातें डोमांड्ज पर करने की है उस वक्त कर लेना अब न करें बजट पर ही बोंले।

**चौधरी प्रताप सिंहः** मै यह बता रहा हूं कि हमारी माली हालत क्यों टाइट है और आज हरियाणा का दीवाला निकलवाने के लिए कौन जिम्मेदार है। इन बातों का हवाला दे कर हो बताया जा

सकता है कि कौन जिम्मेदार है आज की हमारी हालत का जो हो रहा है। मै यह मांग करता हूं की सैंट्रल गवर्नमैंट को मिला कर पड़ताल हो जिससे हरियाणा के इन्ट्रैस्टस को हकलतफा न हो। यह असैटस ऐंड लाएबिल्टीज का इशू कोई डैड इशू नहीं है। जांच पड़ताल के बाद हमारे हकूक हमें मिलें और जो हमारे नुकसान के लिये जिम्मेदार पाया जाए उसे माकूल सजा दी जाए। सब से पहले प्राइमाफेसाई केस साबिव करने के लिए उन अफसरों को यहां से बाहर भेजा जाए सैंट्रल गवर्नमैंट जहां चाहे उन्हे एबजारव करें। अब मै भाखड़ा नन्गल के बारे में भी बताना चाहता हूं। फिनांस मिनिस्टर साहिब बेशक फाइलें मंगा कर देख लें कि उनके फिनांस डिपार्टमैंट ने क्या कुछ किया है और वह किस हद तक इस धाटे के लिए जिम्मेदार है। बाकी मै अब टाप हैवी एडमिनिस्ट्रेशन के बारे में कहना चाहता हूं.......

**वित्त मंत्रीः** वह मिसाल कौन सी दी आपने?

**चौधरी प्रताप सिंहः** वह आप फाइलें मंगाा कर देक्ष लें फाइलों में सब कुछ मौजूद है। मै अर्ज करता हूं कि इस वक्त हरियाणा में 22 आई.ए. ऐस अफसर है और सिलैक्ट लिस्ट के अफसरों को रिडक्शन का मसला चल रहा है उस के असर हरियाणा के अफसरों पर पड़ेगा और आने वाले बीस साल तक हरियाणा का कोई भी पी.सी. एस. अफसर या आई.ए.एस. नहीं बन सकता है।

**विकास मंत्रीः** मैतो कहता हूं कि पच्चास साल तक हरियाणा का कोई चपड़ासी नहीं लग सकता है। (हंसी)

**चौधरी प्रताप सिंहः** चौधरी हरद्वारी लाल जो गौर हाजिर है मै उन से एक बात कहना चाहता था। उनका एक अखबार निकलता है 'सैंटीनल'। ज बवह मिनिस्टर नहीं थे तो वह अखबार में टाप हैवी एडमिनिस्ट्रेशन का खास तौर पर जिक्र किया करते थे और वह प्रोपार्टीशन के पंजाब के 29 जिलों का हवाला देकर बताया करते थे कि एडमिनिस्ट्रेशन को कैसे सलैश किया जाए। मैनें वजीर साहिब से प्राइवेट तौर पर बात भी की थी वह इस मामालें में कहते है कि हम कुछ नहीं कर सकते।मेरी यह इनफर्मेशन है कि बंगाल के मुख्यमंत्री अजय मुकर्जी ने सैंट्रल गवर्नमैंट को पससू कर के इस कारण से पच्चास प्रतिशत आई.ए. एस. आफिसर्ज सैन्टर को भेज दिये कि वहां टोप–हैवी एडमिनिस्ट्रेशन है। हमारा तो मसला ही स्पीकर साहिब, बड़ा आसान है और बड़े जल्दी हल हो सकता है। मेरी इन्फर्मेशन है कि दास कमीशन से अफैक्टिड 80 परसैन्ट आफिसर्ज हरियाणा को एलोकेट हुए हैं बंगाल की तरह राजस्थान ने भी किया है। इस लिये, स्पीकर साहिब, यह बात यहां भी हो सकती हैं।

फिर, स्पीकर साहिब आप देखे दो किस्म के दफतर हमारे यहां है। कुछ दफतर तो सैक्रिटेरियटमें है तो कुछ डारेक्टोरेट में है। सैक्रिटेरिएट में आप जाएं 66 सैक्रटरी आप को मिलेंगे। डारेक्ओरेट में आप जाइए,बहूत से डायरेक्टर आप को

मिलेंगे। मुझे उनका नाम भी याद नहीं। फिर कमिशनरों को कोई हिसाब नहीं। मै तो यह राय दूंगा कि सैक्रिटेरिएट और डारैक्टोरेट की तरह कमिश्नरों के लिये एक कमिशरोएट बना दिया जाना चाहिए। स्पीकर साहिब सच पूछो तो मुझे तो डर है कि जिस तरह से आगे परमोशन्ज होंगे उस से तो हाउसिंग का एक मसला खड़ा हो जाएगा। (कांग्रेस की तरफ से आवाज एक मिनिस्टीएट भी बना दिया जाना चाहिए।) जहां व कइस का ताल्लुक है आप इस के बरे में न बोलें तो अच्दा है। हमारे चार मिनिस्टर तो ऐसे हे जो तनख्वाह नहीं ले रहे। और अपने मकानों में रह रहें है।

**श्रीमती ओम प्रभा जैनः** किराया तो लेते है।

**चौधरी प्रताप सिंहः** कोइ भी मिनिस्टर ग्रैजूएट से कम नहीं । केसरा राम जी की तरह नहीं जो अपने आप को कसर राम ही लिखते है।

**Mr. Speaker:** Nothing personal please.

**चौधरी रिजक रामः** क्या मंहत जी भी ग्रेजूएट है?

**विकास मंत्रीः** वह बहूत बड़े ग्रेजूएट है आप को क्या पता।

**राजस्व मंत्रीः** काशी विद्यापीठ के बहूत पुराने स्नातक है।

**श्री अध्यक्षः** चौधरी साहिब टाईम की बात जरा ध्ध्यान रखिए।

**चौधरी प्रताप सिंहः** सिर्फ पांच मिनट और लूंगा। यह तो बीच में इन्ट्रपशन हो गई। पिछला मिनिस्टरी में , स्पीकर साहिब एक मिनिस्टर थे जो कि पं० भगवत दयाल शर्मा जि के दाएं बाजू थें। वे मिनिस्टर थे ट्रांसपोर्ट मिनिस्टर मै साफ ही कह दूं। उन से जब पूछा गया कि श्रीमान जो असैट्स और लायबिल्टीज को डिवीजन जब हूई तो पैप्सू रोडवेज को बसों का हिस्सा आपने क्यों नहीं मांगा, तो उन्होने उत्तर दिया कि मुझे तो ख्याल हो नहीं रहा। यह तो हालत थी पिछली मिनिस्टरों कीं इसी तरह की जो बातें हूई है वे वक्तन–फक्तन हमारी सरकार के नोटिस में आती रही है। इस लिये मेरी प्रार्थना है कि हमारी यह दल को सरकार इस को एक क्लोज चैपटर न समझे। इस को वह सिरिअसली टेक अप करें और हमारे साथ जो अन–जस्टिस हुआ है उन को अन–डू करें।

अब रहा सवाल लाबिल्टी का। लाएबिल्टीज तो हमें जरूरत से ज्यादा हिस्से में दी गई हे। इसके सम्बन्ध में एक मिसाल देता हूं। यह मेरी इत्तलाह है और है भी बिल्कुल दुरस्त। एक साहिब ज्वायंट पंजाब मे कोआप्रेटिव के रजिस्ट्रार थे और आज वे हरियाणा के एक बड़े महकमें में एक बड़े अफसर हे। उन साहिब को उस वक्त जो ज्वायंट

पंजाब के चीफ सैक्रेटरी थे उन्होने कहा था कि आप यदि फलां  फलां काम करेंगें तो आपको फलां पोस्ट में रख लेंगे। उन्होंने उनकी मर्जी के काम उनके कहने पर किये परन्तु अफसोस के बाद में पंजाब में रखने की बजाय उन्हे हरियाणा को अलाट कर दिया गया। उन्होंने कई अफसरों के सामने स्वयं इस चीज को माना है और कहा है कि मैने हरियाणा के साथ बड़ा भारी इनजस्टिस किया है। यही एक वजह है स्पीकर साहिब,कि कुछेक ऐसे लोगों के कारण आज हमारे हिस्से बहूत कम बिल्डिंग आई है और सारी की सारी पंजाब को मिल गई। यही हाल पब्लिक रिलेशन डिपार्टमैण्ट में हुआ है। वे लोग बिल्डिंगे तो उधर दे आए लेकिन जब हरियाणा को एलोकट हुए तो पैटों की जेब में हथ डाल कर जब आए तो उनहें हरियाण की जो टूटी फूटी बिल्डगें मिली थी उनके फर्शों पर बैठना पड़ा क्योंकि फर्नीचर भी हमें नहीं मिला था।

**श्री अध्यक्षः** अब आपने काफी टाईम ले लिया है कृप्या बंद कीजिए।

**चौधरी प्रताप सिंहः** स्पीकर साहिब यह खास मसला है और ये बातें किसी ने भी नहीं की है।

**श्री अध्यक्षः** चौधरी साहिब, देखिए आफिसर्ज के बारे में इस तरह की बातें नहीं करनी चाहिए।

**चौधरी प्रताप सिंहः** स्पीकर साहिब, यह ब्योरोक्रेसी नहीं डेमोक्रेसी है। वे सर्वसिज है। उनके उपर गर्वनमैंट है। गवर्नमैण्ट के उपर हम है ओर हमारे उपर ये लोग जो गैलरीज में बैठे हैं। हमारी स्पीकर साहिब, कुछ मुश्किलात है। इसी को सैंटल गवर्नमैंट महसूस नहीं कर रही है क्योंकि वहां कांग्रेस गवर्नमैंट है और वे समझते है कि इतनी स्टेट्स के अन्दर नान–कांग्रेस गवर्नमैट्स क्यों बनी और हरियाणा ने तो खास तौर पर इस दिशा में लीउ क्यों दी इस पर उन्हे बड़ा गुस्सा है। वे हमे सजा देना चाहते है। इसके बारे में हमें कुछ ने कुछ करना चाहिए जैसा बंगाल वाले कर रहे हैं यह जो लोग उधर बैठे है (कांग्रेस बैंचिज की तरफ इशारा) ये खुद दिल्ली जाकर कहतें हे कि आप चिन्ता न करो वह मिनिस्टरी अपने आप फेल हो जाएगी आप उन्हे सहयोग न दो। जो इन से लोन लेना है वह जल्दी वसूल करो। स्पीकर साहिब, इस तरह की बातें करते है ये स्टेट के हित`ो। यहां तो ये कहते है कि हम गवर्नमैण्ट को को–आप्रेशन देंगे लेकिन दिल्ली जाकर सजैशन इस किस्म की देते है।

अब मैं इन्डस्ट्री डिपार्टमैण्ट के बारे में थोड़ा सा जिक्र करूंगा। डिटेल में तो इसके सम्बन्ध में किसी और दिन बहूत कुछ कहूंगा। फरीदाबाद में बड़ी बड़ी इनडस्ट्रीज है और ये सब हरियाणा गवर्नमैंट के लोन से बनी है। लोग दिन प्रति दिन करोडोंपति बनते जा रहे हैं लेकिन इस सब

का हैड आफिस दिल्ली में है। और ये सब सेल्ज टैस दिल्ली में दे रहें है। स्पीकर साहिब, यह हरियाणा के बड़े घाटे की बात है और मिनिस्टर साहिब को इसे नोट करना चाहिए।

अब मैं थोड़ा सा अन्न की समस्या के बारे में कहना चाहूंगा। मै अपने हलके की ही मिसाल देता हूं। मेरी कनस्टीच्युएंसी एलनाबाद है। इस में एक अन्न मंडी है जिसे को गेट वे आफ राजस्थान कहते है। आज वह स्मगलिंग का सब से बड़ा अड्डा बना हुआ हे। यह तो हमारी खुशकिस्मती है कि हमारे हिसार के हैड आफ दो पुलिस जो है वे बड़े ओनैस्ट आदमी है और उन की कोशिशों से स्मगलिंग काफी कन्ट्रोल में है। अगर वे वहां न होते तो बहुत बुरा हाल होता और सारे का सारा अनाज राजस्थान को चला जाता । मेरी वहां के छोटे पुलिस के मुलाजमीन से बात हुई थी। वे कहते है कि यह जो गवर्नमैंण्ट की पालसी हे कि एडजुयानिं स्टेट से अनाज आए ज्यादा लेकिन यहां से जाए कुछ नहीं बहुत अच्छी है।

**श्री अध्यक्षः** उन्होने जो प्राइवेटली इनकी बातें बताई है उन को ये यहां बता रहे है।

**चौधरी प्रताप सिंहः** जब मैने पूछा कि यहां अनाज बाहर क्यों जाने दिया जाता है तो बताया गया कि जब बाहर से ट्रक आते है तो इधर से जाते वक्त वह खाली कैसे जा

सकते है। मै जनाब स्पैसिफिक इंस्टांस कोट करना चहाता हूं। पुलिस स्टेशन रानियां का ए.एस.आई. यह आपस में मिले हुए है और उन्होने मुझे बताया कि ट्रक आते है और गेंहू लाते है। हमारी यह पालिसी है कि हरियाणे में अगर गेंहू आता है तो अने दिया जाए बेशक एक जोन बना है मगर ट्रक आते है। मैने उन से कहा कि अगर ट्रक आते है तो चलो मान लेते है कि ठीक है पालिसी हो सकती है और गवर्नमेंट का भी इसमें हाथ हो तो हो जैसा कि आप बतलाते है मगर जब यहां कमी है अनाज की तो चावल यहां से क्यों जाता है। तो जनाब, उन्होने मुझे बताया जैसा कि मै बतला चुका हूं।

**श्री अध्यक्षः** अगर उसने कानफिडेंस में आप को लेकर बतला दिया तो यहां क्यों हाउस में कहते हो।

**चौधरी प्रताप सिंहः** बात यह है, स्पीकर साहिब, कि वहां पर इन लोगों ने लाखो रूपए कमाए है और पैसे ले कर ट्रक आने जाने देते है। मैने कहा कि अगर मैं शिकायत करूं तो? तो जनाब जवाब मिलता है कि एक नहीं बीसियों शिकायतें होती रहती है। होगा क्या? क्योंकि एस.एच.ओ. को रिपोर्ट पर ऐक्शन लिया जाता है और वह हम आपस में मिले हुए है। उसमें डी.एस.पी. या एस. पी. क्या कर सकते है। अल्टीमेटली जो एस. एच. ओ. रिपोर्ट देगा वह होगा।

**श्री अध्यक्षः** देखिए आप सबने मिल कर टाइम मुकरर्र किया था लेकिन उसके मुताबिक आप बोलते नहीं। मन मर्जी से बोलते रहते है। अगर रोकता हूं तो बुरा मनाते है। इस लिए आप से रिक्वैस्अ है जब टाइम हो जाए तो बन्द कर दिया करें।

**चौधरी प्रताप सिंहः** अच्छा जो, मैं इतना कह कर मन्द करता हूं कि गवर्नमैंट इस तरफ ध्यान दे कि हरियाणे से आनज बाहर न जाने दिया जाए। और कुरप्शन को रोका जाए।

**श्री पोहलू उपनाम जगजीत सिंह (शेरहदा):** स्पीकर सहिब, हाउस के सामने 1967–68 का बजट देख कर मुझे बहूत खुशी होती है क्योंकि यह बजट हमारी पापूलर गवर्नमैंट का पापुलर बजट है, जिसको कि हम डिस्कस कर रहे है। अब से पहले पंजाबी सूबा के भाई इस बजट को पास करते थे और वह बड़ी बेदर्दी से हरियाणा के ऊपर टैक्स लगाते थे जिसका खर्च पंजाबी सूबे में होता था और टैक्स की उगराही हरियाणे से की जाती थी। मैं यह चाहता था कि वाटर रेट में जो बढ़ोती की जा रही थी वह गवर्नमेंट ने विदड्रा कर ली है। जिसके लिए गवर्नमेंट ने मान लिया है उसके लिए मैं गवर्नमेंट को मुबारिकबाद देता हूं।

स्पीकर साहिब, मेरी प्रार्थना यह है कि गवर्नमेंट ज्यादा से ज्यादा एग्रीकल्चर की तरफ ध्यान दे क्योंकि किसान की माली हालत अच्छी नहीं हे और जिकसी वजह से वह खेती को डिवैल्पमेंट नहीं कर सकता। इसलिए आप उन को जितनी मदद कर सके करें। यहां पर एज्यूकेशन के बारे में, सड़को के बारे में, फैमली प्लैनिंग के बारे में बहूत बातें की गई कि यह जरूरी है पर मैं आपसे यह कहना चाहता हूं कि चाहे पब्लिक से ही कर्जा उठांए ताकि हरियाणा को भरपूर अनाज मिल सके। चौधरी रिजक राम जी हरियाणा के वजीर रह चुके है, लेकिन आज तक उन्होने अपने दिमाग पर यह जोर नहीं डाला कि किस तरीके से हरियाणा की खेती बाड़ी को डिवैल्प किया जाए। हमार किसान जहां सारे देश के लिए अनाज पैदा करता है वहां जगं में जा कर अपने मजबूत हाथों से मुल्क की भी रक्षा करता है। इसलिए उन किसानों के ऊपर पड़े हुए टैक्सों के भार को जल्दी से जल्दी उठाया जाए।

ज्हां तक प्राईवेट कम्पनीज और ट्रांस्पोर्ट का सवाल है, मैं अर्ज करना चाहता हूं कि इसको नैशनेलाइज किया जाए ताकि इधर से आमदनी हासिल करके किसानों को रिलीफ दिया जा सके जिससे िकवे अनाज की पैदावा को बढ़ाने में समर्थ हो सकें स्पीकर साहिब बीस सालों के अन्दर पिछली सरकार ने इस बुरे तरीके से हरियाणे को

बरबाद किया है कि हमें आज खोखला हरियाणा मिला है। अब हम इसको डिवैल्प करने के लिए कदम उठा रहे है। हमारे दोस्तों ने जिस पुरजोर आवाज में बातें की हैं वह पिछले बीस सालों से कभी नहीं की। लेकिन मैं यह मानता हूं कि उनकी आवाज में सदाकत है और उन्होने अपनी कमजोरी को साफ जाहिर कर दिया है कि वह अभी वक कुछ भी खुद नहीं करते रहे, इसलिए बीस साल के बाद उन्हें ऐसी हालत देखनी पड़ी कि जिसके लिए वह ज्यादा जोरदार बातें करें।

स्पीकर साहिब, हरियाणा के किसानों के लिए नहर का पानी जरूर है और ट्यूबवैल्ज के लिए बिजली की जरूरत है क्योंकि हरियाणा की जमीन 70 फीसदी बगैर पानी के पड़ी हूई है। जहां तक शहरों में बिजली खर्च होती है वह मैं समझता हूं कि उसका इतना प्रोडक्टिव यूज नहीं हो पाता जितना कि अगर उसे डाइवर्ट कर दिया जाए और ट्यूबवैल्ज के कुनैक्शन के लिए दे दिया जाए तो उतना लाभ हो सकता है।

नहरों के खोदने का जो ठेका है वह ठेकेदारों को नहीं दिया जाना चाहिए, क्यांकि किसान खुद नहर खोदने के लिए तैयार है। जो जमीन उन की ली जाती है उसके लिए उनको कम्पेनसेशन दिया जाना चाहिए और नहर की खुदाई के काम पर मेम्बर साहिबान और वजीर साहिबान वहां जा जा

कर, किसानों के साथ मिल कर करें तभी हरियाणा तरक्की कर सकेगा।

हरिजन भाइयों के लिए जो रूपया रखा है मैं समझता हूं कि वह ठीक है पर सिर्फ हरिजन के नाम पर रूपया रखा जाना और इस तरीके से दो क्लासिज पैदा कर देना–हरिजन और नान हरिजन यह बात न मुनासिब है। मेरा सुझाव है कि आप अमीर और गरीब इस किस्म की क्लासिज तो बनाएं लेकिन कांग्रेस की तरह हरिजनों को भूखा रख के और फिर उन्हें कुत्तों की तरह कांग्रेस की तरफ देखने के लिए मजबूर करने वाली पालिस को कत्तई न अपनाएं।

**श्री रामधारी बाल्मीकीः** आन ए प्वायंट आफ आर्डर सर, स्पीकर साहिब मैंबर साहिब ने हरिजानों के लिए कुत्तों का लफज इस्तेमाल किया है क्या यह पार्लियामैंटरी है?

**Mr. Speaker:** The Hon. Member shoul not use such expressions.

**श्री पोहलू, उपनाम जगजीत सिंहः** स्पीकर साहिब, मेरी इन्टेनशन यह नहीं थी। मैम्बर साहब ने गल्त समझा है। मै तो यह कह रहा था कि 20 साल तक हरिजनों के पीछे रखा है। कांग्रेस सरकार उनके साथ धोखा करती आई है और पिछले बीस सालों में लगातार हरिजनों का हालत खराब ही होती गई है। इसलिए अब जो सामने बैठ कर बातें बना रहे है उन को शर्म आनी चाहिए। जो हरिजन खादर के

कपड़े पहन कर बीस साल इनके पीछे पीछे फिरता रहा उस को हालत बदतर हो चुकी है और जो दूसरे लोगों के साथ रहते थे उन की हालत बेहतर है और हमारी सरकार हरिजनों को बेहतरी के लिए काफी काम कर रही है। हम कहते हे कि हरिजनों के ऊपर ज्यादा पैसा खर्च किया जाए और उन्हे उंचा उठाया जाए।

स्पीकर साहिब, अगर हम ने अपने स्टेट को उंचा उठाना है तो सब से पहले अनाज की मुश्किल को हल किया जाए और दो साल के लिए जितना स्टेट का पैसा हो वह नहरों पर बिजली पर ट्यूबवैल्ज के लिए और खेतो पर खर्च किया जाएं बाकी के सब खर्चों को कम कर दिया जाए। जो लोग देहातों में कर्जा देते है वह सूद बहूत ज्यादा चार्ज करते है उन पर सरकार को ज्यादा से ज्यादा टैक्स लगाना चाहिए। इस के इलावा जो बैटरमेन्ट लैवी है वह किसानों पर बड़ा भारी बोझ है उसे फौरी तौर पर वापिस लिया जाना चाहिए। आप जय जवान जय किसान कहते है। इस लिए आप के किसानों की मदद करनी लाजमी है क्योंकि किसान मुल्क की रीढ़ की हड्डी है। उसी पर सारा दारोमदार है। अगर यूं कहा जाए कि किसान मुल्क का अन्न देवता है तो यह गल्त बात नहीं होगी। इस लिए उस के उपर टैक्स लगा कर उसे दबाया न जाए।बस मै इस से ज्यादा और कुछ नहीं कहना चाहता।

**श्री महा सिंह (मेहम):** बड़ी खुशी की बात है कि हरियाणा बना और हरियाणे को यह पहला ही अपना किस्म का बजट है। लोग पहले यह सोचते थे कि यह किसानों की और जमींदारां की हकूमत है इस लिए किसानों का कुछ भला करेगी। लेकिन इस सरकारन ने पहले ही जो टैक्स लगाया वह जमींदारो और किसान भाइयों पर लगाया है। उन की उन्होने कोई फेवर नहीं की बल्कि वह चाहते थे कि हमारे किसान भाई कुर्बानी करे। लेकिन बाद में जब जनता की भावना मालूम हूई, लोगो की आवाज का संयुक्त दल ने एतराम किया और उस टैंक्स का वापिस ले लिया गया। इस से ज्यादा आवाम की भावनाओं का आदर और सत्कार करने वाला सरकार शायद हिन्दूस्तान से कोई न हो।

इस सरकार ने तीन करोड़ रूपए के टैक्स वापिस लिए है। सटेट में इकोनोमी करने के लिए मैं यह सुजैशन दूंगा कि जो टाप हैवी एडमिनिस्ट्रेशन है उस को कम किया जाए। हमारी 'ए' क्लास सटेट है इस लिए हमउ न से दरखास्त करते है कि टाप हैवी एडमिनिस्ट्रेशन का कुछ हिस्सा वापिस ले लिया जाए क्योंकि वह आई.ए.एस. आफीसर्ज को दूसरी सटेट्स में भी भेज सकते है। तो इस तरह से काफी इकानोमी हो सकती हैं इसके इलावा हमारे जिमें भाखड़ा नंगल ककी लायबिल्टी 40 प्रतिशत बनती थी लेकिन हमारे जिम्मे 47 प्रतिशत दिखाई गई है। यह फैक्टस

की बात है कि इस के लिए भी फिर हिसाब किताब हो जाना चाहिए और सैंटर से बात करनी चाहिए। रिजर्व बैंक ने हमें 2 करोंड़ का लोन सैंकशन किया है और शायद एक करोड़ और दे दे। यह रकम भी थोड़ी है। हमारा हरियाणा का सूबा नया बना है इसलिए सैंट्रल गवर्नमेंट को और रिजर्व बैंक को एज ए स्पैशल केस हमें तीन करोड़ से ज्यादा कर्जा लेने की आज्ञा देनी चाहिए। इस के बाद ओवर ड्राफ्ट का सवाल आता है। पहले ज्वाइंट पंजाब में दस करोड़ रूपया निकाला जा सकता था लेकिन हरियाणे के लिए सिर्फ 90 लाख का लिमिट रखी गई है। यह इंनसाफ की बात नहीं है। इस के लिए पब्लिक ओपीनियन तैयार करके सैंटर को जो दिया जाए कि हमें ओवर ड्राफ्ट की ज्यादा इजाजत दी जाए। पुरानी रेशो के हिसाब से हरियाणे को चार करोड़ रूपए की ओवर ड्राफ्टिंग करने की इजाजत होनी चाहिए। इस लिए हमें इस के लिए फाईट करना चाहिए। इस के साथ ही असेट्स का सवाल री–ओपन करना चाहिए। हम हस के लिए ज्यादा जिम्मेवारी अफसरों पर नहीं डालते, पोलिटिकल लोडर्ज की भी जिम्मेदारी हैं। इस इशु पर बड़ी गंभीरता से सोच कर कदम उठाया जाए।

इसके बाद मैं ने एजुकेशन पर कुछ कहना है। जहां तक स्कूलों को अपग्रेड करने का ताल्लुक है यह खुशी की बात है। यह शुभ काम हुआ है। होता यह था कि लोगों

का जब स्टेन्डर्ज आफ लिविंग बढ़ता था तब स्कूल खोले जाते थे। लेकिन इन्होंने पहले ही स्कूल खोल दिए हैं। मैं इस को और भी अच्छाा समझता हूं।

जहां तक टीचर्ज के ग्रेडों का ताल्लुक हे वह उन को मिलने चाहिए। मैंने पहले भी अपने भाषण में कहा था कि जब तक आप टीचर्ज को सेटिसफाइड नही करेंगे उस वक्त तक हरियाणा तरक्की नहीं कर सकता । इस लिए टीचर्ज के हर हालत में दूसरी स्टेटों से भी अच्छे ग्रेड करने चाहिए।

फिर स्पीकर साहिब, जो पंजाब यूनिवर्सिटी की सैनिट है वह भी हमारे साथ अच्छा बर्ताव नहीं करती। न हम को उतने सकालरशिप मिलते हे और नहीं उचित रू<sup>प</sup> से एडमेशन मिलती है और हमारी एम्पलाएमेंट्स वगैरह भी पूर्ण रूप से नहीं होती। इस लिए सैनिट को तोड़ दिया जाए और उस की जगह एक एड हाक कमेटी मुकरर्र की जाए जिस में हरियाणे के 50 प्रतिशत मैंबर होने चाहिए। इस के साथ ही पंजाब यनीवर्सिटी और पंजाब इन्जीनियरिंग कालेज के नाम भी बदले जाएं। हायर सेकन्डरी और मैट्रिक के एग्जामिनेशन्स से पंजाब यूनीवर्सिटी को हार साल कई लाख की इनकम होती है अतः हायर सैंकडरी स्कूलों को कुरूक्षेत्र युनिवर्सिटी के साि मिला दिया जाए ताकि स्टूडेंट उस यूनिवर्सिटी से इम्तिहान दिया करें। इससे 50–60 करोड़ रूपये की आमदनी हो सकती है। जहां तक ट्रांसपोर्ट का ताल्लुक है उसमें प्राइवेट

ओनर्ज को जो रूट्स दिए जाते है अगर उनकी  आक्शन की जाए तो काफी रूपए की आमदन हो सकती है। आक्शन से काफी रूपया प्राप्त हो सकता है जिसे डिवैल्पमेंट के कामों मे लाया जा सकता है।

इसके इलावा हमारा इलाका बहूत बैकवर्ड है। जिस तरह से महेन्द्रगढ़ में भिवानी बैकवर्ड है उसी तरह से गोहाना भी पिछड़ा हुआ है। वहां पर न सड़कों का इन्तजाम है और नहीं स्कूलों का इन्तजाम है। मैं सरकार से गुजारिश करूंगा कि इस तरफ फौरी तौर पर ध्यान दे। कई कई मील तक न कोई हाई स्कूल है और न ही कालेज है लोगों को बड़ी दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है।

जहां वक किसानों का ताल्लुक है उन को हमें बड़े रिस्पैक्टफुल निगाह से देखना चाहिये। पैदावार को बढ़ाने के लिए सबसिडीज और ग्रांटस आदि की तरफ पूरा पूरा ध्यान दें। जब तक इस तरफ ध्यान नहीं दिया जायेगा तक तक हम फूड में सैल्फ सफिशिंएट नहीं हो सकते। किसानों की तकलीफों को दूर करने के लिए सरकार को स्टैप्स उठाने जरूरी है। जो किसान 18–19 घंटे काम करता है, हमारे लिये अनाज पैदा करता है, अगर हम उस का आदर नहीं करेंगे तो कैसे देश तरक्की कर सकेगा। लेकिन इस समय हालत यह है कि कभी उसे चीनी नहीं मिलती, कभी नहरों से पानी नहीं मिलता और तरह तरह की तकलीफों देते

है। (घंटी) इस लिये मैं दरखास्त करता हूं कि किसानों को ऊंचा दर्जा दिया जाए ताकि किसान की हालत बेहतर हो सके।

(कई मैंम्बर खड़े हो जाते है)

**श्री अध्यक्ष:** कल फैसला हुआ था कि जिन मैंम्बरां को बोलने का चांस नहीं मिला वे बोलें आप बहुत ज्यादा खड़े हो जाते है। आप बैठ जाइये।

**श्रीमती ओम प्रभा जैन (कैथल):** स्पीकर साहिब, मिनिस्टर साबि ने बजट के रिवाइज एस्टोमेट्स पेश किये और उस पर बहस चल रही है। बजट को देखा जाए तो पता चलेगा कि नवम्बर 1966 में जब कि हमारी स्टैट बनी थी, उस का डैफिसिट बजट पता चलेगा  कि नवम्बर 1966 में जब कि हमारी स्टेट बनी थी। उस का डैफिसिट बजट 1.7 करोड़ थ और अब जो रिवाइजड एस्टोमेट्स पेश किये गये है। उस के हिसाब से एक करोड़ 42 लाख का डैफिसिट बजट शो किया गया है। मेरे ख्याल में यह घाटा यहां तक ही महदूद नहीं रहेगा बल्कि 12–13 करोड़ रूप्ये तक चला जाएगा। हाल ही में जो सरकारी मुलाजिमों को डी. ए. दिया गया है वह भी इस में शामिल नहीं है और न ही भाखड़ा के लिये जो लोन है वह सैंटर गवर्नमैंण्ट से मिलना है। अगर वह न मिला तो यह घाटा बारह तेरह करोड़ तक चला जायेगा।

मेरा भी फिनांस से सम्बन्ध रहा है जो सूबे में पीछे हो चुका है वह भी मुझे पता है। स्टेट रीआर्गेनाइजेशन होने के बाद

जो प्राब्लम्ज पैदा हुई उनका मुकाबला कांग्रेस सरकार को करना पड़ा और जब हम पंजाब से अलग हुए तो क्या हमारे फाइनेंसिज की हालत थी यह मुझे मालूम है।

एजुकेशन के बारे में मुझे बड़ी मायूसी हुई। मायूसी मुझे हीं हुई बल्कि सारे हरियाणा के अवाम को दुख हुआ। सरकार ने एजुकेशन की तरक्की के लिए कोई प्रैक्टिकल कदम नहीं उठाए कि किस तरह से इकानोमी की जाए। जब एजुकेशन मिनिस्टर पहले मिनिस्टर थे तो इन्होनें किसी स्कूल को अपग्रेड नहीं किया था।लेकिन बहादूरगढ़ का इलैक्शन होने के कारण वहां के सब स्कूलों को अपग्रेड कर दिया यह डैमोक्रेसी के नाम पर बहुत भारी धब्बा है। जितने बहादूरगढ़ में स्कूल अपग्रेड हुए उतने कहीं नही हुए। स्पीकर साहिब, इसके बारे में इन्क्वायरी कराएं कि दूसरे स्कूलों के साथ क्यों डिस्कृमिनेटरी ट्रीटमेंट किया जा रहा हे। जिस स्कूल में तीन–तीन सौ लड़के पढ़ते है उन स्कूलों को अपग्रेड क्यों नहीं किया गया? इसका कारण यह है कि बहादुरगढ़ की इलैक्शन के दौरान स्कूलों से हजारों रूपये इलैक्शन लड़ने के लिए लिए गये और उन को इस बिना पर अपग्रेड कर दिया गया। स्पीकर इलैक्शन लड़ने के लिए लिए गये और उन को इस बिना पर अपग्रेड कर दिया गया। स्पीकर साहिब इस बारे में जनता के अन्दर कंफ्यूजन है औरयह इके लिये जिमेंदार है। अपनी गद्दियों को बरकरार रखने के लिए ......(शोर)....... जनता के अरमानों का खून किया गया लेकिन में दावे से कह सकती हूं कि जनता इस

को बर्दाश्त हीं कर सकती। यहां पर कहा गया है कि जहां पर पांच सालों में 110 स्कूल अपग्रेउ किये जाने ाि वहां पर नई सरकार ने कुछ ही टाईम के अन्दर 98 स्कूल अपग्रेड कर दिये है। इस से साफ जाहिर होता है कि यह सारे का सारा चोरी का माल था जिस से इतने स्कूल अपग्रेड किये गये है।

**राजस्व मंत्रीः** लोगो की डिमांड थी इस लिये स्कूल अपग्रेड किए गये हैं

(At this stage Mr. Deputy Speaker Occupied the Char)

**श्रीमती ओम प्रभा जैनः** डिमांड नहीं थ बल्कि बहादुरगढ़ का इलैक्शन था। हम पब्लिक के लीडर है, लाइयर नहीं। we are public leaders and not merely lawyers. We should not be ignored. We have not to plead our own ause but the cause of the province and the entire nation. ळम अच्छी तरह से जाने है कि इलेकशन जीतने के लिए ही इतने स्कूलों को कुछ ही समय में अपग्रेड किया गया है और दूसरे इलाकों के साथ डिस्कृमिनेटरी ट्रीटमेंट किया गया। (11 a.m)

फिर सब से गजब की बात तो यह है कि इन 98 में से 15 स्कूल तो सिर्फ बहादूरगढ़ में ही अपग्रेड कर दिये गए है।

**मुख्य संसद सचिव (श्री जगन्नाथ):** आपने जींद में क्या किया था?

**श्रीमती ओम प्रभा जैनः** वहां कोई स्कूल अपग्रेड नहीं हुआ था। डिप्टी स्पीकर साहिब, यह बार बार इन्ट्रप्ट करते हैं। यह जरा अपने कारनामें तो सुन लें कि जनता उनके बारे में क्या कह रही है । यह खैर मनाएं जो इन्होनें वाटर रेट वाला टैक्स वापस ले किया नही ंतो यह बाहर मुंह दिखाने के काबिल नहीं थे....... (शोर)

**सिचांई मंत्रीः** आप कोई सजैशन भी दें। यू ही नुक्ताचीनी करने का क्या फायदा?

**श्री लाल सिंहः** जब हम आपकी सुनते रहे तो आपको भी सुनना चाहिए शोर क्यों मचाते हो....(शोर)

**श्रीमती ओम प्रभा जैनः** मैं अर्ज कर रही थी कि इन्होनें बजट प्रोपोजल्ज पर सीरियस गौर नहीं किया है कि गवर्नमैंट इनी स्टेबल नहीं है। इसलिए वक्त काटो कौनसा खर्च हो रहा है कौन सा नहीं हो रहा है उसके बारे इनका कोई ध्यान नहीं। मिसाल के तौर पर मैं कहना चाहती हूं कि हम सब को हरिजनों के लिए हमदर्दी है और इनके लिए कुछ न कुछ होना चाहिएं 70 लाख रूप्या उनके लिए और बढ़या जो एक मुबारिक कदम है। लेकिन मैं जिम्मेदारी से कहती हूं कि कर्मचारियों को आज तक पता नहीं कि यह पैसा किस तरह से खर्च करना है, किस तरह की कारपोरेशन बनाा चाहते है और किस तरह कि सुसाइटीज बनानी है। कोई इन्सट्रक्शन इस बारे मैं उन्हें नहीं गई है। सिर्फ चीप पापुलेरेटी

गेन करने के लिए कह दिया कि हरिजनों के लिए यह कर दिया वह कर दिया। अगर इन गरीब लोगों को उठाना है तो सारी स्कीमें यहां हाउस में बताएं। मैने एक सवाल भी पूछा लेकिन यह कह कर टाल दिया कि आपको मालूम ही है वे स्कीमें। इस तरह से इनफार्मेशन नहीं दी जाती। हम जनता को बताना चाहते है कि कितना पैसा रख कितना खर्च करना है और क्या क्या स्कीमें है। इकोनामी की बातें की जाती है लेकिन वजीरों को इतना बड़ी फौज खड़ी कर रखी है। मै ईमानदारी से कहना चाहती हूं कि यह अन्याय है जनता की कमाई के साथ । इन्होनें कहा कि हम तनखाह नहीं लेते हे लेकिन तीन वजीर है जो तनखाह नहीं लेते बाकी डेढ़ हजार महीना लेते है। पिछले मिनिस्टरों ने तो 500 रूपए की कटौती की और तन्खाह सिर्फ हजार रूपए ली  लेकिन यह पूरा डेढ हजार लेते है।  प्रताप सिंह मिनिस्ट्री बनी थी तो उन्होने कह दिया था कि कोठियों न ला फलैट्स  लो लेकिन इनहोनें कोठियां लेनी शुरू कर दी निका 500 रूपए किराया देते है फर्नीचर, फ्रिज, कालीन  वगैरा अलक है जिस पर लाखों रूपया सरकार का लग रहा है। (शोर) आप फलैट्स में रह सकते थे इतना खर्च करने की क्या जरूरत थी। छः छः सौ स्पया टी.ए. का बन रहा है फिर कहते है तन्खाह नहीं लेते। फिर, डिप्टी स्पीकर साहिब, अभी और ऐक्सपैशन हो रही है। पहले क्या मिनिस्ट्री कम है?  वित्त मंत्री सोच लें जो इकानोमी की बातें करते हे सोच लें कि क्या यह इकानोमी हो रही है? आप लाखों रूपया जनता का लुटा रहे है वह आपकी माफ नहीं करेगी।

जौ टैक्स लगाए गए है उनके बारे में काफी चर्चा हुआ। खैर जब भी कोई नया टैक्स लगाता है आवाज उठती है। किसानों वाला तो इन्होनें वापस ले लिया। लेकिन इसके अलावा इन्होने कहा है कि कुरूक्षेत्र यूनिर्वसिटी को फीड करने के लिए प्राप्रटी टैक्स डेढ़ा करना है। तीन महने पहले जो उहोने स्पीच दी थी उस में उन्होनें कहा था कि प्रापर्टी टैक्स और हाऊस अैक्स को अमैलगामेट करना है लेकिन वह बात तो भूल गए अब बढ़ाने की बात कर दी। फिर पैंसेंजर टैक्स बढ़ा दिया और रोजन यह दिया कि अप्रेटर्ज को अनअर्नड इनकम बढ़  जाएगी इस लिए उसमें हिस्सा लेना है लेकिन मैं इन से पूछती हूं कि उसको पेमेंट तो गरीब सफर करने वाली जनता ने करनी है अप्रेटर ने तो नहीं करनी है। यह चीज तो कर दी लेकिन गुडज टैक्स की कोई बात नहीं करना चाहते शायद इस लिए कि वह लछमन सिंह जी और रामलाल जी को नाराजगी से डर गए।

**श्री राम लालः** मेरी कोई गुड्ज ट्रांस्पोर्ट नहीं है।

**श्रीमती ओम प्रभा जैनः** सरदार लछमन सिंह की तो है इसी लिए वह नहीं बढ़ाया गया। इन्होनें कहा है कि कुछ रियायतें दे दी है लेकिन वह तो पहले ही दी जा चुकी थीं। प्रोफैशनल टैक्स और लैंड रैवेन्यू के बारे में पहले ही फैसला हो चुका था आप कोई नई बात नहीं लाए है। डिप्टी स्पीकर साहिब, आपका नया सूबा बना है जिसकी निहायत खूबसूरत तस्वीर पिछले दिसम्बर में गवर्नर ने अपने ऐड्रैस में हरियाणा के लोगों के सामने रखी थी

· लेकिन अफसोस है कि उसे बनाने के लिए जो ऐफींशेसी और इकानोमी सरकार को करनी चाहिए था नहीं की गई। नया सूबा बनाने के लिए जरूरी है कि अन्प्राडक्टिव बातों को जरा पीछे करके एग्रीकलचर और इन्डस्ट्री की तरफ खास तौर पर ध्यान दें। अगर स्कूलों को अपग्रेडिंग कुछ समय के लिए रोक दें और डिसपैंसरीज की बात जरा ठहर कर कर लें तो कोई मुशिकलात नहीं आएगी पब्लिक प्रैशर भी इस वक्त आप पर नहीं है। आप पहले लोगों को पानी दें, बिजली टयूबैल्ज के लिए दें जिनके लिए लोग मारे मारे फिर रहे है। एक एक कुनैक्शन के लिए लोगों को नीचे से लेकर उपर तक दो दो हजार रूपए खर्च करने पड़ते है लेकिन कोई पूछने वाला नहीं। मुझे खुशी है जो वजीर साहिब ने कहा कि वह इस बोर्ड की कार्यवाही देखना चाहते है। इनकी उस तरफ देखना चाहिए ताकि जो कुरप्शन है वह दूर हो, लोगों को बिजली टाईम पर मिल जाए। फाक्वेंट ब्रेकडाउन भी न हों और लोगों की फसलों को पानी मिल जाए स्कूलों, सड़कों और डिस्पैन्सरियों की तरफ बाद में देख लें। सब से पहले देश की खाद्‌य समस्या की तरफ देखे। आज हम अमरीका से गंदम लेते है। लेकिन जो मिडल ईस्ट की लडाई से हालात हो रहे है उन से शक है कि गंदम की सपलाई चलती भी रहेगी या नहीं। इस लिए आज देश की सबसे बड़ी जरूरत यह है कि ज्यादा से ज्यादा अनाज पैदा किया जाए और उसके लिए साधन जुटाएं जाएं। इसी सिलसिले में मैं एक बात फैमिली प्लानिंग के बारे में कहना चाहती हूं। इस मामाला में ठीक है हम खुद भी गिली हो सकते है। और

यह मामला ऐसा है कि हम इस बारे ज्यादा बात करते शर्माते है क्योंकि सोशल कस्टमज ऐसी है। लेकिन मैं बड़ा सीरियसली कहना चहाती हूं कि अगर हम अनाज की समस्या हल करने के लिए फैमिली प्लैंनिंग की तरफ तवज्जों नहीं देंगे गांव गांव में जाकर चौपाल में बैठ कर लोगों को एजुकेट करेंगे और............

**मुख्य संसद सचिवः** आपने खुद कितनी फैमिली प्लैंनिग की है?

(शोर, हंसी)

**Shrimati Om Prabha Jain:** I may be guilty of it, but this problem cannot be ignored. I am saying that Agriculture, Industries and Family Planning should be given top priority in all budgeting and planning.

मैं अर्ज करना चाहती हूं कि यह बड़ा नाजूक सबजैकअ है खास तौर पर जब कि कोई लेडी बोल रही हो तो हम बातें सुप्रैस करते है लेकिन जो वाक्यात है उन से आंखे बन्द कर लेने से तो मसले हल नहीं होते। आज देश में भारी अन्न संकअ है और किस तरह आज आबादी बढ़ रहीं है उसे न रोका गया तो यह संकट और भी सीरियस टर्न लेगा। आज लोगों को अनाज,चीनी,सीमेंट और दूसरी जरूरी चीजें हीं मिल रहीं हे। इस लिए इस पापूलेशन एकसप्लोजन को रोकना होगा.........

**एक आवाजः** फिर दो दो बच्चे क्यों पैदा करती हो? .......(शोर).....

**श्रीमती ओम प्रभा जैनः** मुझे मालमू था कि आप यह बात कहेंगे। मैं इस लिए बड़ी गंभीरता के साथ इस बात को कह रही थीं

डिप्टी स्पीकर साहिब, मैं यह बात कह रही थी कि सरकार को माइनयोरिटी की तरफ जो बार्डर पर रहती है ध्यान देना चाहिए। (विघ्न)

**Mr. Deputy Speaker:** No. Interruption please.

**श्रीमती ओम प्रभा जैनः** तो उपाध्यक्ष महोदय, मैं अर्ज कर रही थी कि बार्डर पर रहने वाले जो माइन्येरिटी के लोग है चाहे वे सिरसा तहसील के है चाहे किसी और जगह के है उनकी तरफ सरकार को ध्यान देना चाहिए। अभी तक मुझे यह कहा जाता रहा है कि मैं प्रो–कल्चर बात करती हूं लेकिन अभी प्रताप सिंह जी कहा कि हमें बहूत अच्छे आफिसरज पंजाबी और रिफयूजी है हमें उनसे सन्तुष्ट होना चाहिए।

**चौधरी प्रताप सिंहः** आन ए प्वाइंट आफ परसनल एक्सप्लेनेशन, सर। मैने तो यह कहा कि जा रफयूजी हरियाणा में सैटल हो चुके है वे सौ फीसदी हरियाण्वी है। इन्होने गल्त सुना है।

**श्रीमती ओमप्रभा जैनः** डिप्टी स्पीकर साहिब, इन्होने यही कहा था कि पंजाब की डोमिसाइल के जा आफिसर्ज है उनको वापिस भेज देना चाहिए। मैं तो इसमें इतना ही अर्ज करना चाहती

हूं कि जो भी औफिसरज आपकी स्टेट को अलाट हुए है हमें उनकी हिम्मत नहीं तोड़नी चाहिए।

**श्री उपाध्यक्षः** श्रीमती ओम प्रभा जी, आप का टाइम हो गया है।

**श्रीमती ओम प्रभा जैनः** जरा थोड़ा सा और टाईम दे दीजिए, बार बार इनट्रप्शन हो रही है। अब मै इन्डस्ट्रीज के बारे में कुछ अर्ज करना चाहूंगी। आपने शायद देखा होगा कि परसों ट्रिब्यून में एक आर्टिकल आया था। इसमें लिखा था कि फरीदाबाद में इण्डस्ट्रियलिस्ट कायस महसूस कर रहे है। क्योंकि उनके साथ इम्पार्शियल ट्रीटमेंट नहीं हो रहा है। मैं सरकार से कहूंगी कि वे इंडस्ट्रियलिस्ट के इस इम्प्रैशन को दूर करें और उनके अन्दर एक कनफिडैन्स रैसटोर करें। आज यदि आपके यहां इन्डस्ट्री लगाने कोई लुधियाना से आना चाहता है कोई अमृतसर से आना चाहता है या कोई बम्बई से आना चाहता है तो हमें चाहिए कि हम उन्हे इनवाइट करें और उनको सारी फैसिलीटीज दें आखिर आपकी स्टेट डवैल्प होनी है। यह माना कि यहां के लोग ज्यादातर खेती करते है लेकिन मैं सुजैंस्ट करती हूं कि एग्रीकल्चर के साथ साथ इन्डस्ट्री को भी हमें डवैल्प करना चाहिए। इसे इगनोर करने से काम ही चलने का क्योंकि आपको डिवैल्पमेंट इण्डस्ट्री पर निर्भर हैं। मै चाहती हूं कि सरकार को ऐसे कदम उठाने चाहिएं जिससे कि लोगों के मन से यह बात निकल जाए कि यह सरकार एंटी इण्डस्ट्रियल और एंटी ट्रैडर है।

**वित्त मंत्रीः** इसी बहाने आप पहले रूपया इकट्ठा करती रही।

**श्रीमती ओम प्रभ जैनः** मैने रूपया इकट्ठा किया?

**वित्त मंत्रीः** आपसे मतलब आपकी पार्टी से । (विघ्न)........

**श्रीमती ओम प्रभा जैनः** डिप्टी स्पीकर साहिब, अब मैं सरकार का ध्यान गुहला सब तहसील के एक बड़े अहम मसले की और दिलाना चाहती हूं। वहां लोगों को लीज पर जमीने दी गई थी। लेकिन अभी वह लीज का पीरियड एक्सपायर भी नहीं हो पाया कि उन लोगों को भी लिखी थी लेकिन उस पर कोई एक्शन नहीं लिया गया। लोग बड़े बैचेन बैठे है। वे हमारी स्टेट के ही लोग है। उनको पूरा हक मिलना चाहिए। अगर डिप्टी कमिश्नर ने कोई गल्त आर्डर कर दिए है तो गवर्नमेंट को उन्हे डयुली कम्पैनसेट करना चाहिए।

डिप्टी स्पीकर साहिब, मैं आपसे यह भी कहना चाहती हूं कि बार्डर एरियाज में कुछ एडमिनिस्ट्रेटिव प्रोबलम्ज की वजह से बड़ी दिक्कतें है। (शोर)

**श्री उपाध्यक्षः** नो इनट्रप्पशन प्लीज।

**श्रीमती ओम प्रभा जैनः** हमारे कुछ इलाके ऐसे है जो पंजाब के साथ लगते है और कई जगह तो ऐसा है कि बीच में

पंजाब है और इधर उधर हरियाणा है। पंजाब वालों ने अपने एरिया में बैरियर्ज लगाए हुए हे। लोगों का अनाज वे मंडियों तक आने नहीं देते और गांव में वह पड़ा है। इसलिए मैं बड़े अदब के साथ कहना चाहती हूं कि सरकार को पंजाब वालों से बातचीत करनी चाहिए ताकि लोग अपना अनाज मंडियों में ला सकें वरना आगे बरसात आ रही है और वह अनाज गांव में पड़ा खराब हो जाएगा।

**श्रीमती ओम प्रभा जैनः** फिर तो अच्छी बात है। परन्तु अभी तक कोई इन्जाम नहीं था इसलिए मुझे यह बात कहनी पड़ी। फिर, डिप्टी स्पीकर साहिब, मैं सरकार का ध्यान चिल्ला मंडी की प्रपोजल की तरफ दिलाना चाहती हूं। इसकी तरफ सरकार को जल्दी ध्यान देना चाहिए क्योंकि रीआर्गेनाइजेशन से बड़ी अदब के साथ कहना चाहती हूं कि अगर हरियाणा के बजट में जो डैफिसिट है उसको मीट करना है तो आपको एडमिनिस्ट्रेशन ने अटमोस्ट इकानोमी करनी होगी, इसे एफिसिएंट बनाना होगा। आपके पास कंटरी एंड टाऊन प्लानिंग के अन्दर बड़ा स्कोप हे। आप देहली के पास के जो एरियाज है उनको डिवैल्प करें तो लाखों और करोड़ो की आमदनी आपको हो सकती हैं लेकिन यदि आप यह तजवीज करें कि एडमिनिस्ट्रेशन में यदि इकानोमी करनी है तो स्टाफ में रीट्रेन्चमैंट करनी पड़ेगी तो यह बहूत ही अनहयूमन बात होगी। इस महंगाई के समय में किसी को बेरोजगार करना बहूत ही गैर इंसाफी है। आपके जो डिवीजनल आफिसर्ज बने हुए

हे इसमें आप कुछ कमी कर सकते है क्योंकि पहले ते ये लिंक स्थापित करे के लिए थे परन्तु अब यूंकि हमारी एक छोटी सी स्टेट है इसलिए इसमें कुछ कमी की जा सकती है। फिर, जैसा मैंने पहले अर्ज किया इन्डस्ट्रीज की तरफ हमें ध्यान देना होगा। अभी तक इन्डस्ट्रीज की बात फरीदाबाद तक ही रह जाती है। बहादुरगढ़ और दिल्ली के आस पास इनके डिवैल्प होने का बड़ा स्कोप है। यह डिवैल्पमेंट तभी हो सकती है यदि इन्डस्ट्रियलिस्टस को सब फैसिल्टीज मुहैया की जाए।

अभी बहादूरगढ़ से शिकायतें आती है कि बिजली नहीं मिलता, पानी नहीं मिलता इसके लिए मैं सुजैस्ट करना चाहता हूं कि इसके बारे में कोई सर्वे कराया जाए और खास करके आफिसर्ज को डिप्यूट किया जाए जो जगह जगह जाकर देखें कि पानीपत के लोगों को क्या दिक्कतें हे, उनकों कैसे दूर किया जा सकता है, स्माल स्केल इन्डस्ट्रीज की क्या पोजीशन है। यदि ऐसा होगा तब तो कुछ हो जाएगा, वरना बड़ा मुश्किल है ऐसा नहीं कि खादी और विलेज इन्डस्ट्रीज पर काफी जोर देना पड़ेगा और किसी न किसी आफिसर को जिम्मेवारी इस मामले में फिक्स करनी पड़ेगी।

डिप्टी स्पीकर साहिब, मैं आपसे कहना चाहती हूं कि आज हमारा हरियाणा एक नया प्रान्त बना है जहां पर लोगों को नई नई उम्मीदें है उनकी नई नई भावनाएं है, उनकों मद्देनजर रखते हुए इस सरकार को काम करना चाहिए था। लेकिन यहां तो

कदम कदम पर जो हरयिाणा की जनता को रिप्रेजेंट करने वाले है वे बहादुरगढ़ के इलैक्शन की बात करते हे। मैं समझती हूं कि बहादूरढ़ का उप–चुनाव का ऐसा चुनाव है जो संयुक्त दल की सरकार के कारनामों कको जीती–जागती तस्वीरें है। जनाब डिप्टी स्पीकर साहिब, वहां पर वह बुरे तरीके से हरिजन को औप्रैस करके उन से वोट डलवाए गए या कांगेस को वोट नहीं डालने दिए गए।

**श्री उपाध्यक्षः** आप इलैक्शन के बारे में इलैक्शन पैटीशन करें।

**श्रीमती ओम प्रभा जैनः** जनाब, डिप्टी स्पीकर साहिब, मुझे इलैकशन के बारे में इस लिए कहना पड़ता है कि वहां पर हमारे डैमोक्रेटिक राइटस की इन्फ्रिजमेंट हुई है।

**श्री उपाध्यक्षः** आप इलैक्शन का जिक्र छोड़े।

**श्रीमती ओम प्रभा जैनः** हमारे चीफ मिनिस्टर साहिब ने कहा है कि उन्होने बाहर अनाज जाने की पाबन्दी लगाई है और जो बन्द कर दिया, लेकिन यह बात गल्त है। इसके बाद मैं यह कना चाहती हूं कि रोहतक का जो सिविल हास्पिटल है, उसकी मैडिकल कालेज केसाथि अटैच कर दिया जाए। जनाब, बहूत सी बातें है जिन्हे मैं कहना चाहती हूं लेकिन समय की कमी के कारण अपनी स्पीच यह बात कहकर खत्म करती हूं कि सरकार के जरिए लोंगो पर दहशत हो रहा हैं पिपली के अन्दर लोगों की बनी

बनाई दुकानों को गिरा दिया गयां इस तरीके से नरवाना और जींद के अन्दर जहां पर कि कांग्रेस के रिप्रेजेंटेटिब्ज हैं। वहां पर इस सरकार के जरिए बड़ा भारी अन्याय हो रहा है और दहशत फैल रही है। मै सरकार को यह वार्निंग देना चाहती हूं कि या तो अपने इस रवैये को बदलें वरना यह अन्याय अधिक देर तक नहीं चल सकता।

(श्रीमती प्रसन्नी देवी बोलने के लिए खड़ी हूई और साथ में बहुत सारे मेम्बर्ज ने भी टाइम मांगने की कोशिश की।)

**श्रीमती प्रसन्नी देवी (इन्दरी):** डिप्टी स्पीकर साहिब, हमारी पार्टी में कुछ बहिनें भी है इसलिए उन बहिनों का भी ख्याल किया जाए क्योंकि लेडीज का ख्याल तो पहले करना ही चाहिए।

**मुख्य संसद् सचिवः** डिप्टी स्पीकर साहिब, जैसे पुराने जमाने में मुसलमान लोग लड़ते वक्त गऊओं को आगे रखकर के लड़ाई करते थे वैसे ही कांग्रेस पार्टी के लोग औरतों को आगे करके काम चला रहें है।

**श्रीमती प्रसन्नी देवीः** आप पार्लियामेंट्री सैक्रहै जरा इज्जत से बोला करो और उस कुर्सी की मर्यादा रखो। यह सदन है, कोई डांस घर नहीं डिप्टी स्पीकर साहिब, इसके बाद मैं अपनी स्पीच शुरू करती हूं (विघ्न)

इस समय सदन के सामने चालू वर्ष का बजट प्रस्तुत हुआ है उसको देखने से मालूम होता है कि यह ध्यान नहीं दिया गया कि हरियाणा की जनता कितनी पिछड़ी हुई है। ठीक है, किसान पर लगाए गए टैक्सों को वापिस ले किया और यह इस लिए लिया क्योंकि अगर टैक्स लगा रहता तो वजीरों का गांवो में घुसना मुशिकल हो जाता । हमारे यहां सब से ज्यादा समस्या अनाज की है और उसकी कमी के कारण किसान अपना स्टैंडर्ड नहीं बना सकता। जहां तक उसको हालत को उठाने का सम्बन्ध है मै नहीं कहती कि अनाज की कीमतों को बढ़ा कर उसकी अनाज की पैदावार में वृद्वि हो सकती है और उसके स्टैंडर्ड में भी फर्क पड़ सकता है। और फिर उसके बाद चाहे अनाज की कीमत भी कम हो जाये।

खेती के लिए पानी की जरूरत है इसलिए जिस इलाके में मीठा पानी है वहां पर टयूबवैल्ज के लिए ग्रांट दी जाए और बिजली के कुनैक्शन्ज भी दे दिए जाएं। मेरा इलाका खादर का इलाका है वहां पर टयूबवैल्ज लगे है पर वह अपनी जरूरत के लिए पूरा पानी नहीं दे सकते। अगर उनकी बिजली नहीं दी जाती तो मैं समझती हूं कि किसान की भलाई का नारा लगाना महज एक ढोंग है। जहां पर नहर के पानी की जरूरत है लोग मारे मारे फिरते रहते लेकिन उन्हें पानी नहीं मिलता। इसकी तरफ सहूलियात देने के लिए कदम उठांए जाएं।

सड़कों के लिए जो गांवो को 25 फीसदी हिस्सा जमा कराने की शर्त लगाई गई है यह नहीं होनी चाहिए। और जहां कहीं भी लिंक रोड्ज बन सकती है वहां पर जल्दी से जल्दी बनानो के लिए कोशिश की जानी चाहिए।

मैं एजुकेशन के बारे में भी सरकार का ध्यान दिलाना चाहती हूं। कहीं कहीं पर स्कूलों को खोलते वक्त इतना जोर दिया गया है कि एक एक गांव में दो दो स्कूल कर दिए गए लेकिन मेरे हलके में और कई और हलकों में ऐसे गांव है जहां कि दूर दूर तक कोई स्कूल और हाई स्कूल नहीं है। इससे इन की एजुकेशन की नीति का भण्डा–फोड़ होता है। कि इन्होनें हरियाणे को शिक्षित करने के लिए सौतेली मां का सलूक करके कदम उठाए हैं। कांग्रेस सरकार ने स्कलों और सड़कों का जाल बिछाया था .... (विघ्न..... मैने पहले भी कहा था कि बीच में इंट्रप्ट न करो जरा ठीक से बोलो आपको शर्म आनी चाहिए। जो इलाका पिछड़ा हुआ है आज सरकार का कर्त्तव्य बनता है कि उसकी तरफ आप ध्यान दे और यह बात बार बार न दोहरांए कि चूंकि कांग्रेस ने किसी इलाके को पिछड़ा हुआ रखें ऐसी नीति न अपनाएं।

लेकिन यह नहीं कि कांग्रेस ने कोई गलती की ही तो आप भी उस को दोहराएं। इस लिए मैं निवेदन करूंगी कि आप कोई कमिशन या कमेटी मुकर्रर करें जो यह देखे कि हरियाणा में कौन कौन से इलाके तालीम के लिहाज से, इन्डस्ट्री के लिहाज से, सड़कों तथा बिजली के लिहाज से ज्यादा से ज्यादा पिछड़े हुए

है। और फिर सरकार उन इलाकों की तरफ ज्यादा ध्यान दे तभी डैमोक्रेसी की सही मायनों में तरक्की हो सकती है।

यमुना के पास का जो धनौरा ड्रेन और इन्द्री ड्रेन के पास का जो इलाका है वह साल में 6 महीने पानी में डूबा रहता हे। एक तरफ यमुना की मार है दूसरी तरफ उन ड्रेनों की मार है नदियों पर कोई पुल नहीं है। बच्चों को 7/7 , 8/8 मील पानी में चल कर स्कूलों में जाना पड़ता है। कइ जगहों पर लोगों ने 15/15 हजार रूपए पुलों के लिए दिए हुए है लकिन सरकार वहांपर पुल नहीं बनवा रहीं है। इस में भी यह नजरिया सामने रखा जाता है कि चूंकि फलां पार्टी के एम.एल.ए. का इलाका है इस लिए वहां पर पुल न बांधा जाए। किसी एम.एल.ए. के साथ आप के बेशक डिफरेंसिज हों लेकिन लोक भलाई के कामों में आप का हृदय विशाल होना चाहिएं

हरियाणा में जितने लोगों पर टैक्स लगाए है उन की बजाय आप और तरीकों से भी काम चला सकते थे। इताना छोआ सूबा है इस में पांच मिनिसटर काम चला सकते थे इतनी बड़ी बरात की जरूरत नहीं थी। एक तरफ तो आप चिल्ला रहे है कि सरकारी मुलाजमों को डी.ए. देने के लिए हमारे पास पैसे नहीं है लेकिन दूसरी तरफ मिनिस्टरों की फौज बनाए बैठे है। आप दो मिनिस्टर कम कर दे ंतो सर्विसिज का भला हो सकता है। लेकिन आप को तो हर समय अपनी सरकार को बचाने का फिक्र लगा रहता है। अगर आए दिन मिनिस्टर बढ़ा बढ़ा कर जब धमकी मिली

4/6 मिनिस्टर बढ़ा दिए, इस तरीके से काम चलाना हो तो हरियाणा की तरक्की नहीं हो सकती। हरियाणे की जनता के दिल में खुशी थी कि हरियाणा बना है हम तरक्की करेंगें लेकिन मुझे अफसोस से कहना पड़ता है कि हम बजाए तरक्की करने के पीछे जा रहे है। टैक्स जो बढ़ाए गए है उस का असर सीधा गरीब किसान और गरी जनता पर पड़ता है। छोटे छोटे उद्योग धन्धों के लिए सरकार ने लोन्ज लेने का प्रोवीजन तो रखा हुआ है। लेकिन लोग मारे मारे फिरते हैं मिलता किसी को नहीं। तहसीलदार कहता हे मैं अटैस्ट करने का जिम्मेवार नहीं हूं और रजिस्ट्रार कोई है ही नहीं लोग बेचारे मारे मारे फिरते है।उन की तरफ सरकार का कोई ध्यान नहीं। मैं सरकार से प्रार्थना करूंगी कि वह इन चीजों की तरफ ध्यान दे ताकि हरियाणे के जो पिछड़े हुए लोग है वह ऊपर उठ सकें। इस के इलावा मै सरकार से निवेदन करूंगी कि टैक्सों में कमी की जाए और अनाज की कमी को अगर आपने दूर करना है तो बजट का बहूत बड़ा हिस्सा किसानो की सहूलतों के लिए खर्च किया जाए। लेकिन यहां पर होता यह है कि जो बड़ी इन्कम वाले आदमी है उनका फायदा हो जाता है और जो छोटी इन्कम के है वह बेचारे पिसते रहते है। इस लिए आप मिनिस्टर बढ़ाने का ख्याल छोड़ दे हरियाणे के लोगों को ऊपर उठाने की तरफ ध्यान दें उस में हम भी आप का साथ देंगे। हर अच्छी बात में हम आप के साथ है। आप को प्रेक्टिकल काम करना चाहिए। महज कागजी कार्यवाही करने से सूबे की तरक्की

नहीं हो सकती। बस इतना कह कर मैं आप का धन्यावाद करती हूं।

**श्री रामधारी बाल्मीकीः** डिप्टी स्पीकर साहिब, आप ने फैसला किया था कि जो मेम्बर नहीं बोल सके उन को टाईम दिया जाएगा। लेकिन इस तरफ से हरिजन कोई भी नहीं बोला।

**श्री उपाध्यक्षः** आप बोलिए आपोजिशन को दुगना टाईम दिया जा रहा है। अब सरदार लछमन सिंह जी बोले।

**श्री लछमन सिंह ( परिवहन मंत्री)** डिपटीर स्पीकर साहिब, किसी सूबे के लोगो की तरक्की का इनहसार इस चीज पर मुनस्सर है कि वहां के लोगों को पहने के लिए कपड़ा, पीने के लिए साफ पानी और खाने के लिए अच्छी खुराक मुयस्सर हो।

**श्री निहाल सिंहः** रहने के लिए मकान नहीं चाहिए क्या?

**परिवहन मंत्रीः** मकान तो जरूरी है बहूत सारी जिंदगी की जरूरियात मुयस्सर होनी चाहिए, डिप्टी स्पीकर साहिब, जैसे कि साफ जाहिर है इस चीज का सबूत लीडरों के नारों, सरकार की तकरीरों यह जो बड़े बड़े महानुभावों के गलत प्रोपगन्ड़ा से नहीं पता चलता बल्कि वह देखने के लिए सिर्फ एक ही चीज है जिस से पता चलता है और वह है बजट। बजट इस चीज का निचोड़ है जिस से हम यह देख सकते है कि सूबे के लोगों की हालत क्या है? उन की रोजमर्रा जिन्दगी किस दौर से गुजर रही है। अगर आप मेरी गुसताखी मुआफ करें तो मैं कांग्रेसी भाइयों से

निवेदन करूं कि संयुक्त दल की सरकार को बने अभी तीन महीने भी नहीं हुए है (विघ्न)

**आवाजें:** संकट दल कहें।

**परिवहन मंत्री:** डैमोक्रेसी में बरदाशत का मादा होना चाहिए। आज यह कांग्रेसी भाई जो आपोजीशन की बैचों पर बैठे है इनके दिल में हरियाणें के रहने वाले लोगों का दूख दर्द नहीं है। इन की बीस साला हकूमत की हिस्ट्री के आप वर्के उलट कर देखें कि इन्होनें अब तक क्या कारनामें किए है। सिवाए लोगों को साल दर साल पसमांदा और गरीब बनाने के और कुछ नहीं किया। अपने गिरेबान में मुंह डाल कर नहीं देखते और आज इस संयुक्त दल की दो महीने की बनी सरकार पर इलजाम लगाते है कि इस ने भूखमरी और बेकारी फैला दी है। मैं इन से पूछना चहाता हूं कि क्या दो महीनों में ऐसे हालात पैदा हो सकते है? कोई भी सूझ बूझ वाला आदमी इन से इतफाक नहीं रख सकता। दरअसल बात सीधी है बीस साल हकूमत के दरमियान अन की जबान बन्द रही क्यों कि इनके उपर डन्डा था उपर से हुक्म आता था और यह हाथ खड़े कर देते थे, इन की जुर्रत नहीं थी बोलने की।

डिप्टी स्पीकर साहिब, कल हमारे दल के दो तीन मेम्बरों ने हाउस में कहा कि जो आबयाना लगाया गया है यह हमारे हित में नहीं है। इससे किसानों पर बहूत भारी बोझ पड़ेगा। सरकार ने इस को फौरन रीचलाइज किया कि यह हमसे गलती

हुई और किसानो की मुशिकलात को देखते हुए आबयाना में बढ़ोतरी का ख्याल छोड़ दिया है।

डिप्टी स्पीकर साहिब, मैं कहना चाहता हूं कि कल कई मेम्बरों ने बयान दिया कि यह सरकार बदनाम है–अनपापुलर है और इसका बजट अनपापुलर बजट है। जब हरियाणा की सरकार बनी उस वक्त लोग कहा करते थे कि हम प्यासे रहेंगे हम भूखे रहेंगे लेकिन इस भगवत दयाल की सरकार को बर्दाशत नहीं करेंगे। लोग इसे बदलने पर उतावले थें आाखिर में हरियाणा की यह नई सरकार बनी और लोगो को कुछ राहत मिली। उन दिनों हरियाणा के अवाम के अन्दर कांग्रेस के खिलाफ इतना अटैन्शन था कि मैं ब्यान नहीं कर सकता । आप यहां से अन्दाजा लगांए कि कौन सी सरकार अनपापुलर है। डिप्टी स्पीकर साहिब, नई सरकार पर यह इल्जाम लगाया कि सरकारा चन्द दिनों की है। लेकिन मैं पुरजोर शब्दों से कहता हूं कि अगर उन में ताकत है तो बोटिंग करायों आपोजिशन के लीडर को तो आज भी बुखार चढ़ गया है, वह आज भी हाउस में नहीं है। इन्होने अपना इमान–धर्म सब नष्ट कर दिया है और इतनी बेईमानी.............. (शोर)

**चौधरी रिजक रामः** डिप्टी स्पीकर साहिब, ये बहुत ज्यादा सख्त लफज इ स्तेमाल कर रहे है। जो इन्होनें धर्म–इमानल की बात कहीं है यह विदड्रा करें। ऐसी बातें कहने से काई ज्यादा

डिग्निटी नहीं है। आज से दो –अढाई महीने ये कांग्रेस में ही थें इस तरह से पल्टा खाना अच्छी बात नहीं है।

**श्री उपाध्यक्षः** आप यह लफज विदड्रा करें।

**परिवहन मंत्रीः** अच्छा मैं विदड्रा करता हूं। डिप्टी स्पीकर साहिब टैक्स लगााने के बारे में सब से ज्यादा लीड जमींदारो के हक में हुई है। यह कहा गया कि सरकार जिमींदारों के इन्ट्रैस्ट को रिप्रेजेंट नहीं करती। ऐसी बात नहीं है। सरकार ने पलान डिवैल्पमेंट के लिए बीस करोड़ रूप्या पावर और इरीगेशन के लिए रखा है। यह थोड़ नहीं बहुत भारी रकम है। इस से हरियाणा की जनता को एग्रीकल्चर की प्रोडक्शन बढ़ाने के लिए बहुत मदद मिलेगी। यह इतनी बड़ी रकम किसान की बेहतरी के लिए ही तो सरकार ने रखी है। ऐसी बात नहीं हमें किसानों का पूरा पूरा ध्यान है।

छूसरी बात मैं ऐजुकेशन के बारे में कहना चाहता हूं। यहां पर कहा गया कि इतने स्कूल खोल दिये गए है। जोकि तीन चार साल में खोलने चाहिए थे। डिप्टी स्पीकर साहिब न जाने तीन चार साल में हरियाणा प्रान्त की क्या शक्ल होगी। मैं समझता हूं आज से बहुत मुख्तलिफ होगी। हमें अपना फ्यूचर बहुत अच्छा नजर आता है। हमने कई रिसोर्सिज ढूंढ लिए है और हमें बड़ी तेजी के साथ आगे बढ़ना है ंइससे पहले कांग्रेस हकूमत लोगों को अन्धेरे में रखती रही और अब भी रखना चाहती है। लोगों में

जब सूझ़—बूझ आ जाएगी अच्छी तालीम हासिल कर लेंगे तब वे अपने आप जान लेंगें कि वोट किस को देना है। कांग्रेस कीयह हमेशा ही नीचत रही हे कि जनता को भूखा मारा जाए और बड़ी बड़ी रूकावटें पैदा की लेकिन हम जनता की मुसीबतों को अपनी मुसीबतें समझेंगे और अधिक से अधिक फैसिलिटीज देने की कोशिश करेंगें इसके लिए मे। फिनांस मिनिस्टर साहिब को बधाई देता हूं क्योंकि बजट बहूत अच्छा है।

इसके अलावा स्कूलों के अपग्रेडिंग के मुताल्लिक कई भाईयों को गिला हैं लेकिन मेरे ख्याल में वह बेजा है। अगर सरकार गलत रास्तें पर चल रहीं हे तो लोगों से जा कर कहें की सरकार सहीं काम नहीं कर रही अगर उनको मेरी जरूरत पड़े तो में हाजिर हूं। स्कूलों को अपग्रेड किया अच्छा ही किया और जनता की भलाई के लिए किया, यह जाकर जनता से पूछ सकतें है। एक बात और यह है जो चौधरी रिजक राम ने टैक्स लगाने के बारे में सुझाव दिए। उन्होनें एजुकेषन के बारे में कई बातें कहीं। हो सकता है उन्होने अपनी विचारधारा के अनुसार ठीक सोचा ही लेकिन गरीब किसान और गरीब हरिजन को हमनें जरूर पढ़ाना है और उसके लिए फीस नहीं लगेगी। हरियाणा प्रान्त में गरीब लोग है अमीर बहूत कम हे।

इसके अलावा इरीगेशन के मुताल्लिक टयूबवैल्ज के लिए जो रूपया रखा गया है मैं समझता हूं िकवह काफी नहीं है। और ज्यादा रूपया होना चाहिए। इससे सरकार का काम नहीं चल

सकेगा। फिनांस मिनिस्टर साहिब चले गये मैं उन्हे कहना चहाता हूं कि जिस तरह से रूस ने बीच पच्चीस साल के लिए अपने सारे काम छोड दिए थे केवल एक ही काम की तरफ  ध्यान दिया और वह है एग्रीकल्चर। उन्होने बिलडिंग्ज बननी बन्द कर दी और यह सुझाव रखा कि हम बिल्डिंग्ज नहीं बनायेगे टैंटो में ही गुजार करैंगे मगर देश को अनाज की तरफ से आत्मनिर्भर बनाएंगे। अगर हम भी वह रूपया एग्रीकल्चर की तरक्की के लिए लगाएं तो हमारा देश भी आत्मनिभ्रर हो सकता है। लेकिन बड़े षर्म की बात है कि जिस देश में 80 प्रतिशत लोग जरायत का काम करते हों उस देश को अरीका और दूसरे देशों से अनाज मंगवाना पड़े? हमारे लिए यह बड़ी शर्म की बात है। जब तक हम पार्टीबाजी में पउ़े रहेकंगे तब तक खुराक का मसला हल नहीं होगा। आपोजीशन वालों को और ट्रेजरी बैंचिज वालों को अपनी जान की बाजी लगा देनी चाहिए ताकि प्रोडक्शन का मसला हल हो सके। अगर दूसरी तजबीजों को सरकार रोके जिनके बिना हमारा काम चल सकता हे तो देश की तरक्की होगी। डिप्टी स्पीकर साहिब, मैं आपके द्वारा यह निवेदन करना चाहता हूं कि जो इम्पोर्ट पालिसी है इसको देखें कि हमें कितना अनाज दूसरे मुल्कों से मंगवाना पड़ता हे। अगर 20 फीसदी इसमें सबसिडि कर दे ंतो बहूत फायदा हो सकता है।

बड़ी खुशी की बात है आबयाना जो बढ़ाने की तजवीज थी वह वापस ले ली गई है। लेकिन किसानों को पानी देने के

बारें में मै तो यहां तक कह देना चाहता हूं कि यदि अनाज की पैदावार बढ़ानी है तो यह सरकार की जिम्मेदारी है ि कवह किसानों को पानी फ्री स्पलाई करें चाहे वह ऐसा करने के लिए कोई भी सोस क्यों न उसे टैप करना पड़े। जब तक इस पानी के मसलें को नेशनल नहीं बनया जाएगा यह मसला हल नहीं होगा। खाद,बीज, और दूसरी चीजें बाद में आती है लेकिन पानी सबसे पहले आता हैं और इसके बगैर प्रोडक्शन नहीं बढ़ सकेती। मैं फिर यह बात कह देना चाहता हूं कि किसानों को पानी की स्पलाई सरकार की तरफ से फ्री होनी चाहिए, यह मुनाफा कमाने वाली चीजी नहीं है। अगर प्रोडक्शन बढ़ गइ तो कमाई अपने आप हो जाएगी क्योंकि हमारी अरबों रूपए की फौरन ऐक्सचेंज बच जाएगी जो हम अनाज बाहर से मंगाने पर खचै करते हें और फारन ऐक्सचेंज इन्डस्ट्री के लिए बहु चांस हमारे सूबे में हे। मगर हम यह बात अपने मन में से निकाल दें कि हम ने जलील करके किसी इन्डस्ट्रीएलिस्ट को यहां इन्डस्ट्री लगााने कलए लिए लाना है। ऐसे याहं कोई नहीं आएगा। मैंने देखा है  कि इन्डस्ट्री के मामलें में एक छोटी सी चीज को कम्पलीकेट कर दिया जाता है पता नहीं यह कैसे काम चलता रहा। अगर हम इस सारे सिस्टम को सिम्पलीफाई कर दें कि जो भी इंडस्ट्री लगाना चाहे वह लगाए, सरकार उसमें दखल नहीं देगी जैसा कि दूसरे   देशों में हे तो इस से सरकार की आमदनी बढ़ेगी और सूबे का भी भला होगा।  लोगों को  जब पता लगेगा कि उन्हें दफतरों के चक्कर नहीं काटने पड़ेगे तो उनमें इन्डस्ट्री के लगाने के लिए शौक पैदा

होगा। अगर हम यहीं सोचते हे कि यहां पंजाब, बंगाल और यू.पी. का इन्डस्ट्रीएलिस्ट न आए तो आप याद रखें कि हमारे लोकल रिसोर्सिज अभी इतने नहीं हैं कि खुद लगा लें और इस तरह हम इस अदारे मे पीछे रह जाऐंगे। इस लिए पहले जरूरी हे कि हम लोगों में शौक पैदा करें और बाहर के लोगों को डिसकरेज न करें।

ट्रांस्पोर्ट के बारे में अर्ज करता हूं ओर यह महकमा मेरे पास है। यह महकमा लेते ही मुझे दो काम करने पड़े।पहले मुझे वह गन्दा साफ करना पड़ा जो कांग्रसी भाईयों ने फैलाया था। ऐसी ऐसी निकम्मी गाड़ियां डाज वगैरा थी जो अभी भी हमें तंग कर रही है उनकी मैं ने काफी सफाई की। उसके बाद ट्रांसपोर्ट की डिवैल्पमेंट के लिए यह मुनासिब समझा कि अच्छी बसें मुखतलिफ रूटस पर चालू की गई हे और उनका किराया वहीं रहने दिया है, बढ़ाया नहीं है। इस के इलावा पांच महीने के अगर आप बजट प्रोपोजल देखें तो कांग्रेस के जमाने में ट्रांसपोर्ट का 22 लाख रूप्ए का मुनाफा है लेकिन जब से इस संयुक्त दल की सरकार ने चार्ज लिया है इन महीनों के अन्दर 20 लाख रूपए का मुनाफा हुआ है।

**चौधरी रिजक रामः** सरकार ने कुछ नहीं किया आप अच्छा काम कर रहें है।

**परिवहन मंत्रीः** मै मानता हूं कि इसमें अभी भी हेराफेरी है और इसमें काफी गुजांईश है आगे बढ़ाने की। चौधरी साहिब ने इसकी नेशनेलाईजेशन के बारे में कहा था लेकिन में अर्ज करता हूं कि यह बड़ा वाईटल ईशू है। आज हिन्दूस्तान की किसी स्टेट में यह पूरी तरह नेश्नेलाईज नहीं है। जहां तक कि वैस्ट बंगाल और केरला में भी जहां कम्यूनिस्ट सरकारें है उन्होने भी नहीं किया। हिमाचल प्रदेश वालों ने किया था और उस बारें में मैने डाक्टर परमार साहिब से बात की थी तो उनहेने कहा कि उनका तजूरबा फेल रहा है और उन्होने प्राईवेट अप्रेटर्ज को इनकरेज करना शुरू कर दिया है। हमें दूसरी स्टेटस से भी पता करना पड़ेगा जिसे किसी ने नेशनेलाईज किया होग कि उनका तजूरबा इस बारें में क्या है। यह बड़ा अहम सवाल है। इस बारे में जल्दी में कोई कदम उठाना खतरनाक साबित हो सकता है। फिर इस तें रिर्सोसिज का सवाल आएगा क्योंकि करोड़ो रूपया मुआवजा देना पड़ेगा तो इस बात पर हम ठंडे दिल से गौर करेंगे और ऐसा माहौल पैदा करेंगे कि सरकार की भी आमदनी बढ़े और लोगों को काम मिलें हम दोनो घर बसाना चाहते है एक घर उजाड़ कर दूसरा घर नहीं बसाना चाहते । कुरूक्षेत्र यूनिवर्सिटी के नाम पर जो टैक्स लगाया गयाा है। उस बारे में अर्ज करता हूं िकइस बात को देखें कि कुरूक्षेत्र की अहमीयत को देखें यह एक ही जगह हरियाणा में है जिस में हिन्दूस्तान की पुरानी संस्कृत को जिन्दा रख सकते है। यह सिर्फ एक साल की बात है और इस पर नाराज नहीं होना चाहिए। मैं समझता हूं कि हरियाणे के लोग बहादूर है

फयाज है वह इसे बरदाशत करेंगे। चौधरी साहिब ने फरमाया कि पेसंजर टैक्स 25 पैसे की बजाए 35 पैसे कर दिया है। शायद उस में उन्हें कुछ कनफयुजन हुई है और सारी बात को उन्होनें देखा नहीं है। इस का असर बहुत मामूली होगा। जो बस देहली से चंडीगढ़ आती जाती है उस में फी सवारी एक रूपया का या ढेड रूपया का फर्क पड़ेगा। इतने पैसों का तो आप रास्तें में सोड़ा – सिग्रेट जी जाते है। कोका कोला जी जाते है तो सरकार इस आड़े वक्त में मदद हो जाए तो कौन सी बुरी बात है.........।

**श्री लाल सिंहः** आन ए प्वायंट आफ आर्डर सर। मैं वजीर सहिब से पूछना चाहता हूं कि पिछली सरकार ने जो स्कूलों के बच्चों के लिए फ्री टांस्पोर्ट दी थी उसे क्यों खत्म कर दिया गया है। और बस स्टेंडो पर जो फ्री पानी पिलाने का इन्तजाम था उसे क्यों बन्द किया है?

**चौधरी रिजक रामः** मैं पूछना चाहता हूं कि पेसेंजर टैक्स अप्रेटर्ज कर कैसे पड़ेगा?

**परिवहन मंत्रीः** यह अप्रेटर पर नहीं पड़ेगा।

**चौधरी रिजक रामः** बजट स्पीच में तो यही लिखा है और मैं ने इस बारें में ही कहा था।

**परिवहन मंत्रीः** मैं हाऊस में कहना चाहता हूं कि हमारे पास इस बजट हमारे सामने पेश है और इस पर बोलते हुए कई दोस्तों ने कहा किइस में यह यह चीजें शामिल होनी चाहिएं थी।

चौधरी रिजक राम जी ने कहा ि कइस बजट में किसानों का ख्याल नहीं रखा गया। मैं चौधरी साािहिब से खास तौर पर कहना चाहता हूं कि जमींदार गैर जमींदार का जो नाहरा था वह कांगेस पाटर्भ का हुआ करता था जो ि कवह लोगों को डिवाइड करके वोट लेने के लिए लगाया करते थे। हमारे सामने जमींदार गैर–जमींदार का कोई सवाल नहीं है। सवाल इस बात का हे कि यह जट जो है इसते तो मैम्बर्ज सहिबान की तो इतनी राय ली जाती है कि आया यह बजट अच्छा है या इसतें कुछ कमी हे। अगर कोई कमी है तो वह कैसे पूरी की जा सकती हैं। श्रीमती ओमप्रभा जैन ने भी जो कि साबक फाइनैंस मिनिस्टर थीं बजट में बहूत सी कमियों का जिक्र किया लेकिन वे कमियां किस तरीके से दूर हो सकती हैं इसका उन्होनं भी कोई हल नहीं बताया। उन्होनें फैमिली प्लेंनिंग का भी जिक्र किया। लेकिन मैं उनसे भी पूछना चाहता हूं कि लोग जो बच्चे पैदा करते है वे अपनी हिम्मत से पैदा करते है। मिसीज प्रसन्न्नी देवी ने भी कहा कि मोरियां नहीं लगी। मै उनसे भी कह देना चाहता हूं कि बीस साल तक तो उन्होनें मोरियों का जिक्र नहीं किया जबकि कांग्रेस की सरकार थी लेकिन अब जब कि यह जनता की गवर्नमेंट बनी है तो वेकिस लिये जो मोरियां लगी है वे नाजायज तौर से लगी है गल्त सर्वे करके मोरियां लगाई है और अब कहते है कि उनमें पानी नहीं चलता। मैं अपनी सरकार से यह अर्ज करता हूं कि वह इन मोरियों की तहकीकात करें और अच्छी तरह से सर्वे करा कर मोरियों को खुला करके उन जमींदारों से छुड़कार जिनकों इनकी

कम जरूरत है अच्छे जमींदारो को जिनको इनकी ज्यादा जरूरत है देने की कृप्या करें।

दूसरी बात डिप्टी स्पीकर साहिब जो मै। आपके जरिए इस हाउस में पेश करना चाहता हूं वह यह है कि मैं मानता हूं कि जमींदारों के उपर ज्यादा टैक्स लगाए गए है लेकिन जो यह बात करते है कि जमींदारों की गवर्नमैंट होते हुए भी यह जमींदारों पर टैक्स लगाती है उनको मैं यह बता देना चाहता हूं कि इसमें जमींदारों और गैर जमींदारों की बात नहीं यह सरकार जमींदारों की भी है गौर जमींदारों की भी है। हर पार्टी का इसको सहयोग मिल रहा है और हर आदमी को इस पर गर्व हैं डिप्टी स्पीकर साहिब यहं बड़ा शोर हुआ ि कइस सरकार ने आब्याना टैक्स लगा दिया लैंड रैवेन्यु बढ़ा दिया। परन्तु मै यह कहना चाहता हूं कि यह जनता की गवर्नमैंट है और जनता ने ही कांगेस मिनिस्ट्री को हटाया है। उसकलये जनता इन टैक्सों को रदाश्त कर सकती हैं। लेकिन इसके साथ साथ मैं यह कहना चाहता हूं कि टैक्सों में भी कुछ ज्यादती है। जितने टैक्स इस बजट में लगे है उतने लगने नहीं चाहिए थे। दूसरे और तरीके थे जिनसे ये टैक्स पूरे किए जा सकते थे।मैं हाउस के सामने यह रखना चाहता हूं कि अगर रजिस्ट्रेशन फी जो कि सात परसैंट की है इसको और भी बढ़ा दिया जाता तो कोई बातन नहीं थी क्योंकि फीस साल परसैंट से आगे बढ़ कर व देता है जिसके पास रूपया है। गरीब आदमी न कोई जायदाद खरीदता है और न कोई उसके पास इसके कलए

पैसा है। इसके इलावा कांगेस सरकार ने डिस्ट्रिक्ट रोहतक में जो शराबखाना खोला है अगर सरकार उसकी कीमत बढ़ा देती तो अच्छा था। भले जिन्होंने उसे पीना ाहै वह क्यों न उसके पैसे पे करें। इसके इलावा सैकेटरीज ज्वांयट सैकेट्रीज जिनके घरों में टैलीफोन्ज है उनकी क्या आवश्यकता है एक आफिसर जो कि सारा दिन दफतर में रहता है उसके घर में नाजायज तौर पर इस्तेमाल के लिए टैलीफोन की क्या आवश्यकता है। मैं सरकार से दरख्वास्त करूंगा कि वह हटा लिए जाएं इसकें इलावा कुछ स्कीमें बजट में ऐसी है कि स्टाफ  के कमरों को एयर कंडीशन बनाना है। मै इस बात को नहीं समझ सका कि हमें एयर कंडीशन की क्या जरूरत हे। हमारी एक छोटी सी स्टेट है। हमें अपनी आमदनी के हिसाब से खर्च करना चाहिऐ। मैं आनरेबल मिनिस्टर साहिब से यह दरखास्त करूंगा िकवे इस बात पर दूबारा सोचें। (कांग्रेस की तरफ से आवाजः आपको न तो टैलीफोन की जरूरत है और न किसी और चीज की आपको तो मिनिस्टरी बढ़ापने की जरूरत है।)

**Mr. Deuty Speaker:** No interruptions please.

**श्रर रणधरी सिहः** उसके बाद यह जिक्र  चला कि अपग्रेंडिग आफ स्कूल जो हुआ उसमें बहुत गलती हुई। मै तो कहता हूं कि लोगों ने अपने खून पसीने की कमाई से पेसा इकट्ठा करके गांव में स्कूल बनाए और गवर्नमैंट ने उन्हें अपग्रेड कर दिया तो उसमें क्या ज्यादती हुई। यहां तो गवर्नमैंट ने उन्हे अपग्रेड कर दिया तो कहा कि एकएक हजार रूप्या लेकर स्कूल

अपग्रेड किए गए। मैं तो यह कहता हूं कि आप के राज्य में आठ आठ हजार रूपया लेकर स्कूल अपग्रेड होते थे। वेसे न तो किसी ने पैसा लिया है और न किसी ने दिया है। ठीक है स्टाफ की कुछ कमी है लेकिन वह भी पूरी हो जाएगी। डिप्टी स्पीकर साहिब कांगेस वाले जो अपने हथकंडे चलाते थे उसी तरह से यह हमारी सरकार को भी समझतें है। संयुक्त दल की वजारत तो सीधे आइए, इस तरह से इस गवर्नमैंट को बदनाम मत कीजिए। कितना अच्छा होता यदि आप कहतें कि सरकार ने यह बहुत अच्छा काम किया है। हमने देखा है कि 20 सालों में आप लोगों ने कितना काम कियं जब जनता आप लोगों के अन्याय से तंग आ गई तो उसने आवाज दी ि कइस कांग्रेस सरकार का तक्ष्ता उल्टो और इसलिए उस बात से अन्दाजा लगा कर मैं यह कहता हूं कि यह दो सालें में ही हरियाा की तरक्की के रास्ते पर ले जाएगी।

इसके इलावा दूसरी बात मैं आपको बताना चहाता हूं कि टैक्स क्यों लगाए गए। किसी मैंम्बर ने यह नहीं बताया कि टैक्स किन हालात में लगें हमारे जो गवर्नमैंट के मुलाजम है वे हमारे भाई है। अगर इस महंगाई के वक्त उनकी रीजैन्टमैंन्ट के बाद उनको ज्यादा तनक्ष्वाह न दी जाती तो कितनी बुरी बात होती। यह इस बात में यह जिक्र करना चाहता हूं ि कवह जो सैंट्रल डी. ए. दिया गया है वह पूरा का पूरा उन्हे मिलना चाहिए तभी फायदा होगा। और जब आपने लोगों पर टैक्ल लगा दिए

और वह घाटा इस तरफ से पूरा कर लिया तो उनका हाफ डी. ए. जमा करवाने से क्या फायदा।

एक बात हैवी एडमिनिस्ट्रेशन के बारे में कहना चाहता हूं क्योंकि सैकेटेरिएट में काम कम है और स्टाफ ज्यादा है इसको कम करना चाहिए। इसी तरह डिस्ट्रिक्ट इंस्पैक्टरों का स्टाफ हर जगह ज्यादा है उसे भी कम करना चाहिए। और कम करने के बाद जो रूप्या बचता है इससे किसानों की बेहतारी के लिए उपाय सोचे जाने चाहिए।

**श्री रामधारी वाल्मीकी (बड़ौदा):** मैं डिप्टी स्पकीकर साहिब आपका मशकूर हूं कि आपने बजट पर बोलने का मुझे मौका दिया। कुछ भाइयों ने मुलाजमीन को मिलने वाले डी. ए. के बारे में चर्चा की मैं भी उनके साथ आवाज मिलाना चाहता हूं कि यह जो आज कल महंगाई है उसको देखते हुए यह आवश्यक है उन्हें पूरा का पूरा डी.ए. मिलना चाहिये।

जहां तक ट्रांस्पोर्ट पर टैक्स लगाने का सवाल है मैं समझता हूं कि यह बड़े लोगों पर नहीं बल्कि आम आदमियों पर लगा है क्योंकि ट्रांस्पोर्ट वाले पैसेन्जरों से वसूल कर लेंगे।

कुरूक्षेत्र यूनिवर्सिटी के बारे में यह कहा गया 46 लाख रूपया खर्च करेंगे। ठीक है खर्च करिए मगर मैं यह कहना चाहता हूं कि इससे गरीबों को क्या फायदा होगा? क्योंकि यूनिवर्सिटी में तो बड़े आदमियों को लड़के ही पढ़ते है।

यहां पर यह भी बार बार चर्चा हुई कि 20 साल तक कांग्रेसिचों ने कुछ नहीं किया। मगर मैं यह पूछना चाहता हूं कि आज जो गवर्नमैंट बना कर बैठे हैं यह कौन लोग है? वह भी तो वही जो 20 साल से कांग्रेस के साथ ही होतो थे। और आज भी सरमाएदारों के हित की ही बातें कर रहें है क्योंकि उनको जनसंघ के भाइयों से डर है जो कि सरमाएदारों के रिप्रजैंटिटव है। यहां तक तो इनकी बातें मानी जाती है कि अगर हम शिकायत करें कि राशन नहीं मिलता और यक कह दें कि नहीं जा यह गलत कहता है इनकी बात मानी जाएगी मेरी कोई नहीं सुनेगा।

श्री चांद राम जी ने कहा है कि हरिजनों के लिए 70 लाख रूपया रखा गया है और वह उनको फैसिल्टीज देने के लिए इस्तेमाल किया जाएगा लेकिन यह हरिजनों के लिए नहीं बल्कि श्री चांद राम के कुनबे के लोगों के लिए यह उनके दोस्तों के लिए खर्च होगा और उनको फैसिल्टीज मिलेगी।

यही हाल स्कूलों का हुआ है। अपग्रेड करते वक्त यह ध्यान नहीं दिया गया कि हमारे यहां भी अपग्रेडिंग हो जाए। वह तो देख देख कर पोलिटीक्ल परपज पूरा करने के लिए किए गए है। गोहाना में जब कि 10 हजार की आबादी है वहां पर अपग्रेड़ नहीं किया गया। राव साहिब जहां पर पढ़े है वहां पर पहले आठ जमात तक स्कूल कर दिया गया था मगर अब उसको चौथी जमात तक कर दिया गया। मैं प्रार्थना करता हूं किइस सरकार के जरिए भविष्य में जो कुछ हो वह न्यायपूर्वक होना चाहिए। मैं आप को

बताना चाहता हूं कि तहसील झज्जर के मुकाबले में हमारी तहसील गोहाना बहुत बैकवर्ड है। तहसील झज्जर में पुल भी है बिजली भी है और स्कूल भी अच्छे है। लेकिन तहसील गोहाना की तरफ किसी ने भी ध्यान नहीं दिया । डिप्टी स्पीकर तहसील गोहाना में महम का ऐस हलका है जहां पीने का पानी नहीं और बाकी का कुछ ऐसा इलाका है जो साल मे छः महीने से ज्यादा पानी में डूबा रहता है। लेकिन सरकार इस तरफ कोई तवज्जीह नहीं देता। सरकार को मैम्बरों के इख्तलाफ को छोड़ कर जनता की भलाई को सामने रखना चाहिए। लेकिन यह सरकार तो ऐसे सोचती है कि चूंकि फलां हलके से कांग्रेसी मैम्बर इलैक्ट हुआ है इस लिए उस हलके के लिए कुछ नही करना।

**आवाजे:** गल्त है, गल्त है।

**श्री रामधारी बाल्मीकी:** अब अगर हलका महम में कुछ किया जाए तो हम समझेंगे कि सरकार ईमानदारी से लोगों का भला करना चाहती है। आप को इस चूं चू ंके मुरब्बे को सरका का जनाजा बहादूरगढ़ में निकाला था। वहां हरिजनों को जिस ढंग से कुचला गया था उस को मिसाल कहीं भी नहीं मिल सकती। चौधरी चांद राम को जब शिकायत की तो उन्होने जवाब दिया कि आप जमींदारो के साथ मिल कर न रहें तो मै क्या करूं। जमींदारों के साथ तो हम हमेशा रहे हे लेकिन अगर हम इधर बैठे है तो इस का यह कैसे मतलब निकलता है कि हम जमींदारो के साथ नहीं हे। डिप्टी स्पीकर साहिब जो हरिजनों के लिए 

लाख रूपया रखा है वह मुझे खतरा है कि श्री चांछ राम अपने रिश्तेदारो को ही बांट देगें। बजट से साफ जाहिर होता है कि सरमाएदारों के साथ उस का हित है और जो गरीब किसान हो उनके साथ कोई हमदर्दी नहीं। अगर आप किसानों के साथ हमदर्दी रखते है तो सब टैक्स मुआफ करे। बस मैं इतना कह कर डिप्टी स्पीकर साहिब आप को शुक्रिया अदा करता हूं कि आप ने मुझे बोलने का समय दिया है।

**श्री प्रभु सिंह (बरवाला):** डिप्टी स्पीकर साहिब, वित्त मंत्री साहिब ने जो 1967–68 का बजट पेश किया है उस पर मैं कुछ अर्ज करना चाहता हूं। जिन हालात में सरकार बनी उस तरह के हालात का यह बजट सामने आया है। इस में कोई हैरानी की बात नहीं क्योंकि जब दिमाग को सोचने का टाईम न हो तो कुदरती तोर पर से किस्म की ही लैगुंऐज आती है। इसी लिए इस से भी और उधर से भी मैंबर साहिबान कहते है कि टैक्स गलत लगे है। टैक्स जल्दाजी में लगाए गए है। कुछ तो गवर्नमैंट ने वापिस लिए है और कुछ के बारे में गौर करने के लिये यकीन दिलाया गया है। मैं सब से पहले आप का ध्यान वित्त मंत्री की स्पीच के चन्द अल्फाज की तरफ दिलाना चाहता हूं जो उन्होने अनटचेबिल्टी के बारे में कहे। वह फरमाते है '' अनुसूचित जातियों पिछड़ी श्रेण्यिों तथा विमुक्त जातियों के उत्थान के लिए और छुआछात उन्मूलन को सरकार बहुत अधिक प्राथमिकता देती है। तो डिप्टी स्पीकर साहिब, डहोने लिख है कि रिमूवल आफ

अनटचेबिल्टी को हम प्राअरटी देते है। इस से साफ जाहिर है कि हरिजन वैलफेयर की जो ात है उसे उन्होनें सफेद झूठ से शुरू किया है। मै यह पूछना चहाता हूं कि जब छुआछात कोगानाईजेबल अफेन्स है तो क्या वित्त मंत्री सहिब बतायेंगे कि इन को सरकार ने छुआछूत के जुर्म में किसी को आज तक अरैस्ट किया भी है?

**वित्त मंत्री:** क्या आप ने बीस सालों में किसी को किदया था?

**श्री प्रभु सिंह:** डिप्टी स्पीकर साहिब सरकार कांग्रेस को हो तो या किसी और की हो मुझे उस से कोई फर्क नहीं मै तो जो भी आज की सरकार है उस से कह रहा हूं कि हरिजनों वैलफेयर का नाम लेकर हरिजनों को एक्सप्लाऐंट न किया जाए। आप ने सफेद झूठ से ही हरिजन वैलफेयर शुरू किया है कि हम छुआछुत को मिटाने के काम को प्राअरटी देंगे हालांकि यह पहले ही कागनाइजेबल अफेन्स है। आज अगर चोर पकड़ा गया और उस से पहले 10 चोर निकल गए हो तो जी पकड़ा गया है उस के लिए अगर यह कहा जाए कि हम इस को भी नहीं पकड़ते तो कोई बात नहींबनती अगर इस छुआछूत को देश से न निकाला तो देश का नक्शा कुछ और ही होगा। आप हरजनों को अछुत मान कर आगे नहीं चल सकते। अनटचेबिल्टी एक्ट को अमल में लाने के लिए जैसे कि पार्लियामैंट में आया है आप अपनी स्टेट के हर जिले में एक पुलिस अफसर मुकर्रर करें ताकि हर इन्सान की

इन्सान समझा जाए। यह जो 70/72 लाख रूपया हरिजन वैलफेयर के लिए रखा है इस से सब हरिजन जो 6690 गांवों मे बसते है वह उंचा नहीं उठ सकते। इस को अगर आप 140 लाख भी कर दे तब भी यह लोग उपर नहीं उठ सकते। जब तक कि आप साफ नियत से उन को उंचा उठाने की कोशिश नहीं करते। आज सरमाएदार हरिजन और मजदूरों को खाए जा रहे है। मै आप को भट्ठों के ठेकेदारों की मिसाल देता हूं ईटों का सरकारी रेट 39 रूपए एक हजार का है लेकिन वह पथेरे को सिर्फ 4.25 रूपया हजार को की मजदूरी देते है। सारा खर्चा डाल कर भट्ठे के मालिक को 22 रूपए प्रति हजार इंटें कास्ट करती है और गवर्नमेंट ने उसे 39 रूपए प्रति हजार के हिसाब से बेचने की इजाजत रे रखी है। डिप्टी स्पीकर साहिब यहां तो अन्धेर नगरी चौपट राज वाली बात हो रही है। कोई गरीब मजदूरों और हरिजनों की पुकार नहीं सुनता। जो मजदूर डेली वेजिज पर काम करते है उन को सिर्फ तीन रूपए मजदूरी दी जाती है। जो नहर में मजदूर काम करता है उसको तीन रूपए और जो उसके बराबर वाली सड़क पर काम करता है उसको केवल दो रूपए मजदूरी दिया जाता है।मरीं समझ में नहीं आता डिप्टी स्पीकर साहिब कि वही हरियाणा है वही सरकार है और वही मजदूर काम करने वाले है। एक ही क्लास के मजदूर ओर एक ही किसम की खेतों मे नहरे निकाले है। मगर उन्हे सरकार तीन रूपए डेली वेजिज देती हे और जो मजदूर पी.डब्ल्यू.डी. में काम करता है उसको दो रूपए मजदूरी दी जाती हैं इस तरह से दस हजार हरिजनों को नुक्सान

हो रहा है। जो 1 5 अगस्त 1947 से पी.डब्ल्यू.डी. का शैड्यूल के मुताबिक वेजिज नहीं देता। इस तरह हरिजनों के साथ बड़ा अन्याय हो रहा है। लेकिन हरिजनों के हो रहे करोड़ो रूपयों के नुक्सान को आप नजरअन्दाज कर देते है।

डिप्टी स्पीकर साहिब मे आपके द्वारा कहना चाहता हूं कि जहां गवर्नमैंट ने इरीगेशन के लिए पी.डब्लयू. डी. के लिए 75 प्रतिशत रूपया हुआ हे वह शेडयूल के मुताबिक नहीं है। आप देखते है कि देश में महंगाई दिन पर दिन बढ़ती जा रही है। महंगाई वैसे तो सब के लिए बढ़ी लेकिन मजदूरों पर इसका बहूत असर पड़ रहा है इसलिए मैं कहना चाहता हूं कि नहर खोदने वाले मजदूरों का रेट और बढ़ा दयिा जाए । डिप्टी स्पीकर साहिब जिस तरह से सरकार मजदूरों की जमानत जमींदारो और ठेकेदारों से लेती है उससे तो गरीब हरिजनों को बहुत कठिनाई का सामाना करा पड़ रहा हे। गरीबों का खून चूसा जा रहा है। अगर सरकार इस सिस्टम की जमानत को खत्म कर देतो मजदूरों को फायदा हो सकता है। वैसे तो इन मजदूरों में सबर क मादा अधिक है। इनके साथ जो कुछ भी आप करेंगे वे बर्दाशत करने के लिए तैयार है लेकिन सरकार को कुछ तो इनकी भलाई के लिए सोचना चाहिए।

इससे आगे फिनांस मिनिस्टर साहि ने इनके लिए जमीन का जिक्र किया है। जमीन खरीदने के लिए पांच लाख रूपए रख गया है। यह रूपया इतना थोड़ा है कि इसससे हरिजनो का कुछ

भी नहीं बन सकता। पांच लाख रूपये से आज कल के भाव के मुताबिक दो सौ एकड़ जमीन भी नही आ सकती। इतनी थोड़ी रकम से इन गरीबों का भला नहीं होने वाला है। अगर हरिजनों को और गरीबों को जमीन देनी है तो लैंड रिफार्म्ज ऐक्ट के तहत दें। जो करोड़ो रूपये की जमीन लैंड लेबरर्ज के लिए रखी थी वह उन्हे नहीं दी जा रही है और इस तरह से उनक ा गला घोंटा जा रहा है। इसके स्थान पर उन्हें प्वायजन दिया जा रहा है। सन 53 में जो सरपलस लैंड डिक्लेयर की गई थी वह बेचनी बन्द कर दी लेकिन बाद में एक सरकूलर जारी हुआ कि जो जो सरप्लस जमीन है वह 10 एकड़ से कम जमीन वाले मलिकों को की जाएगी। इसके बाद 1966 में हमारे रेवेन्यू एकड़ तक के मालिक को बेच दी जाए। इस तरह से हरिजनों को सरप्लस जमीन से महरूम कर दिया गया है। डिप्टी स्पीकर साहिब मुझे इस बात पर रोना आता है कि इन गरीबों के साथ बड़ी बेइन्साफी की जा रही हे। जो 1958 में सरप्लस जमीन बेची गई उससे मुजारों को टेनेंट ऐक्ट के तहत बे-दखल कर दिया गया है। गवर्नमैंट सरप्लस जमीन का नाम लेकर मजदूरों को बहका रही है। जो अरबों रूपये की जमीन हरिजनों के लिए रखी थी वह मजदूरों को न देकर उनका गला घोंटा जा रहा है। इस तरह से इनका मजाक उड़ाया जा रहा ह। गरीब मजदूरों को सहूलतें देने के लिए जो फैसला किया हुआ है उसे जल्दी से जल्दी लागू किया जाए। डिप्टी स्पीकर साहि आप मुजारे पिस रहे है। उनका हक्क उनकों नहीं मिल रहा है। अभी मेरे कुछ भाइयों ने फरमाया कि यह जनता की आवजा थी जिसने

कि कांग्रेस सरकार को बदल दिया। कुर्सी चाहे किसी के पास रहे लेकिन मैं उनसे दरखास्त करूंगा कि जो देरहमी से कानून की आड में एक्सप्लायट करके हरजिन को कुचला गया है अगर वह और उनको सरकार उन्हे बचा सकती है तो बचाने का प्रयत्न करना चाहिए। हरिजनों की तालीम के बारे में अर्ज करना चाहता हूंकि हरिजन बच्चों को जो वजीफे मिलते है उनको रकम वही हे जो 15 अगस्त 1947 के वक्त मुकर्रर की गई थी। आज इतनी महंगाई हो गई है कि उस वजीफे से गुजारा नही हो सकता लेकिन सरकार ने उसमें कोई बढ़ावा नहीं दिया है। मै सरकार से कहना चाहता हूं किइस वजीफा की रकम को बढाएं।

सरकारी कर्मचारियों का जो अलाउंस बढाया गया है वह काबिले तारीफ है लेकिन जो आया अला से जमा कराने की बात आई वह अफसोस की बात है। एक सरकारी नौकर भूखा बैठा है उसके बच्चे कहते है पिताजी दूध चाहिए, रोटी चाहिए लेकिन वह कहते है कि पैसे डाकखाने में जमा करा दो। पांच साल के बाद आपके बच्चों को रोटी मिलेगी यह कोई अच्छी बात नहीं है। अगर आपने अलाउंस बढ़या है तो फिर यह उन्हे तनखाह के सिाहा दिया जाए ताकि वह रोटी खा सकें। इस तरह अ बवह रिश्वत भी नहीं मांगेंगे जो अब मजबूरी की वजह से लोगों के आगे हाथ फैलाते हैं अगर आपने उनसे अलाउंस की आधी रकम जमा करवा लो तो मजबूरन आधी बेईमानी जरूर करेंगे इस लिए अगर आप उनको ईमानदार बनाना चाहते है तो पूरे पैसे दे।

आपने अच्छा किया जो आपके किसानों पर जो टैक्स लगाया थ वह वापस ले लियां लेकिन मैं इसके साथ यह कहना चाहलता हूं कि टैक्स तो शहरी किसानों पर भी लगता है मगर जब कोई रियायत देने की बात आती है तो शहरी किसानों को इगनोर कर दिया जाता है। तो मैं अर्ज करता हूं कि शहरी किसानों को वही दज्र दिया जाए जो देहाती किसानों को है। यही हालत शहरी हरिजनों के साथ होती है। देहाती हरिजनों को तो कस्टोडियन लैंउ दी जाती है लेकिन शहर हरिजनों को हक नहीं है और खरीदनके लिए कोई कर्ज नहीं यिा जाता । उन्हे कहते है कि आप पैसे हो तो आपको जमीन मिल सकती है। इसके अलावा मै एक और अंधेरे वाली बात वजीर साहिब के नोटि में लाना चाहता हूं और जिसे सुनकर जो हरिजनें के साथ हमदर्दी रखते है उनका कलेजा फट जाएगा। आप हैरान होंगे कि सरकार ने जो कस्टोडियन की जमीन हरिजनों को बेची हे उसमें ब्लैक की है ओर वह 40 लाख रूपए में सेंटर से खरीद कर हरिजनों से उसका चार करोड़ रूपया वसूल किया है। यह हरिजनों के कातिल है और इन्होनं हरियाणा के हरिजनों को कत्ल किया है।

**वित्त मंत्रीः** कांग्रेस सरकार को दुआएं दो।

**श्री प्रभु सिंहः** मैं आपके बजट पर बोल रहा हूं पिछली सरकार के बजट पर नहीं बोल रहां आप भी कांग्रेस में शािमल थे मैं आपसे पूछना चाहता हूं कि क्या आप खुद उन कातिलों में शामिल नहीं थे?

**वित्त मंत्रीः** मैं नहीं था।

**श्री प्रभु सिंहः** नहीं थें तो उनके साथी तो थे आपके कपड़े तो यही थे दिल तो यही था इसीलिए मैं कहना चाहता हूं कि इस तरह की जो उलझने है.............................

**वित्त मंत्रीः** बदमाश तो उन्होनें को हमस` क्यों उलझते हो ......(शोर)........

**श्री ओमप्रकाशः** क्या यह 'बदमाश लफ्ज' पार्लियामैंट्री है? यह वापिस होना चाहिए।

**वित्त मंत्रीः** अगर कातिल लफ्ज पार्लियामेंट्री है तो बदमाश लफ्ज भी वैसा ही है.........(शोर).........

**श्री प्रभु सिंहः** मैं कहना चाहता हूं कि आज की सरकार इस बहाना से नहीं बच सकती है कि यह पिछली सरकार ने किया था। अब आपको जिम्मेदारी है कि उस बेइन्साफी को दूर करें। अगर एक महाजन दो पैसे की ब्लैक करता है तो उसे जमानत नहीं मिलती लेकिन यह जो सरकार ने साढ़े तीन करोड़ मनी बड़ी चालाकी के साथ व्हाइट मनी मे बदल लिया उसके बारे में चुप हो गए है। मैं कहना चाहता हूं कि हरिजनों को दबाने के लिए यह जो शतरंज की चाल खेली जा रही है और हरिजन कल्याण फण्ड का रूपया लोन में देकर साढ़े तीन करोड़ ब्लैक मनी को वाइट मनी में बदल दिय।

**विकास मंत्रीः** आखिर यह ऐसा किसन ने किया और कौनसी तारीख को किय? इन्ही नजस्टिस के खिलाफ बगावत करके ही तो हम इधर आए लेकिन आप फिर भी उनसे चिपके बैठे है जिन्होने ऐसा किया। आप भी बगावत करके इधर हो आ जाएं और हरिजनों से ब्लैक करने वालों को छोड़ दें।

**श्री प्रभु सिंहः** डिप्टी स्पीकर साहिब दौलता साहिब ने जो कहा है ठीक ही कहा है लेकिन अफसोस तो इस बात का है कि जो ब्लैक करने वाले है वह उधर हो उनके साथ बैठे है? उस दिन श्री मंगल सेन जी हरिजनों के लिए 70 लाख रूप्या रखा गया है उसका जिक्र करते टेबल ही मुक्के मार मार कर तोड़ दिया लेकिन मैं उन्हें बताना चाहता हूं कि साढ़े तीन करोड़ रूपए की ब्लैक मनी को वाइट में बदल कर उस पर हरिजनों से चालीस लाख प्ए सालाना सूद लिया जाता है। मै इस सरकार से कहना चाहता हूं कि आंखों पर पट्टी बांध कर ले जाने वाले लोगों से बचो ओर हमें भी बचाओं। हरिजनो ंकी भलाई के लिए नेकनीयतती से काम करो।

आखिर में एक चीज कह कर मैं बैठ जाता हूं। जब देश पर कोई मुसीबत है आती और चीन और पाकिस्तान का हमला होता है तो जवान लड़ता है। और जितने भी यह सफेछ कपड़े वाले लोग जो कि सरकार चला रहे हे चिल्लाते है कि फौज में भर्ती हो देश की सेवा करो। मगर इस बजट में एक्स–सर्विसमैन के लिए कहीं भी ध्यान नहीं रखा गया। ये लोग जो कि देश के

लिए मरते है झगड़ते है इनका भी तो कुछ ध्यान रखा जाना चाहिए था। इसलिए डिप्टी स्पीकर साहिब मैं आपके थरू सरकार से दरखास्त करूंगा कि एक्स–सर्विसमेन की मुसीबतों ओर तकलीफों को ध्यान में रखते हुए जो कि उन्हे दुश्मन से मुल्क को बचाने के लिए सहनी पड़ती है उनको नजर–अंदाज नहीं करना चाहिए बल्कि उनकी हौसला अफजाई के लिए कुछ करना चाहिए। इन शब्दों के साथ में आपना स्थान लेता हूं। बोलने को तो वैसे बहूता कुछ था लेकिन यदि फिर समय मिला तो अर्ज करूंग।

**श्री बनवारी लाल (नारनौल):** डिप्टी स्पीकर साहिब, सालेरखां का बजट पेश हुआ। कल भी साथियों ने बहस की और आज भी बहस चली। बजट तैयार करने से पहले संयुक्त दल की गवर्नमैंट ने और साथियों ने मिलकर इस बात की कोशिश की थी कि हम इस साले रवां में कोई टैक्स नहीं लगाएंगे और कोशिश करेंगे किक जिस तरह से लोग जिछले 20 साल के दौरान पिसते रहे उस तरह से न पिसे, बल्कि उनको राहत मिल, लेकिन हालात की मजबूरियां को उनको यह इरादा बदलने के लिए मजबूर किया और चूंकि सराकरी मुलाजिमों का भत्ता सैंन्ट्रल लैवल पर लाना था ाइस लिए उन्हे यह टैक्स लगाने पड़े। सरकारी मुलाजिमों को भता देना भी एक बहुत जख्मी मसला था। जबकि हमारे पडौस के अन्दर हिमाचल ने पंजाब ने राज्स्थान और देहली ने उनकी तनख्व9ाह गबढा दी तो हमारे लिए भी यह जरूरी हो जाता था कि उनकी मुष्किलात को देखते हुए इस महंगाई के दोरान पूरी

सहुलियतें दे। इसके साथ – साथ कुछ देष के अनदर और ीीी समस्योये हैं जैसे अनाज की समस्या, फौरन करैन्सी की समस्या। इन बातों को देखते हुए हमें ीी टैक्स लगाने पड़े ताकि अनाज की समस्या की हल करने के लिए और लोगों को ज्यादा अनाज पेदपा करने के लिए सहुलियतें दी जा सकें। ये टैक्स जो, डिप्टी स्पीकर साहिब, लगाए गए हैं बडी सोच समझ के बाद लगाए गए हैं और उन्हींी लोगों के उपर लगाए गए हैं जो लोग बहुत अमीर हैं। और एक जो ऐसा टैक्स था जिसका क थोडा गरीबौं पर असर होता था उसको सरकार ने वापिस ले लिया हैं क्योकि सरकार को बाद मैं अहसास हुआ कि चाहें हमें कितनी मजबूरियां हों हमें लोगबों की समस्याओं को सामने रखते हुए अनाज की समस्या को ामने रखते हुए उनको ज्यादा से ज्यादा सहुलियते देनी चाहिए और इस लिए नरी पानी पर जो टैक्स लगा था वह वापिस ले लिया गया है। डिप्टी स्पीकर साहिब, यह बहुत अच्छी बात हुई लेंकि न मैं आपके फाइनैन्स मिनिसटर साहिब से यह दरखास्त करूंगा कि उन्श्रहोंने जो प्रोपर्टी टैक्क्स डयोढा किया है उसक`डपर भी विचार किया जाए क्योंकि इसका असर भीी बीच के तबके के लोगों के ऊपर पड़ता हैं । मिसाल के तौर पर जो लोग षहर में रहते हैं और जिनके पास अपना एक ही मकान हैं और उसी में वे खुद रहते हैं उन्हें इससे बड़ी परेषानी हो जाएगी।

डिप्टी स्पीकर साहिब, हमें सबसे ज्यादा जोर अनाज की समस्या पर डालना है।। अनाज का मसला किस तरह से हल हो

सकता हैं , इसके बारे में मैं अपने विचार इस हाउस को बताना चाहता हूॅ। हरियाणा के अन्दर 72 परसैन्ट जमीन बारानी है और यदि इसको पानी देने के लिए प्ररूत्न किया जाएं तो यह समस्या हल हो सकती हैं बाहर से अनाज म3ंगाने की समस्या भी कम होगी और फारेन करैंन्सी की भी बचत होगी। इसलिए ज्यादा से ज्यादा ध्सयान सरकार को इस तरफ देना चाहिए। हमारी गवर्नमैन्ट ने इस दफा कुछ रकम, शयद 25 लाख रूप्या टयूबवेल्ज लेगाने के लिए महसूसू किया हैं लैकिन मैं समझता हॅू कि यह रकम थोड़ील और इस रकम को यदि हो सके तो और बढ़ाया जाए ताकि अनाज की समस्या का मसला ठोक हो सकें । मैं यह ीी अर्ज करूंगा कि आयदा इस तरह का खर्च ज्यादा उन इलाको में कियचा जाए जहां नहरी पानी नहीं पहुंचता है जैसो कि महेन्द्रगढड का जिला हैं, गुडगांव का इलाका है और भिवानी तहसील हैं। वैसो तो, डिप्ठी स्पीकर साहिब, इनल इलाकों में पानी की बहुतात है टोर इसलिए यदि उन लोगों को बोरिंग करने की सहुलियतें दे दी जाएं तो ये लोग टयूबवैल्ज खोद कर इसका फायदा उठा सकते है। वैसे भी इस इलाके के आदमी बड़े मेहनती हैं ये सवेरे चार बजले उठ कर रात के आठ बजे तक काम करते रहते हैं केवल पांच छः घटें ही आराम करते है।यदि इदनको पानी की सहुलियत मिल जाए तो यह साल में दो तीन फसलें जमीन स`ले सकते है।। जमीन भसी वैसे यहां की अच्दी है। हेन्द्रगढ़ का इलाका कु छ पहाड़ी है इसलिए वहां बोरगि मषीन का होना बहुत जरूरी हैं ।

इसके साथ ही सथ मै। आपका ध्यान इस तरफॅ भी दिलाना चाहता हुॅ कि टैक्सो का भार कम करना चाहिए।

फरीदाबाद, बहादुरगढ और बल्लभगढ के इलाके दिल्लीर कें नजदीक है। यहां बडे बडे सरमायेदारों ने अपने कारखानें खेले है। और इनमें बहुत सामान तैयार होता है लेकिन इन सबके हैड ऑफिस दिल्ली में हैं और सारा माल वहां फरोख्त होता है। सेलज टैक्स दिल्ली में है और सारा माल वहां फरोख्त होता है। सेलज टैक्स दिल्ली वालोक को जाता है, हमे नही ंआता। इसलिए उनके ऊपर पांबन्दी लगाई जाए कि जो भी प्रोडक्शन हो उसे वहां दिखाए ताकि हमे सेल्ज टैक्स का फायदा हो सकें। मै। उम्मीद करता हॅू कि यदि ऐसा किया जाए तो सरकार को एक डेढ करोड का फायदा होगा।

इसके इलावा चौधरी रिजक राम जी ने स्कूलों के बारे में जो सुझाव रखा है यसदि उसको मानने में गुजायश हो तो उसे मान लिया जाए क्योंकि यह भी टैक्सो कर कुछ भार कम करने मे मददगार होगा। फि र हरियाणा के पहाडो इलाको की जमीनों के नीचे बडा खजाना दबा पडा ळें अगर गवर्नमैंट उस तरफ ध्यान दे तो बडी आमदनी हो सकती है। अगर गवर्नमैंट के पास पैसा हो तो वह कारखाने लगाए और अगर पैसा न हो तो प्राइवेट सैक्टर के अन्दर लोगों को सहुलियतें दी जाएं । उनकी समस्याओं का हल करे और वैसे ही कारखाने खोले जाए जिससे स्टेट को आमदनी हो और टैक्सों का भार कम से कम हो सके। महेन्द्रगढ

का जिला मिनरलज का घर है। वहा लोहे के भंडार बहुत है। , वहां तांम्बा भी है , वहा उन की तजारत हो सकती है। वहां आयरन, मारबल, माइका,ग्लास और सीमेंट आदि बहुत सी चीजे हैं। यदि सरकार इस तरफ ध्यान दे तो सींमेन्ट फैक्टरी चिप्स फैक्टरी आदि वहां खोली जा सकतजी है। अगर गवर्नमैट के पास पैसा हों तो जैसे मैने पहले अर्ज किया, सरकार स्वय कारखाने खोले और अगर पैसे न हों तो प्राइवेट सैक्टर के अनदर षेयर लेकर कार्पोरेशन बनाकर और लोगों को सहुलियते देकर कारखाने लगांए । इसके एक तो बेरोजगारी दूर हो सकती है और दूसरे गवर्नम्ेट की आमदनी होने से अैक्सों का भार लोगो ंपर से कम हो सकता है

(At this stage Shri Managal Sein;a member of the panel of Xhairmen occupied the Chair.)

चैयरमैन साहिब, उस इलाके में मिल्क प्लांट भी लगाया जा सकता हैं चमडे का कारखाना भी लगाया जा सकता है। और अगर यह प्राइवेट सेक्टर में दे दिया जाए तो लोग जल्दी तरक्की कर सकते है।

ऊॅटों की तादाद बहुत है। जिसकी वजह से ऊन से सम्बन्धित कारखाने लगाए जा सकते है। और कमबल वगैरह बनाए जा सकते है। मैं इसलिए सुझाव दे रहा हूमु कि गवन्रमैट में जो भी बहुुत पैदा होता है जिसके जरिएउ बूअरी का कारखाना लगाया जा सकता है।

साथ ही अगर डिपार्टमैट में बडे बडे अफसरों को कम कर दिया जाए तो रूप्ए की बचत हो सकती है। मैने देखा है कि एऐनीमल हसबैडरी में बहुत स्टाफ है जिस पर अनाप शनाप रूप्या खर्च हो रहा है इस कम किया जाना चाहिए। यही मेरी प्रार्थना हैं।चौधरी राम लाल करनौल :चैयरमैन साहिब, आज जो बजट पर डिस्कशन चल रहा है , इस पर दानो तरफ से मिला जुला स्वागत हुआ है। मै समझता हूँ कि ऐसे वक्त में जब कि संकट कास समय है और एक नई सटेट वजद में आई है जो कि डेफीसिट स्टेट है

उस समय हमारे फाईनैस मिनिस्टर साहिब ने ठीक तरह से मेहनत करके इस बजट को पेश किया है जिस के लिए वह बधाई` पात्र है।

एक आईटम पर बहुत नुकताचीनी हुई जो कि टैक्स से सम्बन्धित था। अचदा हुआ हिक वह गवर्नमेंट ने वापस ले लिया है मै उस पर कुछ नहीं कहना चाहता । यहां यह बात हर मैम्बर ने स्वीकार की है िकइस रिवाइज्ड बजट के इलावा कोई और अचछा बजट इससे अतिरिक्त नहीं हो सकता था । यह वित मंत्री महोदय की बेहतरीन काबलियत का नमूना है।

टपोजीशन ने जो नुक्ताचीनी की उस से साफ जाहिर होता है कि उन्होंने अपने 20 साल के काल में होने वाले कारनामों पर रोष्शनी डाली है। मूझ` इस बात की खुषी है कि उनहोनें इनडाइरेकक्टली अपनी गलती को माना है।

अखबारों मतें बजट के ऊपर प्रकट किए गए विचार जो श्री रिजक राम जी ने कहे थे पढने को मिले। इसमें उन्होंने कहा था कि यह बजट जनसंघा का बजट है। और इससे पहले उन्होनें यह विचार रखो थे कि शहरों का तबका महंगाई से पिस रहा है ओर सरकार इस पर ध्यान नहीं दे रही है। उसके बाद ही उन्होंने यह आवाज लगाई कि यह तो इसलिए दैहाती भाइर्दयों के ऊपर टैक्स लगाया जा रहा है क्योंकि जनंसघ का प्रेशर है। इससे साफ जाहिर होता है कि एक मुंह से शहर के लोगों को भडकाना और दूसरी तरफ देहात के लोगों को भडकाना और एक दूसरें के खिलफ लडाना यह कांग्रेस की सदा की नीति रही है। इसमें मैं कुछ नहीं कहना चाहता । असली बात यह है। कि गछियां दिन्‍ जाने के बाद यह हर हरबे को इस्तेमाल करना चाहते हैं ।

(AT this stage Mr. Speaker oxxupied the Chair.)

अगर देखा जाए तो प्रोफैशनल टैकस लोगो के ऊपर भार है और अरबन प्रापर्टी पर जहां पर किसी का मकान 500 रू रेंट लाता है उस 0पर 200रू प्रापर्टी टैक्स में रिलीफ देना चाहिए। और जो व्यक्ति अपने मकान में खुद रहता है उसको प्रापर्टी टैक्सा से ऐग्जेम्ट कर देना चाहिए।

एक बात सैट्ंल डी0 ए0 के बारे कहूॅगा – मै। समझता हूं कि जो थोडी तनखाहों वाले मुलाजिम है उनको इसके अनदर कुछ रिललीफ मिलना चाहिसा। इसलिए मै अपने वित मंत्री साहिब से रिकवैस्ट करूगां कि 150 रू या उस से कम तनखाह लेने वाले

जो मुलाजिम हैं उन को पुरा ड0ए0 दे दियसा जाए इस के अइलावा जो 2/3 सालों के अंदर रिटायर होने वाले लोग है उन को ीाी सी0टी0डी0 से एग्जैम्पशन मिल ही चाहिए या उनक ा रूप्या प्रोविडेन्ट फन्ड में जमा होना चाहिए। यहां हाउस में बजट पर नुक्ता चीनी तो काफी हुई है लेकिन आपाजीशन की तरफ से कोई यूजफुल सुजैशनज नहीं आए। मै आप को कुछ सुझाव दूंगा। यह जो देहातियों पर ब?वाटर रेट का बहुत बडा टैक्स था वह तो सरकार ने मुआफ कर दिया है और उन्होने लोगो का राए का एतराम करते हुए सही डेमोक्रेसी की मिसाल कायम किी है। अब उस कमी को पूरा करने के लिए मै। चौधरी रिजक राम जी की इवस तजवीज के साथ इतेफाक करता हूॅ जो उन्होंने कहा था कि सरकारी सकूलों के अ ांद भी पुअर और हरिजनों को छोड कर बाकी सब से फीसें लेनी शुरू कर देनी चाहिए।

असके यहां पर कुछ ट्ांसपोर्ट के बारे में भी कहा गया। मेरी बहिन ओम प्रभा जैन ने कहा था कि गुडज टैक्स का फाइनांस मिनिस्टर साहिब ने क्यो नही जिक्र किया । मै। एक ट्ांसपोर्ट होने के नाते उन की गलत फहमी को दूर करना चाहता हॅू। मुझ इस बिजनैस का एक्सपीरिऐंस है। गुडस ट्ासंपोर्ट का बिजनेंस पहले सारे ज्वायंट पंजाब में था जो कि अब सिर्फ 6 जिलों में सीमित हो कर रह गया है। जो ट्क पहले मोगा और अटारी तक चला जाता था आज वह अम्बाले से आगे नही जा सकता। आज वह इस हालत में नही कि उन पर गुडज टैक्स और

बढाया जाए क्योकि अब ज बवह पंजाब में जाएंगे तो उन को और टैक्स देना प्डेगा , हिमाचल में जांएगे तो अलहदा टैक्स देना पडेगा, इस तरह से उनक` ऊपर तीन गूना बोझ पउेगा । मै तो तजवीज करूंगा की देहली, हिमाचल, पंजाब और हरियाणा का एक जोन बनाया जाए वर्ना ट्क आपरेटर्ज इस पोजीशन में नहीं है कि उनक` ऊपर टैक्सो का और बोझ लादा जा सके। इस के अलावा कुछ भादईयों ने पेंसजर टैकस पर बोलत समय कहा कि ट्ासपोर्ट को नशेलाइज किया जाए और वह शायद उन्होनें इसलिए कहा कयो कि उन को तजुरबा नही उस कारोबार का। मै। फैक्टस ऐंड फिग्र्ज की बिना पर इस सिलसिलें में अर्ज करूंगा । आज जिन आपापेजीशन वैचिज से यह आवाज उठाई जा रही है कि काबिज थे और उनहोने 50: 50 का एग्रीमेट 10 साल के लिए प्राइवेट आपरेटर्ज के साथ किया हुआ है जिस कीह मियाद अभी खत्म नहीं हुई। जब 50: 50 की स्कीम चालू कि गई थी तो उसके प्रोस एंड कोन्ज पर अच्दी तरह से गौर किया गया था। प्लैनिंग कमिशन ने ीाी कहा था कि ाजहां तक ट्ांसपोर्ट का ताल्लुक है वह सारी गवर्नमैट के हाथ में आने से यूजफुल साबित नहीं हो सकता मुझे मालूम है प्लैनिंग कमिशन ने किस बात पर रूप्या देने से इनकार किया था ट्ांसपपोर्ट में जब तक हैल्दी कम्पीटीशन नहीं रहेगा तब तक यह सही मानो में पब्लिक की खिदमत नहीं कर सकेगी। सरकारी बसो का अगर आप ने नमूना देखनप है तो आप सउको के किनारे पर देखा, कोई आठ मील के फासले पर खडी हो जाती है कोई 10मील पर खडी हो जाती है। इस के अलावा जो

फैसीलटभ्ज और अचछा ट्रीट मेंट प्राईवेट बसिज वालों का है वह सरकारी बसों वालो का नही है। ट्रासंपोर्ट जो है यह पब्लिक की खीदमत नही कर सकेगी। सरकारी आठ मील के फॅासले पर खडी हो जाती है कोई 10 मील पर खडी हो जाती है। इसके अलावा जो फैसीलटभ्ज ओर अच्दा ट्रीट मेंट प्राइवेट बसिजवालो का है वह सरकारी बसो वालो का नही है। ट्रांसपोर्ट जो है यह पब्लिक की खिदमत के लिए ही तो है नकि उन को दुखाने के लिए। इस के पीछे एक बहुत बडा आइडिया है । लेकिनजो सरकार थी उन्होनें मिनिमय फेयर पर भी पांबदी लगा दी थी, उसका यह था कि प्राइवेट आपरेटर्ज ने बहुत थोडा किराया कर रखा था और सरकार मु1काबले में खाउी नही हो सकती थी। आज भी अगर वह उस रिसट्रिक्शन को तो गवर्नमेट की ट्रांसपोर्ट प्राइवेट ट्रांसपोर्ट के मुकाबले में खडी नहीं हो सकती थी । सरकारी बसें रोजाना ओवर लोड होती है उन को कोई नही पूछता लेकिन अगर प्राइअवेट बस मैं एक ीाी सवारी ज्यादा हो तो उनके परमिट कै।ंसिल कर दिए जाते है। ऐसा इम्त्याजो सलूक नामूनासिब है। ट्रांसपोर्ट तीाी युजफुल हो सकती है अगर इसके अन्दर कम्पीटीशन रहेगा। इसलिए अब जो 50: 50 पर बस चल रही है इसके बेहतरीन और कोई तजरीका नही हो सकता । एक और अ?बात यहां पर कही गई थी कि रूटों की आक?कशन कर देनी चाहि। मै। अर्ज करूंग्रा कि ट्रांसपोर्ट इन्डस्ट्री कोई शराब का इेका नहीं कि उसे निलाम करके उस से कमाई कर ली जाए बल्कि यह पब्लिक की खिदमत का ए क तरीकार है। मे। अर्ज करना चाहता

हूॅ किइस इन्डस्ट्री के साथ वह लोग बाबस्ता है जो पाकिस्तान में रखते थे उस से आधे परमिट यहां नही तमिले और उन लोगों ने अपने जेवर बेच कर कच्ची सडको पर काम कर के हरियाणा में ट्रांस्पोर्ट को अपने पैरों पर खडा किया। और हमें ुखर हकि उन्होंने हरियाणा का सिर ऊंचा किया है। आज अगर ट्रांसपोर्ट को नेशनेलाअज कर दिया जाए तो उससे न सिर्फ ट्रांसपोर्ट ही तबाह होगी बल्कि उनक` सा हजारों मजदूर जो काम करते हैं वह सब बेरोजगार हो जाएंगे। इस रोजगार के साथ हजारों नही लाखों लोग बाबस्ता हैं ट्रांसपोर्ट नेशनेलाइजेशन के बाद सारा काम उनक` हाथ में आ जाए्गा सब काम डायरेक्ट होने शुरू हो जांएगे ।इसके साथ ही साथ जो अनइम्पलायमेट है वह ीाी दूर हो जाएगी।

मैं सिर्फ दो मिनट के अनदर अपने करनाल जिला कि बाबत अर्ज करूंगा। पिछले 10 सालों में इस जिला में कोई तरककी नहीं हुई है। खासतौर से जो कांसटीच्यूएंसी है वह बहुत पिछडी हुई है। यह इसकी बदकिस्मती है कि कांग्रेस के टाईम में कांग्रेस में धडेबाजी रही है। इस धडेबाजी के कारण ही यह इलाका तरक्की नही कर सका और पिवछडा हुअइा ही रह गया। करनपाल जिला सारे हरियाणा में अन्दर खेती के लिहाज से सब से आगे है। सब से ज्यादा चावल हरियाणा के इस जिला में होता है लेकिन यहां पर न कोई कॉलेज है और न ही कोई इंडस्ट्री । कोई मिल भी देखने को नहीं मिलती। वहांपर कोइर्द ऐसा काम

नहीं है जिससे बेरोजगारी को कम किया जा सके। यह सारा इस लिए है कि पिछली कांग्रेस सरकार इसके साथ सौतेली मों का बर्ताव करती रही और उस कांस्टीच्यूएंसी का मैमबर कांगेंस सरकार से इतेफाक नही रख सका जिसके नतीजे के तौर पर यह इलाका पिछडा हुआ ही रह गया। इसको हर तरह से इगनोर किया , इसलिए मैं गुजारिश करूंगा कि इसकि तरफ सरकार ध्यान दे।इस इलाके में एक शुगर मिल रजिस्टर हुअई और इसके शेयर बेचे गए। लेकिन कई लोगों ने इसको यहा ंसे उठराने के लिए जौर दिया। बहिन जो ने कहा कि वहां पर लेगनली चाहिए, यहां ठीक नही स्पीकर साहिब, इंडस्ट्रियल एरियाज के लिए कई सालों से यह बात चल रही है कि यहां इंडस्ट्रीज लगाई जांए ं।मैं समझता हू िकइस इलाके को इंडस्ट्रीज एरिया करार दिया जाना चाहिए ताकि इंडस्ट्रीज लगा सकें। इतना कहकर स्पीहकर साहिब मैं सरकार से दर्खवास्त करता हॅू कि इस जिला की तरफ ध्यान दें।

श्री गणपत राय स्पीकर साहिब , दो दिन से बजट पर बहस चल रही हैं । मेरे विचार के मुताबिक जो बजट पेश किया गय है यह हरियाणा की जनता पर एक कुठाराघात है। वह बजट जिस से किसानों का गला घोटा जा रहा ाा, आज सुबह चीफ मिनिपस्टर साहिब नें यह एलान करके थोडा सा बोण हल्का कर दिया कि जो पानी की दरें बढाई जा रही थीं, वह नही बढाई जायेगी । इसके लिए चीफ मिनिस्टर साहिब ने बडी सदबुद्धि से

काम लिया और बडी सौभाग्य की बात हैं इसके इलावा दूसरी चोअ जारे गरीबों पर की गढ है वह है पैसेंजर टैक्स । इससे गरीबों पर बहुत भार पडेगा, अमीरो पर नहीीं। इसलिए मैं फिनांस मिनिस्टर साहिब से दर्खास्त करूंगा कि पैसेंजर टैक्स को खत्म करके गरीबों को राहत दें।

छूसरी बात यह है कि प्रान्त के अनदर सरकारी कर्मचारियों में बडी बेचैनी फेली हुइ है। आपने यह बहुत अच्दा काम किया कि सैट्रल रेटस पर अपने इम्पलाइज की डी.ए. दे दिया लेकिन इसके साथ दुख की बात यह है कि जो कुछ ीाी आपने दिया है उसको आधी रकम सी.टी.डी. में जमा करवानी पडेगी । इतनी महंग्राई के अंदर सरकारी कर्मचारियो को पैसा जमा करवाना बड़ा मुश्किल है। सैन्ट्रल गवर्नमेंट ने भी एक बार ऐसा ही किया था । उन्होंने भी सरकारी मुलाजमों का कुछ रूप्या सी.टी.डी. में जमा करवाने के लिए कहा था, लेकिन कर्मचारियों ने विद्रोह किया ओर यह स्कीम कारगर नही हुई । सैट्रंल गवर्नमेट की स्कीम वापिस लेनी पड.ी और जिन कर्मचारियो के चार पांच महीने के पैसे जमा हो चुके थे वे वापिस दिए गए। मैं फिनांस मिनिस्टर साहिब से कहुगा िकइस स्कीम को पूरी तरह से लागु करे यानी जो डी.ए. है यह पूरा सरकारी कर्मचारियों को दिया जाना चाहिए।

टब मै। जिला महेनद्रगढ. की बाबत अर्ज करनपा चाहता हॅू । यह जिला बहुत पिछड.ा हुआ है। खेतो की हालत को ठीक करने के लिए यहां सिंचाई के साधन मुहैया किए जांए। अगर इस

जमीन को पानी मिल जाए तो ये सोना उगल सकती है। मुझे खुशी इस बात में है कि वहां पर इरीगबेशन को लागू किया जाए , लेकिन हम देख रहे है कि लोगो को टयूबवैल के कनैक्श नही नही मिल रहे। कई कई सालों से उनकी दरखास्तें पड.ी हहुई है। इस इलाके में सब जगह धांधली मची हुई हैं, कोई काम ढीक से नही होता । कोइ भीा काम बिना रिश्वत से पूरा नहीं होता, इससे किसानों को बउ.ी परेशानी होती हैं। वे बेचारे चक्की में पिस रहे है उनको टयूब्वैल्ज के कनैकश नही नही मिलते जो कि देष की तरक्की के लिए बहुत जरूरी है। पिछले दिनों दादरी तहसील को फैमिन रिलनलफ के अनदर लिया गया और उस प्रोग्राम के अन्दर कुछ सड.के बनी, लेकिन अब उन सड.को पर काम बिल्कूल बंद हैं, रेत उड. रहा हैं इस समय जबकि वहां पर अकाल पड.ा हुआ है, कोई भीा काम ठीक से नही हो रहा। मेरी सरकार से गूंजारिश है कि इन सड.को को अधूरा न छोड. पक्की सड.के बनाने का प्रबनध करे।

इसके इलावा एजुकेशन के द्वक्षेत्र में ीी वह इदलाका पिछड़ा हुआ है । दो तहीन बार यह चीज सरकार के नोटिस में लाई गई लेकिन कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। दादरी तहसील में 15मील तक कोई हाई स्कूल नही हैं। जो हरियाणा प्रांत के दूसरे इलाके हैं, जों शिक्षा के क्षेत्रो में इतने पिछड़े हुए नही है उन्हे सहुलतें दी जा रही है लेकिन दादरी तहसील की तरफ कोई ध्यान नही दिया जा रहा है। वहा पर 20 सालो में एक ही स्कुल

को अपग्रेड किया गया है। इसलिए मैंसरकार से दर्खास्त करूंगा कि इस तरफ ध्यान दें।

**Mr. Speaker:** The stands adjourned 9 A.M. tomorrow.

(The Sabha adjourned till 9.00A.M. on Thursday, the 15th June, 1967)